Ranchi ● Monday, 20 October 2025 ● Year : 03 ● Issue : 273 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Daily
ॐ विष्णु हृदय निवासिनी लक्ष्मी वयं प्रणमामि।
सच के हक में...
THE PHOTON NEWS
द फोटोन न्यूज Published From Ranchi

रंग-बिरंगी रोशनी में जगमगा उठी राजधानी

शहर की छतों से लेकर बालकनी तक झिलमिलाते झालरों ने बढ़ाई रौनक, बाजार में दिखी गहमागहमी

- हर तरफ पूजा और सजावट के सामान खरीदने के लिए देर रात तक उमड़ी भीड़
- सुख-समृद्धि के लिए मां लक्ष्मी व भगवान गणेश की आज होगी पूजा-अर्चना

RANCHI : सोमवार को दीपों का पर्व दीपावली है। कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष के अंधकार में प्रकाश का पर्व। अंधकार खत्म कर उजाला फैलाने के उत्साह का पर्व। हर्ष और उल्लास के साथ सुख-समृद्धि के लिए मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की आराधना का पर्व। इस अवसर पर राजधानी रांची सहित पूरे झारखंड में दीप जगमगाएंगे। कहीं दीपों की माला तो कहीं झालरों की जगमगाहट होगी। फुलझारियों के प्रकाश के साथ-साथ पटाखों का शोर भी होगा। दीपावली के एक दिन पहले ही रविवार छोटी दिवाली की शाम से ही रांची की हर गली, हर सड़क रंग-बिरंगी रोशनी में जगमगा उठी। नजारा ऐसा कि छतों से लेकर बालकनी तक लटक रहे बिजली के रंग-बिरंगे झिलमिलाते झालर घरों की रौनक में चार चांद लगा रहे। घर-बाहर महिलाओं की व्यस्तता पुरुषों में पूजा व सजावट के समान जुटाने की आपाधापी दिखी। दुकानों पर खरीदारों की भीड़ और बाजार में गहमागहमी का माहौल दिखा। दीपावली में बिजली की कमी से खुशियों में खलन ना पड़े, इसके लिए जेबीवीएनएल ने भी पूरी तैयारी कर रखी है। बिजली कर्मियों को अलर्ट मोड में रहने को कहा गया है। दीपावली के दौरान राजधानी के हर इलाके में निर्बाध बिजली उपलब्ध करने के निर्देश दिए गए हैं। यदि अपनी परंपरा को स्मृति में लाएं तो जानकारी मिलती है कि इसी दिन भगवान राम 14 साल का वनवास काटकर अयोध्या लौटे थे और इनके स्वागत में अयोध्या में उस दिन असंख्य दीप जलाए गए थे थे। तब से दीपावली मनाई जाती है। इसी अमावस को मां

SARAFA

सोना	:	12,150
चांदी	:	190.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

अवकाश की सूचना

दीपावली के शुभ अवसर पर 20 अक्टूबर को **'द फोटोन न्यूज'** कार्यालय में अवकाश रहेगा। अखबार का अगला अंक 22 अक्टूबर को बाजार में आएगा। पाठकों, हॉकर बंधुओं और विज्ञापनदाताओं को दीपावली की शुभकामनाएं। खबरों से अपडेट रहने के लिए देखते रहें- www.thephotonnews.com

BRIEF NEWS

दीपावली पर केदारनाथ में नहीं होगी आतिशबाजी

RUDRAPRAYAG : पंच केदार में प्रमुख श्रीकेदारनाथ धाम में दीपावली पर आतिशबाजी नहीं होगी। पुलिस ने धाम में पटाखे नहीं फोड़ने और सुरक्षा के लिए धाम में जागरूकता और चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस उपाधीक्षक प्रबोध कुमार घिल्डियाल ने बताया कि हिमालय की तलहटी पर विराजमान केदारनाथ को प्रदूषण मुक्त रखने के लिए दीपावली पर किसी भी प्रकार की आतिशबाजी नहीं की जाएगी। बताया कि विगत वर्षों की इस बार भी केदारनाथ धाम क्षेत्र में दीपावली पर्व पर आतिशबाजी नहीं की जाएगी। बताया कि रविवार को पुलिस और अग्निशमन इकाई के जवानों ने स्थानीय व्यापारियों, श्रद्धालुओं को केदारनाथ में पटाखे न फोड़ने और आतिशबाजी नहीं करने के लिए जागरूक किया।

इस वर्ष रिकॉर्ड यात्रियों ने किए आदि कैलाश के दर्शन

DEHRADUN : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आदि कैलाश जाने के बाद श्रद्धालुओं का आदि कैलाश यात्रा को लेकर रुझान बढ़ा है। आदि कैलाश की इस वर्ष यात्रा ने पिछले वर्षों का रिकार्ड तोड़ा है। इस साल 31 हजार 5 सौ 98 यात्री आदि कैलाश और ओम पर्वत के दर्शन कर चुके हैं। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने बताया कि देवभूमि उत्तराखंड में अध्यात्मिक सुख और शांति की तलाश में श्रद्धालुओं के कदम तेजी से बढ़ रहे हैं। आदि कैलाश यात्रा को और अधिक व्यवस्थित किया जाएगा ताकि यात्रियों को यात्रा मार्ग पर सभी सुविधाएं उपलब्ध हों। वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी यात्रा सुविधाओं के विस्तार पर जोर दिया।

दर्दनाक : गोड्डा जिले के सुंदरपहाड़ी के डाहूबेड़ा गांव में हुई घटना

नहाने के दौरान ढही जलमीनार मलबे में दबे 5 बच्चे, दो की मौत

पहाड़िया जनजाति के दो बच्चों की घटनास्थल पर ही चली गई जान, तीन घायल

- सदर अस्पताल के आईसीयू वार्ड में चल रहा दो बच्चों का इलाज
- डीसी-एसपी पहुंचे अस्पताल, गंभीर रूप से घायल एक बच्चे को भेजा गया भागलपुर
- डीसी अंजलि यादव बोलीं- मामले की होगी जांच, बख्शे नहीं जाएंगे दोषी

PHOTON NEWS GODDA : गोड्डा जिले के सुंदरपहाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत डाहूबेड़ा गांव में रविवार को एक बड़ा हादसा हो गया। लगभग 30 साल पुरानी सीमेंट निर्मित पानी टंकी अचानक गिर गई। इससे जलमीनार के नीचे नहा रहे पांच बच्चे मलबे में दब गए। घटना के बाद पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे और बच्चों को बाहर निकालने की कोशिश करने लगे। टंकी के गिरने से दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। उनका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। मृतकों की पहचान मेशानंद पहाड़िया (5)और धमेंद्र पहाड़िया (6) के रूप में हुई है। घायलों में चंदन पहाड़िया (4), मेशा पहाड़िया (5) और गौरव पहाड़िया (5) शामिल हैं। ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने बच्चों को मलबे से बाहर निकाला और तुरंत सदर अस्पताल भेजा। चिकित्सकों ने दो बच्चों को मृत घोषित कर दिया। चंदन व मेशा का इलाज सदर अस्पताल के आईसीयू वार्ड में किया जा रहा है, जबकि गौरव पहाडिया की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए भागलपुर के मायागंज अस्पताल भेजा गया है।

गांव में शोक की लहर

हादसे के बाद पूरे डाहूबेड़ा गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। बच्चों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों का कहना है कि टंकी की नींव कमजोर थी और लंबे समय से मरम्मत की जरूरत थी, लेकिन संबंधित विभाग की ओर से ध्यान नहीं दिया गया। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि रविवार को दोपहर एक बजे गांव के पांच-छह बच्चे जलमीनार के नल से स्नान कर रहे थे, तभी जलमीनार सहित उसकी दीवार ढह गई। इससे पांच बच्चे उसमें दब गए। इधर हादसे की सूचना मिलते ही डीसी अंजलि यादव और एसपी मुकेश कुमार सदर अस्पताल पहुंचे, जहां घायलों और परिजनों से मिले। डीसी ने कहा कि हादसे की जांच की जाएगी। इसमें किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

अस्पताल में डटे प्रशासनिक पदाधिकारी

हादसे के बाद तमाम प्रशासनिक पदाधिकारी सदर अस्पताल में डटे हैं। बच्चों के बेहतर इलाज को लेकर चिकित्सकों से सीधे संपर्क में हैं। अस्पताल में डीसी व एसपी के अलावा एसडीओ बैजनाथ उरांव, एसडीपीओ अशोक प्रियदर्शी सहित थानेदार दिनेश मोहली आदि पहुंचे। सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. ताराशंकर झा ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को आईसीयू में भर्ती बच्चों का इलाज बेहतर तरीके से करने का भरोसा दिया है। सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ. प्रशांत मिश्रा, डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. अशोक मेहता व डॉ. नाजिर चौधरी को भी चिकित्सा में लगाया गया है।

चौपाटी रेस्टोरेंट मालिक के मर्डर का मामला

कई लोग हिरासत में, मुख्य आरोपी फरार, बिरयानी को लेकर विवाद में हुई थी हत्या

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के पॉश इलाकों में शुमार कांके रोड स्थित चौपाटी रेस्टोरेंट में शनिवार देर रात गोलियों की तड़तड़ाहत से गूंज उठा। दरसअल, रेस्टोरेंट के मालिक विजय बैठा की कुछ युवकों ने गोली मार हत्या कर दी थी। विजय बैठा की हत्या एक मामूली विवाद में कर दी गई। बताया जा रहा है कि वेज की जगह नॉन वेज बिरयानी पार्सल करने को लेकर रेस्टोरेंट मालिक की हत्या कर दी गई। हत्या की खबर मिलते ही रांची पुलिस रेस हो गई। ग्रामीण एसपी के नेतृत्व में पुलिस मामले की जांच कर रही है। रविवार को कुछ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। डिटेन किए गए लोगों से फिलहाल पुलिस पूछताछ कर रही है। इस मामले में एक अपराधी की पहचान हुई है। वह अभी फरार चल रहा है। स्थानीय लोगों में घटना को लेकर बेहद आक्रोश देखा जा रहा है। पेज 03 भी पढ़ें।

शनिवार देर रात रेस्टोरेंट के मालिक विजय बैठा की कुछ युवकों ने गोली मारकर कर दी थी हत्या

- डिटेन किए गए लोगों से फिलहाल पुलिस कर रही पूछताछ
- वेज की जगह नॉन वेज बिरयानी पार्सल करने को लेकर दिया गया घटना को अंजाम
- हत्या से पूरे इलाके में फैली सनसनी स्थानीय लोगों में घटना को लेकर था आक्रोश
- एक अपराधी की हुई पहचान, आरोपी की धरपकड़ के लिए छापेमारी जारी

जांच में जुटी पुलिस, आरोपी की तलाश जारी

घटना के बाद रांची पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है। ग्रामीण एसपी प्रवीन पुष्कर के अनुसार, पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। आरोपी की धरपकड़ के लिए छापेमारी जारी है। रेस्टोरेंट के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि आरोपी की पहचान पक्की की जा सके। इधर, घटना से रांची के कारोबारी और होटल व्यवसायी वर्ग में दहशत का माहौल है। लोगों का कहना है कि मामूली विवाद में हत्या जैसी वारदात शहर की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़ा करती है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी अभिषेक को पकड़ने के लिए कई ठिकानों पर छापेमारी शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, हत्या का कारण महज बिरयानी का पार्सल विवाद था। अभिषेक नामक युवक ने चौपाटी से वेज बिरयानी पैक करवाई थी। घर पहुंचने पर जब उसे पैकेट में नॉन वेज बिरयानी मिली तो उसने रेस्टोरेंट संचालक विजय को फोन कर बहस की। इसके बाद रेस्टोरेंट पहुंचकर अभिषेक ने पिस्टल निकालकर विजय के सीने में गोली मार दी।

जाम को लेकर शुरू हुआ विवाद, जमकर की गई मारपीट, बरसे लाठी-डंडे

गिरिडीह में दो गुटों में बवाल, खूब हुई पत्थरबाजी

आधा दर्जन से अधिक लोग घायल, कुछ की हालत गंभीर

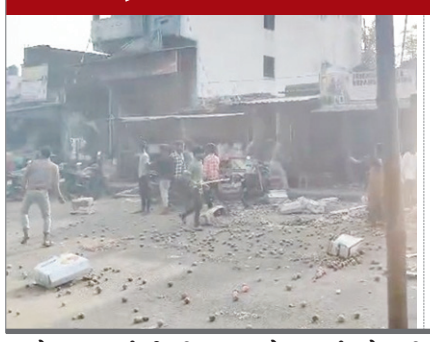

पुलिस ने संभाला मोर्चा, अतिरिक्त बल तैनात

घटना की सूचना मिलते ही जमुआ थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद स्थिति पर काबू पाया और दोनों पक्षों को किसी तरह शांत कराया। एहतियातन पूरे क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है ताकि दोबारा कोई अप्रिय घटना न घटे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट, धमकी और रंगदारी मांगने के आरोप लगाते हुए आवेदन दिए हैं। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस बोली सबूतों एवं गवाहों के आधार पर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

PHOTON NEWS GIRIDIH : गिरिडीह जिले के जमुआ थाना क्षेत्र स्थित जगन्नाथडीह मिजार्गंज सब्जी मंडी में दो गुटों के बीच जाम को लेकर हुआ मामूली विवाद अचानक हिंसक रूप ले लिया। देखते ही देखते दोनों ओर से ईंट-पत्थर चलने लगे और लाठी-डंडों से जमकर मारपीट होने लगी। इस दौरान सब्जियों से भरी टोकरियां सड़कों पर बिखर गईं। मंडी का माहौल पूरी तरह अफरा-तफरी में बदल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मंडी में रोजाना लगने वाले जाम को लेकर पहले बहस हुई थी। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्ष एक-दूसरे पर टूट पड़े। इस हिंसक झड़प में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को तत्काल स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र और सदर अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

झारखंड के चार जिलों में आज होगी बारिश

RANCHI : झारखंड के चार जिलों में सोमवार को बारिश होने की संभावना है। इस दिन न्यूनतम और अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव की संभावना नहीं है। मौसम विभाग ने शनिवार को इसकी जानकारी दी है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के जिन जिलों में बारिश होने की संभावना है, उनमें पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला खरसावां शामिल हैं। इन जिलों में आंशिक बादल छाए रहेंगे और मेघ गर्जन के साथ बारिश हो सकती है। मौसम विभाग की ओर से बताया गया कि 21 अक्टूबर को राज्य के दक्षिणी और पश्चिमी जिलों में सुबह में कोहरा छाया रहेगा, जबकि बाद में मौसम साफ हो जाएगा। 22 अक्टूबर को भी दक्षिणी और पश्चिमी जिलों में कोहरा छाया रहेगा।

न्यू स्टडी ऊर्जा प्रदान करने की क्षमता में निरंतर दर्ज की जा रही गिरावट

जंगलों की सेहत के संरक्षण को लेकर बढ़ानी होगी सतर्कता

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : जंगलों का पर्यावरणीय महत्व बहुआयामी है। वे वायुमंडल में ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर जलवायु को नियंत्रित करते हैं। पूरी प्रकृति में जैव विविधता का संरक्षण करने में हम भूमिका निभाते हैं। जंगल जल वाष्प छोड़कर और वर्षा को संचित करके वैश्विक जल चक्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे प्रदूषकों को छानते हैं, जिससे मानव उपयोग के लिए जल की गुणवत्ता में सुधार होता है। पेड़ों की जड़ें मिट्टी को बांधकर रखती हैं। इससे मिट्टी के क्षरण और बाढ़ को रोकने में मदद मिलती है। वे बाढ़ और सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाओं की गंभीरता को कम करते हैं। ऐसी स्थिति में जंगलों की सेहत का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है, लेकिन नए अध्ययन में यह चिंताजनक स्थिति उभर कर सामने आई है कि भारत के जंगलों की सेहत पर खतरों के बादल मंडरा रहे हैं। अतः जंगलों की सेहत को लेकर सतर्कता बढ़ाने की जरूरत है। इस संदर्भ में आईआईटी खड़गपुर के वैज्ञानिकों की टीम ने लंबे समय तक विशेष स्टडी की है।

आईआईटी खड़गपुर के वैज्ञानिकों की टीम ने लंबे समय तक किया विशेष अध्ययन

देश के पूर्वी हिमालय और गंगा के तटीय मैदानों के पुराने वनों पर दिखा ज्यादा प्रभाव

- विगत 10 वर्षों में प्रकाश संश्लेषण की क्षमता में लगभग पांच प्रतिशत की आई कमी
- जलवायु परिवर्तन की गंभीर स्थिति के बीच जंगलों के लिए यह दोहरा आघात

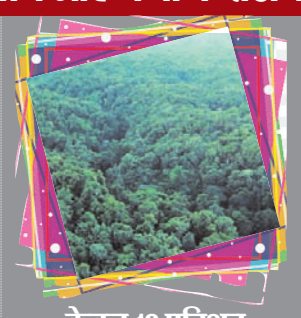

केवल 16 प्रतिशत जंगल ही बनाए रख पा रहे हैं अपनी उच्च संपूर्णता की क्वालिटी

- अब पहले की अपेक्षा गर्मी, सूखा और नमी से ज्यादा असुरक्षित हो गए हैं जंगल
- विषम परिस्थिति में वनों के स्वास्थ्य के लिए इसे एक खतरनाक संकेत मान रहे विशेषज्ञ

पांच प्रतिशत की गिरावट की गई दर्ज

उनके अध्ययन के अनुसार, बीते 10 वर्षों में देश के जंगलों की प्रकाश संश्लेषण की क्षमता घट गई है। प्रकाश संश्लेषण वह जैव रासायनिक क्रिया है, जिसमें हरे पौधे सूर्य का प्रकाश, पानी और कार्बन डाइऑक्साइड की मदद से भोजन बनाते हैं और अन्य सजीवों के लिए ऊर्जा प्रदान करते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि भारत में एक दशक में हरे पौधों के प्रकाश संश्लेषण की क्षमता में लगभग पांच प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

ड्रोन से दीपों की हुई काउंटिंग, राम की पैड़ी पर किया गया लेजर लाइट शो

अयोध्या में 26 लाख 17 हजार दीपक जलाने का रिकॉर्ड, 2128 अर्चकों ने की महाआरती

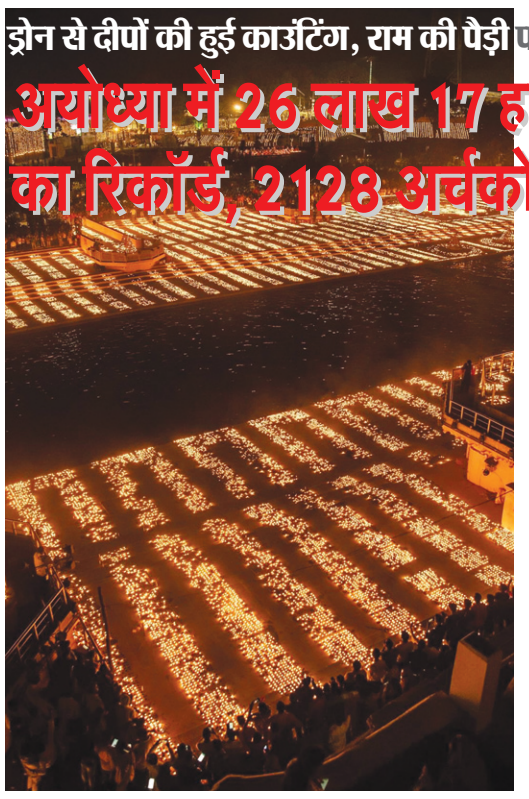

AYODHYA : अयोध्या में 9वां दीपोत्सव मनाया जा रहा है। सीएम योगी ने रविवार को राम मंदिर में दीप जलाए। इसके बाद दीपोत्सव की शुरुआत की। इसी के साथ राम की पैड़ी पर दीपक जलाए गए। इस दौरान गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अयोध्या के नाम 2 रिकॉर्ड बने। पहला- 26 लाख 17 हजार 215 दीपक एक साथ जलाए गए। दूसरा- सरयू तट पर 2128 अर्चक सरयू की महाआरती की गई। ड्रोन से दीपों की काउंटिंग हुई। जबकि राम की पैड़ी पर लेजर लाइट शो किया गया। 1100 ड्रोन से विशेष शो किया गया। राम की पैड़ी से सीएम योगी ने कहा- दीपोत्सव का यह कार्यक्रम अच्छा लगा हो तो अपने स्मार्टफोन की लाइट जलाकर देश और दुनिया को संदेश दे दीजिए। आपके स्मार्टफोन की लाइट बताती है कि दीपोत्सव का कार्यक्रम आपको अच्छा लगा। सीएम योगी ने कहा- विपक्षियों ने राम मंदिर में बाधा खड़ी करने के लिए अधिवक्ताओं की फौज खड़ी की। राम भक्तों पर गोलियां चलवाई।

हत्यारोपी युवक को अगवा कर दिनदहाड़े मार दी गोली, हुई मौत

पलामू के चैनपुर में शाहपुर नई मोहल्ला की घटना, जेल से छूटने के बाद चला गया था मुंबई

AGENCY PALAMU : पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर नई मोहल्ला में रविवार सुबह एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली मारने से पहले अपराधियों ने युवक को अगवा किया। चैनपुर से बाइक पर उठा कर पिटाई करते हुए तीन किलोमीटर दूर ले जाकर हत्या कर दी। गोली मारने से पहले युवक को चाकू मारने के जख्म के निशान मिले है।

मृतक की पहचान चैनपुर पठान मोहल्ला निवासी इबरार हजाम (मिस्त्री) के 30 वर्षीय पुत्र हसन अली के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पांच की संख्या में पहुंचे अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया है। घटना का कारण आपसी रंजिश बताया जा रहा है। हत्या करने से पहले युवक को ले जाते समय का दृश्य आसपास के सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है। पुलिस उसके आधार पर अपराधियों की पहचान करने में जुटी हुई है। मृत युवक के पैकेट से प्रतिबंधित सिरप बरामद किया गया है। जानकारी के अनुसार हसन अली और विनय अग्रवाल चैनपुर में अस्पताल चौक के समीप बैठे हुए थे। इसी क्रम में 4 से 5 युवक वहां पहुंचे और दोनों युवकों की पिटाई की। हसन अली को जबरन बाइक पर बैठा लिया और वहां से लेकर चले गए। करीब तीन किलोमीटर दूर ले जाने के बाद उसकी पुनः पिटाई की और फिर चाकू से मारने के बाद गले के हिस्से में सटाकर गोली मार दी। विनय ने घटना की जानकारी हसन के परिजनों को दी। परिजन ढूंढते हुए शाहपुर नई मोहल्ला पहुंचे। यहां से हसन का शव बरामद किया। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लिया।

पोस्टमॉर्टम हाउस में जुटे मृतक के परिजन व अन्य

परिजनों के अनुसार हसन मुंबई में रहकर पेंटिंग का काम करता था। मोहर्रम के समय घर आया था। परिजनों ने शाहपुर के सद्दाम नामक युवक पर हत्या की आशंका व्यक्त की है।

इधर जानकारी मिली है कि हसन हत्याकांड का आरोपित रहा है और वर्ष 2020 में जेल भी गया था। जेल से निकलने के बाद वह मुंबई में रहकर काम करता था।

इस संबंध में चैनपुर के थाना प्रभारी राम शर्मा ने बताया कि सूचना मिलते ही दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंच कर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्स्टर्म कराने के लिए राजा मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भेज दिया। अपराधियों को चिन्हित करने का प्रयास किया जा रहा है। गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। हत्या के कारणों का भी पता लगाया जा रहा है कि आपसी रंजिश थी या कुछ और। जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

टूटा हुआ बाथरूम का वेंटिलेटर व घटनास्थल पर शोरूम के संचालक

बाइक के शोरूम से 5 लाख की चोरी

AGENCY RAMGARH : रामगढ़ शहर के कांके बार में बजाज बाइक शोरूम में हुई धनतेरस की कमाई चोरों ने उड़ा ली। रविवार को जब शोरूम का शटर खुला तो मालिक और कर्मचारी सभी आवक रह गए। कैशियर के कमरे का शीशा टूटा हुआ था और अंदर से लाखों रुपये नगद गायब थे। घटना की सूचना तत्काल शोरूम के मालिक वत्सल पोद्दार ने रामगढ़ थाना प्रभारी को दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने जांच भी शुरू कर दी है।

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई वारदात : चोरी की यह वारदात शोरूम के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। लगभग 41 मिनट के वीडियो में स्पष्ट दिख रहा है कि हुडी लगाया हुआ चोर शोरूम के अंदर घुसता है। इसके बाद कैशियर के कमरे में घुसकर बड़े आराम से नगद अपने बैग में रखकर फरार हो जाता है। सीसीटीवी में चोर का चेहरा स्पष्ट तौर पर नजर नहीं आया है। पुलिस उस चोर को पकड़ने के लिए शोरूम के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाल रही है, ताकि चोर की पहचान आसानी से हो सके। जिस तरह चोरी की गई है उससे पुलिस को यह संदेह है कि शोरूम का कोई कर्मचारी जरूर चोर से मिला है।

बाथरूम के वेंटिलेटर से घुसे थे चोर

रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे ने बताया कि लगभग पांच लाख रुपये नकद और चेक भी चुराई गई है। उन्होंने छानबीन कर यह बताया कि चोर शोरूम के पीछे बनी लेडिस बाथरूम का वेंटीलेटर तोड़कर अंदर घुसा था। इसके बाद में सीधे कैशियर के रूम में पहुंचा। वहां उसने काउंटर का शीशा तोड़कर दरवाजा खोला, फिर कैश काउंटर से पांच लाख नगद रुपये निकाल कर फरार हो गया।

BRIEF NEWS

पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

KODERMA : शनिवार दोपहर से लापता युवक का शव रविवार की सुबह बरामद किया गया है। कोडरमा थाना अंतर्गत लोकाई स्थित बंद पड़े ब्लू स्टोन माइंस के समीप एक पेड़ पर लटकता हुआ शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान लोकाई निवासी सोनू कुमार (25, पिता गोविंद साव) के रूप में हुई। इधर शव मिलने के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। मृतक के पिता गोविंद साव ने बताया कि सोनू शनिवार को दोपहर ही घर से निकला था। हमलोगों ने काफी खोजबीन की। शाम तक जब वह वापस घर नहीं आया तो हमने उसे फोन लगाया। लेकिन उसका फोन स्विच ऑफ आने लगा, जिसके बाद हमने सुबह होने का इंतजार किया। वहीं रविवार की सुबह आसपास के ग्रामीण जब जंगल की ओर अपने मवेशियों को चराने जा रहे थे तो उन्हें जंगल स्थित एक पेड़ से लटका शव दिखाई पड़ा। इधर मृतक के पिता ने कहा कि मेरे बेटे की हत्या हुई है। घटना के बाद ग्रामीणों में भी आक्रोश है। ग्रामीणों की मांग है कि पुलिस इस घटना में संलिप्त लोगों को जल्द से जल्द पकड़े। शव मिलने की खबर मिलते ही कोडरमा थाना प्रभारी विकास पासवान दलबल के साथ मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल कोडरमा भेज दिया। यह मामला हत्या का है या आत्महत्या का, पुलिस इसकी जांच में जुटी है।

धनबाद में तैयार हो रहा मां काली का भव्य पूजा पंडाल

DHANBAD : धनबाद कोयलांचल में दीपावली और काली पूजा मनाने को लेकर तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है। इस वर्ष काली पूजा को लोकर तमाम पूजा कमिटियां एक से बढ़कर एक पूजा पंडाल बना रही है। कतरास पोस्ट ऑफिस गली काली पूजा समिति पिछले 23 वर्षों से भव्य काली पूजा का आयोजन करती आ रही है। हर बार अलग-अलग थीम पर आधारित पूजा पंडाल का निर्माण यहां किया जाता है। इस बार यहाँ निमार्णाधीन माता के दरबार के दृश्य को दशार्या जा रहा है। साथ ही पंडाल में सुरक्षा के महत्व का संदेश भी दशार्या जा रहा है। पत्थर के बने मजदूर, हाथ मे कुल्हाड़ी, हेलमेट सहित अन्य सामानों का पूजा पंडाल में उपयोग किया गया है। वही समिति सदस्य विश्वनाथ पांडेय और राहुल रजक ने कहा कि 23 साल से पूजा समिति काली पूजा कर रही है। इस बार निमार्णाधीन माता के दरबार को दिखाया गया है।

डकैती की योजना बनाते हथियार सहित दबोचे गए पांच अपराधी

गुप्त सूचना के बाद एसपी ने भेजी थी टीम, पुलिस को देख भागने लगे थे सभी आरोपी

PHOTON NEWS HAZARIBAG : हजारीबाग जिले में चोरी, लूट एवं डकैती जैसे अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कोर्रा थाना क्षेत्र में डकैती की योजना बना रहे पांच सशस्त्र अपराधियों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार अपराधियों ने पूर्व में हुई कई लूट और चोरी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता भी स्वीकार की है। पुलिस के अनुसार, 18 अक्टूबर को रात लगभग 8 बजे एसपी को गुप्त सूचना मिली कि कुछ लोग कोर्रा थाना क्षेत्र के कनहरी हिल, वन क्षेत्र के आसपास डकैती की योजना बना रहे हैं। इस सूचना के तत्काल बाद, सदर अनुमंडल के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक छापामार टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कनहरी हिल के संदिग्ध स्थानों पर सर्च अभियान चलाया। इसी दौरान, टॉर्च की रोशनी में कुछ लोगों को देखा गया। पुलिस द्वारा घेराबंदी करने पर अपराधी भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन छापेमारी दल ने सभी पांचों व्यक्तियों को खदेड़कर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अपराधियों में धनीराम सोरेन उर्फ नेपाली (40), बलराम मुंडा (40), किशोर कुमार उर्फ बिहारी (28), तैयब अंसारी (28) और विकास कुमार (31) शामिल हैं।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी • फोटोन न्यूज

लूट की घटना का भी हुआ खुलासा

पूछताछ के दौरान गिरफ्तार अपराधियों ने स्वीकार किया कि वे उस स्थान पर डकैती की योजना बना रहे थे। इसके साथ ही, उन्होंने हाल ही में पतरातु बस्ती के एक सुनसान इलाके में एक बर्थडे पार्टी में हथियारों का भय दिखाकर लगभग 8-10 मोबाइल फोन, सोने की चेन, अंगूठी और लगभग 90,000 रुपये नकद लूटने की घटना को अंजाम देने की भी बात स्वीकारी।

जमीन विवाद में हुई हत्या के पांच आरोपी गिरफ्तार

GODDA : गोड्डा जिले के हनवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम-परसा में 18 अक्टूबर को जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों (गोतिया-हिस्सेदार) के बीच मारपीट की घटना हुई थी। इसमें मो. हिदायत अली, उम्र करीब 35 वर्ष नामक व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी, जबकि दो व्यक्ति अब्दुस शुभान उम्र करीब 27 वर्ष और मो. असद उम्र करीब 32 वर्ष, गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

इस संबंध में उसी दिन थाने में मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद एसपी के निर्देश पर महागामा के एसडीपीओ के नेतृत्व में छापामारी टीम का गठन किया गया। टीम ने घटना में शामिल पांच प्राथमिक अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्तों की स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर घटना में इस्तेमाल लाठी-डंडा व कुदाल को जब्त किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों को रविवार को जिला व्यवहार न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया गया।

गिरफ्तार अभियुक्तों में मो. अली (35), मो. शरीफ (65), मो. अतहर (45), अब्दुल रजाक (40) और जफरूल उर्फ जफर (40) शामिल हैं।

धान कुटाई मशीन में फंसकर महिला की मौत, हो रही जांच

LOHARDAGA : लोहरदगा जिला के कुडू थाना क्षेत्र के सलगी पंचायत के खम्हार गांव में धान कुटाने आई महिला की धान कुटने वालें मशीन में फंसने से मौत हों गई। किस्को थाना क्षेत्र के दुधमटिया गांव निवासी दिवंगत महेंद्र गंझू की पत्नी पुनम देवी रविवार को कुडू थाना क्षेत्र के खम्हार गांव निवासी अजय गंझू और रमेश गंझू के घर धान कुटवाने आई थी। मशीन को चालू करने के बाद मशीन संचालक घर से बाहर दूसरे स्थान पर चला गया था। महिला पुनम देवी मशीन में धान डाल रहीं थी इसी बीच महिला का साड़ी मशीन में फंस गई तथा महिला मशीन से लिपटती चली गई। महिला के सिर और पूरे शरीर में गंभीर चोंट लगने के बाद महिला की मौके पर ही मौत हो गई। लगभग आधा घंटा बाद मशीनस्त्र संचालक मौके पर पहुंचा तो घर के अंदर का नजारा देखते ही उसके होश उड़ गया। मशीन बंद करने के बाद महिला के शव को मशीन से बाहर निकाला और आसपास के ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस खम्हार गांव पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महिला के पति महेंद्र गंझू का पहले ही मौत हों चुकी हैं। महिला किसी तरह मजदूरी करते हुए तीनों बच्चों की परवरिश कर रही थी। थाना प्रभारी ने बताया कि पूरे मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

शराब पीने से मना करने पर उपद्रवियों ने कर दी फायरिंग

DHANBAD : धनबाद थाना क्षेत्र के रांगा टांड़ स्थित रेलवे कलोनी नेताजी क्लब के समीप रहने वाले एक परिवार को उपद्रवियों को मजमा लगाने और शराब पीने से मना करना महंगा पड़ गया। शनिवार देर रात छह से अधिक की संख्या में आए उपद्रवियों ने परिवार के सदस्यों के साथ गाली- गलौज और मारपीट करते हुए चार राउंड फायरिंग कर दी। मामला फायरिंग के बाद इलाके में दहशत फैल गई है। पीड़ित परिवार ने घटना की सूचना पुलिस को दी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस ने मौके से तीन खोखा बरामद किया है। एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। उन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय हो रहा तूफान, छठ से पहले बरसेंगे बादल

PHOTON NEWS DHANBAD : प्री-मानसून, मानसून और पोस्ट-मानसून में झमाझम बारिश के बाद पिछले सप्ताह मानसून विदा हो चुका है। इसके साथ ही आसमान साफ हो गया है, तो सुबह-शाम गुलाबी ठंड भी महसूस हो रही है। इन सबके बीच तूफान की आशंका बढ़ गई है, क्योंकि बंगाल की खाड़ी में तूफान सक्रिय हो रहा है। इसकी वजह से दक्षिण की ओर जाने वाले बादल कभी-कभी आसमान में दिख रहे हैं, लेकिन अभी बारिश नहीं हो रही है। रांची स्थित मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, दिवाली के दिन आंशिक बादल छाए रहेंगे, तो छठ से पहले गरज के साथ झमाझम बारिश हो सकती है। बंगाल की खाड़ी और अंडमान के आसपास चक्रवात का घेरा बन गया है। इसके प्रभाव से बंगाल की खाड़ी में 21 अक्टूबर से निम्नदाब का क्षेत्र बनने की संभावना बढ़ गई है। निम्नदाब क्षेत्र के सक्रिय होने के बाद 48 घंटे के दौरान उसके और ताकतवर होकर डिप्रेशन में बदलने के आसार बढ़ गए हैं। डिप्रेशन समुद्री तूफान का लघु रूप है। इसके प्रभाव से गरज के साथ झमाझम बारिश की संभावना है।

प्रतीकात्मक तस्वीर

बढ़ेगी गर्मी

बंगाल की खाड़ी के बादलों की वजह से गर्मी बढ़ेगी। अधिकतम और न्यूनतम दोनों तापमान में बदलाव होने की संभावना रहेगी। अधिकतम तापमान 30-31 डिग्री से बढ़कर 33 से 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20-21 से बढ़कर 23 और 24 डिग्री तक पहुंच सकता है।

20 अक्टूबर को राज्य के दक्षिणी भागों में बादल छाए रहने के साथ गरज के साथ वर्षा होने की संभावना है। शेष भागों में बादल छाए रहेंगे। 21 और 22 अक्टूबर को भी बादल छाए रहेंगे। 23 और 24 अक्टूबर को दक्षिणी एवं निकटवर्ती मध्य भागों में बादल छाए रहने के साथ में गर्जन के साथ बारिश का अनुमान है। 25 अक्टूबर को राज्य में कहीं-कहीं गर्जन के साथ झमाझम बारिश होगी।

पर्व-त्योहार सिदगोड़ा स्थित सूर्यधाम में 11 हजार दीपक व आतिशबाजी के साथ मना दीपोत्सव, रघुवर दास भी हुए शामिल

दीयों व रंग-बिरंगी रोशनी से सराबोर हुआ सूर्य मंदिर परिसर

सूर्य मंदिर परिसर में सदस्यों के साथ रघुवर दास • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR : सिदगोड़ा स्थित सूर्य मंदिर परिसर दीपावली की रौनक में रंग गई है। रोशनी के पर्व दीपावली की पूर्व संध्या पर श्री अयोध्याधाम की तर्ज पर सूर्य मंदिर परिसर में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मंदिर परिसर व आसपास के क्षेत्र को रंगबिरंगी लाइटों से सजाया गया है। रविवार को सूर्य मंदिर समिति की ओर से श्रीराम मंदिर प्रांगण व पूरे मंदिर परिसर में 11 हजार देसी घी के दीए जलाए गए। इस अनुष्ठान में पूर्व मुख्यमंत्री सह मंदिर समिति के मुख्य संरक्षक रघुवर दास भी शामिल हुए। वहीं, मौके पर संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह, अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह समेत कई अन्य सदस्य मौजूद रहे। रघुवर दास ने मंदिर समिति के सदस्यों के संग दीपक जलाकर दीपावली की खुशियां साझा कीं। इस दौरान हजारों की संख्या में जले दीपों से पूरा मंदिर परिसर जगमग नजर आया। रघुवर दास ने मंदिर परिसर में पहला दीपक जलाया और धीरे-धीरे दीपों की सुंदर कतार सज गई। इस विशेष अवसर पर महिलाओं ने कई सुंदर रंगोली बनाकर दीपक सजाए। वहीं, उपस्थित मंदिर समिति के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं ने जय श्री राम के नारे लगाकर दीपक सजाया एवं शानदार आतिशबाजी कर खुशियां मनाई। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने लौहनगरी जमशेदपुर एवं झारखंडवासियों को दीपावली एवं लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की शुभकामनाएं व्यक्त कर सभी के सुख-समृद्धि और संपन्नता की कामना की। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार त्रेता युग में प्रभु श्रीराम के अयोध्या लौटने पर लोगों ने दीपमाला सजाकर उनका स्वागत किया था, ठीक वैसा ही नजारा आज श्री अयोध्याधाम की तर्ज पर बने राम मंदिर में दिखाई दिया।

लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में 5100 दीप प्रज्ज्वलित

JAMSHEDPUR : गोलमुरी के केबुल टाउन स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में रविवार की संध्या एक साथ 5100 दीप प्रज्ज्वलित किए गए। छोटी दीपावली के शुभ अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में स्थानीय लोगों की प्रमुख हिस्सेदारी रहीं। दीप प्रज्ज्वलन का कार्यक्रम जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय के कर-कमलों से हुआ। इस अवसर पर मंदिर को आकर्षक रुप दिया गया गया था। नीली, पीली, हरी और लाल रंग वाले बिजली के झालरों से मंदिर की शोभा आकर्षक हो गई। इस अवसर पर समाजसेवी शिवशंकर सिंह, सुबोध श्रीवास्तव, साकेत गौतम, असीम पाठक, अमृता मिश्रा, विकास सिंह, अजय कुमार, राजीव चौधरी, वाईपी सिंह, बंटी सिंह, पीयूष, हनी परिहार, रामस्वरूपजी, सुबोध कुमार एवं अन्य मौजूद रहे।

जनता चाहती मौजूदा सरकार से मुक्ति : सुदेश

GHATSILA : आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा है कि घाटशिला की जनता बदलाव और मौजूदा सरकार से मुक्ति चाहती है। उन्होंने घाटशिला टाउन हॉल में रविवार को आजसू के विधानसभा स्तरीय बूथ सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि एनडीए प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन की जीत सुनिश्चित है। सम्मेलन में प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन भी उपस्थित थे। सुदेश ने कहा कि हेमंत सरकार ने विगत छह वर्षों में बालूझकोयला की लूट और भ्रष्टाचार को प्रश्रय दिया है, जिससे जनता ठगा महसूस कर रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता को सवाल पूछने का भी अधिकार नहीं है, क्योंकि यहां लोकतंत्र नहीं राजतंत्र चल रहा है। इस कारण सूचना आयोग को निष्क्रिय कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस उपचुनाव में जनता वोट के माध्यम से हेमंत सरकार को जवाब देगी।

राजगीर होकर 22 से चलेगी धनबाद-रक्सौल स्पेशल ट्रेन

DHANBAD : छठ को देखते हुए रेलवे ने धनबाद से बिहार जाने वालों को राहत दी है। नियमित और स्पेशल ट्रेनों में लंबी वेटिंग लिस्ट को ध्यान में रखते हुए 22 अक्टूबर से धनबाद-रक्सौल ट्रेन चलेगी, जो गोमो, कोडरमा और राजगीर होते हुए चलेगी। यह ट्रेन वापसी में रक्सौल से 23 अक्टूबर को खुलेगी। अब तक यह ट्रेन जसीडीह-झाझा रूट पर चलती थी। इस ट्रेन में सामान्य श्रेणी के 14 और दो थर्ड एसी के कोच जुड़ेंगे।

टाइम टेबल : 03301 धनबाद रक्सौल स्पेशल 22, 24, 26 और 28 अक्टूबर को चलेगी। धनबाद से शाम 5.50 पर खुलकर शाम 6.18 गोमो, 6.44 पारसनाथ 7.12 हजारीबाग रोड, 7.44 कोडरमा, रात 8.28 पहाड़पुर 9.35 वजीरगंज, 11.10 राजगीर, 11.25 नालंदा, अगले दिन सुबह 7.40 सीतामढ़ी और सुबह 10.00 बजे रक्सौल पहुंचेगी।

इन स्टेशनों पर रुकेगी : धनबाद से रक्सौल के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेन का ठहराव गोमो, पारसनाथ, हजारीबाग रोड, कोडरमा, पहाड़पुर, बंधुआ, वजीरगंज, तिलैया, नटेसर, राजगीर, नालंदा, बिहारशरीफ, बाढ़, मोकामा, बरौनी, समस्तीपुर, लहरियासराय, दरभंगा, कमतौल,जनकपुर रोड, सीतामढ़ी और बैरगनिया में होगा।

03302 रक्सौल धनबाद स्पेशल 23, 25, 27 और 29 अक्टूबर को चलेगी। रक्सौल से दिन 11.25 पर खुलकर दोपहर 1.15 सीतामढ़ी, रात 11.15 नालंदा ,11.28 राजगीर, सुबह 320 पहाड़पुर 4.00 बजे कोडरमा, 4.32 हजारीबाग रोड, 5.02 पारसनाथ, 6.04 गोमो और सुबह 7.30 पर धनबाद आएगी।

BRIEF NEWS

रांची पुलिस ने ब्राउन शुगर के कारोबार का किया भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

RANCHI : रांची पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र के छोटा तालाब के पास ब्राउन शुगर के कारोबार में लिप्त 1 को गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ असामाजिक तत्व ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री कर रहे हैं। सूचना के आधार पर एंटी क्राइम टीम के साथ हिन्दपीढ़ी थाने की पुलिस ने छापेमारी की। जहां पुलिस को देखने के बाद सभी भागने लगे। पुलिस ने मौके से राजू को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से 37.91 ग्राम ब्राउन शुगर और एक रेडमी कंपनी का मोबाइल बरामद हुआ। जिसका अनुमानित मूल्य 7 लाख रुपए बताया जा रहा है। पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि वह ब्राउन शुगर बिहार के कुछ सप्लायरों से लाकर यहां बेचता था।

जमील अख्तर बने अंजुमन फलाहुल मुस्लिमीन के नायब सदर

KANKE : रविवार को कांके पतरा टोली नीचे मोहल्ला अंजुमन फलाहुल मुस्लिमीन का चुनाव वोटिंग द्वारा संपन्न हुआ। इसमें संगठन के वरिष्ठ सदस्य हाजी मनोवर हुसैन ने सदर (अध्यक्ष) पद पर भारी मतों से विजय प्राप्त की। नायब सदर पद पर जमील अख्तर ने शानदार जीत दर्ज की। इसके अलावा, हकीम अंसारी को सेक्रेटरी पद पर तथा मोहम्मद इसराफिल को नायब सेक्रेटरी पद पर निर्विरोध चुना गया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष हाजी मनोवर हुसैन ने कहा यह जीत हमारे संगठन के सभी सदस्यों की एकजुटता और विश्वास की जीत है। हम संगठन की गतिविधियों को और सक्रिय व पारदर्शी बनाएंगे।

24 से होने वाले तीन दिवसीय राष्ट्रीय कुड़ुख सम्मेलन को लेकर हुई चर्चा

RANCHI : रविवार को आदिवासी लूर अड्डा,हतमा में कुड़ुख लिटरेरी सोसाइटी के झारखंड चैप्टर की बैठक धीरज उरांव की अध्यक्षता में हुई। इसमें 18वां राष्ट्रीय कुड़ुख सम्मेलन 24 से 26 अक्टूबर 2025, झारसुगुड़ा (ओडिशा) में किए जाने के संबंध में विस्तार से चर्चा हुई। डॉ. बंदे खलखो ने कार्यक्रम के दौरान अनुशासन बनाए रखने की बातें कही। ब्लासियुस पन्ना ने भाषा साहित्य को बढ़ाने के लिए सभी से सहयोग की अपील की। मौके पर सुखराम उरांव,कृष्णा उरांव, लक्ष्मण उरांव, लखन उरांव, शीतलजीत उरांव, सबिता कुमारी रेशमा उरांव,आशिष उरांव, महावीर उरांव,शशि उरांव, रोनित उरांव आदि।

घर के पास मिलेंगी मेडिकल सुविधाएं, शहर में बनेंगे 12 आयुष्मान आरोग्य मंदिर

VIVEK SHARMA, RANCHI : रांची नगर निगम राजधानी के लोगों को घर के नजदीक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए एक बड़ी पहल करने जा रहा है। निगम क्षेत्र में 12 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिर (स्वास्थ्य उपकेंद्र) का निर्माण कराने की तैयारी है। इसका उद्देश्य आम लोगों, विशेषकर गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को प्राइमरी हेल्थ ट्रीटमेंट मोहल्ले स्तर पर उपलब्ध कराना है। हर एक आरोग्य मंदिर के भवन निर्माण पर लगभग 25 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है। यह पूरा निर्माण 15वें वित्त आयोग द्वारा जारी राशि से कराया जाएगा। निगम अधिकारियों के अनुसार भवनों का डिजाइन इस तरह तैयार किया जाएगा कि वहां ओपीडी, डिस्पेंसरी, बैठने की व्यवस्था और महिला-पुरुषों के लिए अलग टॉयलेट जैसी बुनियादी सुविधाएं मिलेगी। वर्तमान में रांची नगर निगम क्षेत्र में पहले से 25 आयुष्मान आरोग्य मंदिर संचालित हैं। ये सेंटर अब तक हजारों मरीजों को मुफ्त इलाज और दवाएं उपलब्ध करा चुके हैं। नए 12 केंद्रों के शुरू होने के बाद शहर में कुल 37 सेंटर हो जाएंगे।

- 15वें वित्त आयोग की राशि से रांची नगर निगम कराएगा भवन निर्माण
- पहले से चल रहे 25 सेंटर एक का भवन बनाने में खर्च होंगे 25 लाख रुपये

नए क्षेत्रों में बनेंगे केंद्र

निगम का कहना है कि नए केंद्र घनी आबादी वाले और स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित मोहल्लों में बनाए जाएंगे। प्राथमिकता उन वार्डों को दी जाएगी जहां सरकारी अस्पताल या स्वास्थ्य उपकेंद्र काफी दूर हैं और लोगों को मामूली बीमारी में भी प्राइवेट क्लीनिकों का सहारा लेना पड़ता है। ऐसे में जगह चिन्हित किया जा रहा है।

बड़े अस्पतालों की दौड़ से मिलेगा छुटकारा

आयुष्मान आरोग्य मंदिर शुरू होने से लोगों को साधारण बुखार, खांसी-जुकाम, ब्लड प्रेशर, शुगर की जांच, टीकाकरण और मैटरनिटी जैसी सुविधाएं मोहल्ले में ही मिल सकेंगी। इससे शहर के बड़े अस्पतालों पर भी भीड़ कम होगी। वहीं लोगों को बड़े अस्पतालों की दौड़ से छुटकारा मिल जाएगा। बता दें कि प्रत्येक केंद्र में एक डॉक्टर, नर्स, फार्मासिस्ट और सहायक स्टाफ काम कर रहे हैं। नए केंद्रों में भी स्टाफ तैनात किए जाएंगे।

मृतक के परिजनों और स्थानीय लोगों ने चौपाटी रेस्टोरेंट के सामने जाम की सड़क

हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कांके रोड पर हुआ हंगामा

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार की देर रात रांची के कांके रोड स्थित चौपाटी रेस्टोरेंट के मालिक विजय बैठा की कुछ युवकों ने गोली मार हत्या कर दी थी। हत्या की खबर फैलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। चौपाटी रेस्टोरेंट के मालिक विजय नाग के हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर रविवार की सुबह कांके रोड पर जबरदस्त हंगामा किया गया। जैसे ही लोगों को यह जानकारी मिली कि शनिवार की देर रात अपराधियों ने रेस्टोरेंट में घुसकर विजय की हत्या कर दी, लोग आक्रोशित हो गए। मृतक के परिजनों और स्थानीय लोगों ने चौपाटी रेस्टोरेंट के सामने सड़क जाम कर दी और आरोपी की जल्द गिरफ्तारी की मांग करने लगे। स्थानीय लोगों ने कांके रोड को पूरी तरह से जाम कर दिया। सैकड़ों की संख्या में लोगों ने रांची-पिठोरिया सड़क को ब्लॉक कर दिया। आक्रोशित भीड़ ने कुछ समय के लिए आवागमन रोक दिया, जिससे सड़क पर जाम की स्थिति बन गई।

- सैकड़ों की संख्या में लोगों ने रांची-पिठोरिया सड़क को कर दिया ब्लॉक
- लगभग एक घंटे तक पुलिस और पब्लिक के बीच जाम हटाने को लेकर हुई बातचीत कांके विधायक भी मौके पर पहुंचे
- लोगों के आक्रोश को देखते हुए कांके रोड में बड़ी संख्या में तैनात किए गए जवान
- हत्या में शामिल अपराधियों को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार करने का मिला आश्वासन इसके बाद हटा जाम
- अपराधियों की पहचान पक्की करने के लिए खंगाले जा रहे रेस्टोरेंट के सीसीटीवी फुटेज

पुलिस प्रशासन को लेकर दिखा आक्रोश

लोगों में पुलिस प्रशासन को लेकर आक्रोश दिखा। स्थानीय लोगों ने कहा कि पुलिस सिर्फ वसूली का काम कर रही है। कानून व्यवस्था के संबंध में अयोग्य लोगों को थाना प्रभारी बनाया जा रहा है, जिससे अपराधियों का मनोबल लगातार बढ़ रहा है। लगभग एक घंटे तक पुलिस और पब्लिक के बीच जाम हटाने को लेकर मान-मनौव्वल चलता रहा। कांके विधायक भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने भी पुलिस से बातचीत की।

पब्लिक को समझाने के बाद हटाया गया जाम

कांके विधायक सुरेंद्र बैठा और पुलिस प्रशासन के समझाने के बाद आम लोगों ने जाम खत्म कर दिया, जिसके बाद सड़क पर वाहनों का परिचालन शुरू हो पाया। कांके विधायक सुरेंद्र बैठा ने बताया कि पुलिस द्वारा अपराधियों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया गया है, जिसके बाद आम लोगों ने सड़क से जाम हटा लिया है।

वेज-नॉन वेज बिरयानी को लेकर हुआ था विवाद

जानकारी के मुताबिक, हत्या का कारण महज बिरयानी का पार्सल विवाद था। अभिषेक नामक युवक ने चौपाटी से वेज बिरयानी पैक करवाई थी। घर पहुंचने पर जब उसे पैकेट में नॉन वेज बिरयानी मिली तो उसने रेस्टोरेंट संचालक विजय को फोन कर बहस की। इसके बाद देर रात वह सीधे दुकान पहुंच गया और वहां दोनों के बीच नोकझोंक होने लगी। इसी दौरान गुस्से में आकर अभिषेक ने पिस्टल निकालकर विजय के सीने में गोली मार दी। गोली लगते ही विजय मौके पर गिर पड़े और आरोपी भाग निकला। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गोली चलने की आवाज सुनकर जब लोग रेस्टोरेंट की ओर दौड़े तो कुछ युवक बाहर भागते दिखे, जबकि विजय जमीन पर गिर पड़े थे। उन्हें आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

24 घंटे में होगी गिरफ्तारी

लोगों के आक्रोश को देखते हुए कांके रोड में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। इस बीच कांके थाना प्रभारी सहित अन्य लोगों ने लोगों को समझाने की पूरी कोशिश की। भीड़ को पुलिस द्वारा आश्वासन दिया गया है कि रेस्टोरेंट मालिक की हत्या में शामिल अपराधियों को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दीपावली को लेकर बाजारों में दिखी रौनक

दीयों, पटाखों और सजावटी सामानों की लोगों ने जमकर की खरीदारी

PHOTON NEWS RANCHI : दीपावली के एक दिन पहले रविवार को राजधानी रांची के बाजारों में खूब चहल-पहल दिखी। लोगों ने देव पटाखे और सजावटी सामानों की जमकर खरीदारी की। शहर के लालपुर, अपर बाजार, मेन रोड, कांटाटोली, हरमू और हटिया चौक में दीपावली की खरीदारी के लिए जबरदस्त भीड़ देखी गई। दुकानों में मिठाइयों की महक, रंग-बिरंगे झालरों की चमक और ग्राहकों की भीड़ ने बाजारों की रौनक कई गुना बढ़ा दी। दीपावली के अवसर पर पूजन सामग्री सहित भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की मूर्तियों की भी खूब बिक्री हुई। दुकानों में पूजा थाल, अगरबत्ती, कपूर, कलश, धूप और देवी-देवताओं की मूर्तियां बड़ी संख्या में उपलब्ध रहे। इसके अलावा, मिट्टी के दीए, घरौंदा, करंज का तेल, मिट्टी के बर्तन, सजावटी लाइटें, तोरण, रंगोली और कैंडल जैसी वस्तुओं की मांग में जबरदस्त मांग रही।

- मिठाइयों की दुकानों में भी देखी गई जबरदस्त भीड़
- पूजन सामग्री सहित मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की खूब बिकीं मूर्तियां

रंगीन और डिजाइनर दीयों की डिमांड : इस बार बाजार में सबसे अधिक भीड़ घरौंदा और मिट्टी के दीयों की दुकानों पर देखी गई। लालपुर चौक, अपर बाजार और कांटाटोली इलाकों में मिट्टी के दीये बेचने वाले कारीगरों ने दुकानों को आकर्षक तरीके से सजाया था। मिट्टी के पारंपरिक दीयों के साथ-साथ रंगीन, डिजाइनर और बिजली से चलने वाले दीयों की भी मांग अधिक रही।

कीमतों में बढ़ोतरी का हुआ कुछ असर : विक्रेताओं का कहना है कि इस वर्ष दीयों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। पिछले वर्ष की तुलना में मिट्टी और तेल के दाम बढ़ने से दीयों की कीमतों में 20 से 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

तुपुदाना में श्रमदान कर की सड़क मरम्मत, जेसीबी से हटवाया मलबा

PHOTON NEWS RANCHI : स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उदासीनता से क्षुब्ध रांची के तुपुदाना नेपाली कॉलोनी के लोगों ने एक बार फिर अपने हाथों में जिम्मेदारी लेते हुए रविवार को श्रमदान किया। उन्होंने कॉलोनी के मुहाने पर फेंके गए कचरे और पशुओं के अवशिष्ट को जेसीबी लगाकर साफ कराया। इसके साथ ही कॉलोनी की जर्जर सड़क की मरम्मत भी स्थानीय लोगों ने स्वयं की। स्थानीय निवासी नकुल कुमार साहू, रवि, कुलवंती देवी समेत अन्य कॉलोनीवासियों ने बताया कि इस क्षेत्र की बदहाल स्थिति को लेकर कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों से लिखित और मौखिक शिकायत की गई, लेकिन उनकी ओर से कोई कार्रवाई नहीं हुई। थक-हारकर कॉलोनीवासियों

ने खुद ही गंदगी हटाने और सड़क की मरमती का बीड़ा उठाया। सुनील सिंह ने कहा कि नेताओं को केवल वोट दिखता है, जहां से वोट मिलेंगे, वहीं काम करेंगे। इसी कारण नेपाली कॉलोनी की अनदेखी की जा रही है। मनोज कुमार ने बताया कि हमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समर्थक बताकर यहां के मूलभूत कार्यों, जैसे-बिजली, सड़क, पेयजल, साफ-सफाई से वंचित रखा गया। इसलिए कॉलोनीवासियों ने चंदा जुटाकर खुद सड़क बनवाई और अब सफाई का काम कर रहे हैं।

रेस्टोरेंट संचालक की हत्या पर चेंबर ने प्रशासन से की कड़ी कार्रवाई की मांग

RANCHI : कांके थाना क्षेत्र के गहरी चिंता व्यक्त करते हुए झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स ने राजधानी में लचर विधि व्यवस्था पर आपत्ति जताई है। चेंबर ने घटना में दोषियों के विरुद्ध सख्त और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए पुलिस अधिकारियों से तत्काल वार्ता की। त्यौहारी सीजन में लगातार घटित घटनाओं पर चिंता जताते हुए रविवार को चेंबर भवन में पदाधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में कहा गया कि ऐसी घटनाओं से आमजन विशेषकर व्यापारी वर्ग शशंकित है। पुलिस प्रशासन की तत्परता के बावजूद राजधानी में दिनदहाड़े हत्या और गोलीकांड जैसी घटनाएं यह दशार्ती हैं कि अपराधियों में प्रशासन का भय नहीं है।

सैफ की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए मुख्यमंत्री ने गठित की मॉनिटरिंग कमेटी

- आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं, क्रियान्वयन और समन्वय की समीक्षा करेगी कमेटी
- तकनीकी टीम कर रही स्टेडियम व अन्य जगहों का मुआयना

PHOTON NEWS RANCHI : दक्षिण एशियाई एथलेटिक्स महासंघ (सैफ) अंडर-18 एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 की तैयारियों की समीक्षा के लिए रांची स्थित खेल निदेशालय में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता खेल सचिव द्वारा की गई। जिसमें विभिन्न जिलों के खेल पदाधिकारी, तकनीकी टीमें, आयोजन समिति के सदस्य तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि आयोजन की तैयारियों पर निरंतर निगरानी रखने के लिए मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार एक उच्च स्तरीय मॉनिटरिंग कमेटी का गठन किया गया है। यह समिति आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं, क्रियान्वयन और समन्वय पर नियमित समीक्षा करेगी। साथ ही बताया गया कि भारतीय टीम 21 अक्टूबर को रांची पहुंचेगी। 24 से 26 अक्टूबर तक चैंपियनशिप का आयोजन रांची में होगा। खिलाड़ियों और अधिकारियों के ठहराव के लिए होटल रेडिशन ब्लू, बीएनआर चाणक्या और हॉलिडे होम में विशेष व्यवस्था की गई है। आयोजन स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता, हाइजीन एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही बताया गया कि मेडिकल टीम 24 घंटे आपातकालीन सेवाओं के साथ उपलब्ध रहेगी। खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने के लिए झारखंड की लोकसंस्कृति से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

आवश्यक सुधारों पर दिया गया जोर

तकनीकी टीमों द्वारा मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम सहित अन्य स्टेशनों की सुविधाओं का निरीक्षण कर आवश्यक सुधारों पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के खिलाड़ियों को आयोजन में शामिल कर उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव दिलाने का भी निर्णय लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि यह आयोजन न केवल खेल के क्षेत्र में बल्कि सांस्कृतिक और सामुदायिक दृष्टि से भी झारखंड की प्रतिष्ठा बढ़ाएगा। राज्य पहली बार इतने बड़े पैमाने पर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी कर रहा है, जिससे युवाओं में खेल के प्रति नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार होगा। सरकार ने सभी विभागों को निर्देश दिया है कि आयोजन में किसी प्रकार की कमी न रहे और झारखंड अपनी मेजबानी से प्रतिभागी देशों पर एक सकारात्मक प्रभाव छोड़े।

सौगात दीपावली और छठ को ध्यान में रखकर किया गया निर्णय

3.88 लाख महिलाओं को मिली मंईयां सम्मान योजना की राशि

PHOTON NEWS RANCHI : दीपावली एवं छठ पूजा के शुभ अवसर पर झारखंड सरकार द्वारा राज्य की महिलाओं को विशेष उपहार स्वरूप मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के अंतर्गत सम्मान राशि का भुगतान किया गया है। इस योजना के तहत रांची जिले की कुल 3 लाख 88 हजार 406 लाभुकों के बैंक खातों में आधार बेस्ड डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से 2,500 प्रति लाभुक की दर से राशि भेज दी गई है। जिसके तहत कुल 97 करोड़ 10 लाख 15 हजार रुपये की राशि का भुगतान किया गया है। यह भुगतान अक्टूबर माह की सम्मान राशि के रूप में भेजी गई है।

उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना राज्य की महिलाओं के सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दीपावली और छठ जैसे पावन अवसरों पर इस राशि का भुगतान महिलाओं के चेहरे पर मुस्कान और घरों में खुशहाली लाएगा। जिला प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि सभी पात्र लाभुकों को समय पर और पारदर्शी तरीके से भुगतान मिले।

- लाभुकों के खाते में 97 करोड़ 10 लाख 15 हजार की राशि का भुगतान
- प्रत्येक लाभुक के खाते में ट्रांसफर किए गए 2500 रुपये

किस क्षेत्र में कितनी है लाभुकों की संख्या

अनगड़ा – 16,843	ईटकी – 10,482	नामकुम शहरी क्षेत्र – 9,078
अरगोड़ा शहरी क्षेत्र – 12,417	कांके – 31,828	ओरमांझी – 18,310
बड़गाई शहरी क्षेत्र – 9,413	कांके शहरी क्षेत्र – 1,325	राहे – 9,647
बेड़ो – 20,797	खलारी – 9,703	रातू – 18,792
बुंडू – 8,525	लापुंग – 11,478	सिल्ली – 21,382
बुंडू नगर पंचायत – 3,572	माण्डर – 23,395	सोनाहातू – 13,192
बुढ़मू – 18,073	नगड़ी – 18,159	तमाड़ – 18,714
चान्हो – 19,894	नगड़ी शहरी क्षेत्र – 8,168	सदर शहरी क्षेत्र – 21,754
हेहल शहरी क्षेत्र – 15,442	नामकुम – 18,021	

दिगंबर जैन समाज कल मनाएगा भगवान महावीर का निर्वाण महोत्सव

RANCHI : दिगम्बर जैन समाज मंगलवार को भगवान महावीर का निर्वाण महोत्सव मनाएगा। कार्तिक कृष्ण अमावस्या में जैनियों के अन्तिम तीर्थंकर भगवान महावीर का मोक्ष कल्याणक दिवस की श्रृंखला में रांची स्थित दोनों मन्दिरों में प्रातः निर्वाण लाडू समर्पित कर विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। भगवान महावीर के मुख्य गणधर गौतम स्वामी को भी इसी दिन सन्ध्या काल में केवलज्ञान की प्राप्ति हुई थी। सन्ध्या बेला पर दोनों मंदिरों में भव्य आरती कर निर्वाण महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि संवत 2551 वर्ष पूर्व 72 वर्ष की अवस्था में भगवान महावीर का मोक्ष कल्याणक हुआ था।

झारखंड ओपन कराटे चैंपियनशिप के लिए खिलाड़ियों ने ली ट्रेनिंग

PHOTON NEWS RANCHI : आगामी 15 नवंबर से सिकोकई कराटे इंटरनेशनल झारखंड व इंटरनेशनल मार्शल आर्ट एकेडमी के संयुक्त तत्वाधान में रांची के बिशप स्कूल में होने वाली दूसरी सिकोकई झारखंड ओपन कराटे चैंपियनशिप के लिए मेजबान टीम रांची के कराटे खिलाड़ियों की तैयारी चल रही है। पहले चरण के सात दिवसीय कराटे प्रशिक्षण शिविर का समापन इमा के मुख्य प्रशिक्षण केंद्र संत जोसेफ क्लब में हुआ। जहां शिविर के अंतिम दिन इंटरनेशनल मार्शल आर्ट एकेडमी के तकनीकी निदेशक सह नेशनल कोच शिहान सुनील किस्पोट्टा ने खिलाड़ियों को एडवांस कुमिते और काता का प्रशिक्षण दिया। जिसमें खिलाड़ियों को अलग अलग तकनीक से स्कोर करने के

तरीके बताए गए। इस दौरान विश्व कराटे संघ के नए नियमों की जानकारी खिलाड़ियों को दी गई। शिहान सुनील किस्पोट्टा ने बताया कि सात दिवसीय इस प्रशिक्षण शिविर में रांची के विभिन्न स्कूलों एवं क्लबों में खिलाड़ियों की तकनीकों को निखारा गया है। जिससे खिलाड़ी अपना उम्दा प्रदर्शन कर सकेंगे। दूसरे चरण का प्रशिक्षण शिविर भी जल्द आयोजित किया जाएगा। जिसमें अन्य स्कूलों और क्लबों के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे।

शहरनामा

वीरेंद्र ओझा

अब किसकी खोपड़ी टूटेगी

बरसों से खाकी समझाते-समझाते थक गई। जहां-तहां गुरिल्ला की तरह छापेमारी कर पटका-गिराया भी, लेकिन नहीं मान रहे। इस कवायद में खाकी भी चोटिल हुई, एक-दो शहीद भी हो गए, लेकिन जिसे समझना चाहिए था, उसने कभी अपनी खोपड़ी की परवाह नहीं की। कई तो बिना जेब में अधेली लिए बिना सिर ढंके फरार्टा भरते हैं, यह सोचकर कि भगवान ने उन्हें स्टील की खोपड़ी दी है। कोई उत्सव, जुलूस, प्रदर्शन हो जाए, तो ऐसे लोगों को बिन मांगी मुराद मिल जाती है। अब नेताजी पर शामत आ गई है, उन्हें हिसाब देते नहीं बनेगा। लेकिन, इससे उन्हें क्या फर्क पड़ेगा, जो नेताजी का जयकारा लगा रहे थे। वे तो फुल टंकी पेट्रोल भराकर खुश हो गए। उन्हें फाइन तो देना नहीं है। नेताजी ने भी नहीं सोचा होगा कि जोश में होश खो देना महंगा पड़ सकता है, कानून तोड़ना उनका जन्मसिद्ध अधिकार नहीं है।

पौने पांच नंबर रोड पर चेकिंग

बात ट्रैफिक नियमों की हो रही है, तो एक ऐसी घटना याद आ गई, जिसका जिक्र करना जरूरी लगा। हां, तो बात है कि इधर कई

दिनों से डिमना रोड पर सुबह से दोपहर तक हेलमेट की सख्त चेकिंग होती है। वह तो ठीक है, लेकिन नई चेकिंग पौने पांच नंबर रोड पर हो रही है। पहले यह चार नंबर पर होती थी। इसका नुकसान यह हो रहा है कि चार नंबर से पांच नंबर की ओर अंदर-अंदर निकलने वालों की बाढ़ आ जाती है। इससे अंदर वाली क्रॉसिंग पर भयंकर जाम लग जाता है। एक-दो बार तो पीछे वाली गली के निवासियों को सिविक वोलेंटियर बनना पड़ता है। कुछ लोगों ने सुझाव दिया है कि जब हेलमेट जांच हो तो, पीछे वाली गली में भी एक-दो डंडाधारी की तैनाती कर दी जाए, वरना पीछे वाली गली में कभी भी मारपीट हो सकती है।

डंडा कहीं भी नहीं चला देना

कोई भी हथियार बहुत संवेदनशील होता है। उसे कैसे चलाना है, कहां चलाना है, इन सब बातों का गहन प्रशिक्षण लेना जरूरी होता है। सरकारी व्यवस्था में जिन्हें भी हथियार थमाया जाता है, उसे इसकी ट्रेनिंग दी जाती है। लेकिन, आम जनता इसे गंभीरता से नहीं लेती, जिसका खामियाजा भी उसे भुगतना पड़ता है। ऐसा ही वाकया हाल के दिनों में सामने आया है, जिसमें एक व्यक्ति ने पारंपरिक देसी हथियार का उपयोग तोड़फोड़ करने में कर दिया। उसने कभी सोचा नहीं होगा कि इसके बाद उस पर कितने और कहां-कहां से डंडे पड़ेंगे। पहले तो उसके आका ने सबकुछ मैनेज कर दिया था, लेकिन उसका डर कम होने का नाम नहीं ले रहा है। अब तो उसे प्रकट होकर बचाने वाले पर भी नींद में डंडे पड़ रहे हैं। अब तो डर है कि कहीं उसके करियर पर भारी डंडा न पड़ जाए।

एक और एक दो नहीं होता

हमलोग बचपन से पढ़ते आए हैं कि एक और एक दो होता है, लेकिन जब बड़े होकर मायावी दुनिया में आते हैं, तो यह पढ़ाई काम नहीं आती। खासकर, जिन्हें अंगुली टेढ़ी कर-के घी निकालने की आदत पड़ जाती है, उन्हें तो यह जोड़-घटाव बेकार की चीज लगती है। वे तो एक में छह जोड़कर चार घटाने के बाद ही दो पर पहुंचते हैं। ऐसा ही नमूना हाल में तब दिखा, जब तकनीकी विभाग को ऊंचाई पर जुगाड़ बनाना था। इसके लिए दो दिन तक सबको अंधेरे में रखकर गुल खिलाया। यही काम थोड़ी दूरी पर घूमकर कम ऊंचाई, कम खर्च और कम समय में भी हो सकता था, लेकिन उसमें मनचाहा गणित फिट नहीं होता। आखिर, हर काम के पीछे नीचे से ऊपर तक कमिटमेंट भी तो करना पड़ता है। परंपरा न टूटे, इसका ध्यान रखना पड़ता है, जनता तो कष्ट उठा लेगी।

एक लाख के ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार

जमशेदपुर से लाकर ग्रामीण इलाकों में करता था सप्लाई

- एसएसपी को मिली थी गुप्त सूचना, मुसाबनी डीएसपी के नेतृत्व में की गई छापेमारी

पुलिस गिरफ्त में आरोपी

PHOTON NEWS JSR : नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पूर्वी सिंहभूम जिले में कोवाली थाना की पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने ब्राउन शुगर की तस्करी के आरोप में एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। वरीय पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडेय को रविवार को ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की गुप्त सूचना मिली थी।

सूचना के आधार पर उन्होंने मुसाबनी के पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया। इसके बाद टीम ने तत्काल पोटका प्रखंड में ओडिशा रोड स्थित नागा पुलिया के पास छापेमारी की।

छापेमारी के दौरान पुलिस को देखकर एक युवक भागने लगा, जिसे टीम ने खदेड़ कर धर दबोच लिया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम मो. मोहसिन नदीम व हल्दीपोखर पश्चिम निवासी बताया। तलाशी लेने पर उसकी पैंट की जेब से 30 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद की गई। बरामद ब्राउन शुगर की कीमत करीब एक लाख रुपये आंकी गई है।

आठ अन्य की तलाश

पुलिस के अनुसार, बरामद ब्राउन शुगर का कुल वजन करीब 5.7 ग्राम है और बाजार में इसकी अनुमानित कीमत लगभग एक लाख रुपये आंकी गई है। मोहसिन नदीम ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वह जमशेदपुर से ब्राउन शुगर लाकर आसपास के ग्रामीण इलाकों में सप्लाई करता था और इससे मोटी कमाई करता था।

उसने पुलिस को यह भी बताया कि इस अवैध कारोबार में उसके साथ करीब आठ अन्य साथी भी जुड़े हुए हैं, जिनकी तलाश में पुलिस ने अब कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने मोहम्मद मोहसिन नदीम के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस अब इस पूरे ड्रग्स नेटवर्क के अन्य सदस्यों को पकड़ने के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

समाचार सार

पूर्व सैनिकों ने जलाया 'एक दीया शहीदों के नाम'

JAMSHEDPUR : दीपावली की पूर्व संध्या पर पूर्व सैनिकों ने शहीद सैनिकों को नमन किया। एक दीया शहीदों के नाम पर हुए कार्यक्रम में

गोलमुरी के पुलिस लाइन स्थित शहीद स्मारक पर दीपक जलाकर बलिदानी सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद, जमशेदपुर के इस कार्यक्रम में संयोजक कुंदन कुमार सिंह, जिला अध्यक्ष विनय यादव, प्रदेश महामंत्री सिद्धनाथ सिंह, जिला महामंत्री जितेंद्र सिंह, मंत्री राजीव कुमार, अनुपम शर्मा, एलपी सिंह, सुरेंद्र पांडे आदि सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

शहीद दिलीप बेसरा को अर्पित किए श्रद्धासुमन

GHATSILA : दीपावली की पूर्व संध्या पर शहीद दिलीप बेसरा के पैतृक

आवास जाकर पूर्व सैनिक संगठन, घाटशिला के सदस्यों ने परिजनों को मिठाई भेंट की। इसके बाद गोपालपुर स्थित शहीद की आदमकद मूर्ति के समक्ष एक दीया शहीदों के नाम प्रज्वलित किया। शहीद की माता फुलमनी बेसरा व भाई नरेन बेसरा के बाद जिन्होंने दीपक जलाए, उनमें धनों टुडू, टेकलाल महतो, लुगु बास्के, सूबेदार रघुनाथ हांसदा, सनत बेरा, भगवान बोयपाई, सुशील मुर्मू, गणेश मुर्मू, सुरेश बास्के सहित कई पूर्व सैनिक शामिल थे।

तुलसी भवन व सेवा भारती ने बच्चों संग मनाया दीपोत्सव

JAMSHEDPUR : दीपावली के शुभअवसर पर नगर के पिछड़ी बस्तियों

के बच्चों संग दीपोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर सेवा भारती जमशेदपुर के पदाधिकारियों के संग सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन व तुलसी भवन के विद्वान साहित्यकारों ने अपनी देशभक्ति, रामभक्ति विषयक रचनाओं को प्रस्तुत किया। बच्चों ने भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दीपोत्सव समारोह अंतर्गत सुधिजनो द्वारा बच्चों को पटाखे, दीया, मिठाई वितरण ने बच्चों के चेहरे पर हंसी-खुशी का संचार किया। इस मौके पर आरके सिंह, प्रकाश मेहता, डॉ. यमुना तिवारी व्यथित, कैलाश शर्मा गाजीपुरी, राजेंद्र साह राज, मनीष सिंह वंदन, संजय मिश्रा, राकेश कुमार, सोनू गिरि, राजेश कुमार साहू आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

चोरी की बाइक के साथ किशोर गिरफ्तार

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले में चक्रधरपुर थाना की पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ एक किशोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि 2 अक्टूबर को कराइकेला थाना अंतर्गत लांडूपदा गांव निवासी जगदीश प्रधान की बाइक चक्रधरपुर के मेगा मॉल से चोरी हो गई थी। इस मामले में मामला दर्ज करने के बाद पुलिस छानबीन में लग गई थी। इसी क्रम में चोरी गई बाइक के साथ मनोहरपुर थाना अंतर्गत कामरबेड़ा गांव के 17 वर्षीय किशोर को गिरफ्तार किया गया।

सड़क हादसे में महिला की मौत

16 अक्टूबर की सुबह ऑटो से बिष्टुपुर जाते समय हुई थी दुर्घटना

PHOTON NEWS JSR : बागबेड़ा के नया बस्ती रोड नंबर 3 की रहने वाली 47 वर्षीय वंदना देवी की एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मृतका के पति, जो नाइ जागृति संघ के उपसचिव हैं, ने बताया कि 16 अक्टूबर की सुबह वंदना देवी ऑटो से बिष्टुपुर जा रही थीं।

रास्ते में अचानक ऑटो चालक ने ब्रेक लगाया, तभी पीछे से तेज रफ्तार कार (जेएच05 सीएन2361) ने ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वंदना देवी सड़क पर गिर पड़ीं, और उसी समय पीछे से आ रही बस ने कार को टक्कर मार दी, जिससे हादसा और भी भयावह हो गया। गंभीर रूप से घायल वंदना देवी को आनन-फानन में टाटा मेन अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज शुरू हुआ। परिजनों

मृतक की फाइल फोटो

के अनुसार 17 अक्टूबर तक इलाज पर करीब एक लाख 60 हजार रुपये खर्च हो चुके थे। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण जब अस्पताल को यह अंदेशा हुआ कि परिजन आगे का खर्च नहीं उठा पाएंगे, तो इलाज में लापरवाही बरतनी शुरू कर दी गई। मजबूर होकर परिवार ने वंदना देवी को रांची के रिम्स अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। परिजनों ने रविवार को जुगसलाई थाना पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं कि उन्होंने जबरन बयान लिखवाया कि गलती ऑटो चालक की थी और सारा दोष उसी पर डाल दिया गया। पुलिसकर्मियों ने यह भी कहा कि अगर केस दर्ज किया गया तो मुआवजा नहीं मिलेगा।

परिवार का आरोप है कि पुलिस ने न तो निष्पक्ष जांच की और न ही उचित कार्रवाई, बल्कि मामले को दबाने की कोशिश की। वर्तमान में दुर्घटना में शामिल तीनों वाहन ऑटो, निक्सॉन कार और बस जुगसलाई थाना परिसर में जब्त हैं। मृतक के परिजनों ने सरकार और प्रशासन से न्यायपूर्ण जांच और उचित मुआवजे की मांग की है।

पैरेंट्स-टीचर मीटिंग के बाद छात्रा ने की खुदकुशी

JAMSHEDPUR : गोविंदपुर थाना क्षेत्र के जनता मार्केट, देव नगर की 13 वर्षीय छात्रा श्रेया राज की मौत ने पूरे मोहल्ले में गहरा शोक फैला दिया। श्रेया चिन्मया विद्यालय में कक्षा सात की छात्रा थी। जानकारी के अनुसार, 17 अक्टूबर को स्कूल में पेरेंट-टीचर मीटिंग आयोजित की गई, जिसमें शिक्षक ने श्रेया की स्कूल में की गई अनुशासनहीनता और शरारती हरकतों पर चर्चा की। इस चर्चा से श्रेया मानसिक रूप से परेशान बताई जा रही थी। घर लौटने के बाद, जब उसकी मां पड़ोसी के घर गई हुई थीं, उसी दौरान श्रेया ने जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ ही समय में उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने तुरंत उसे टाटा मोटर्स अस्पताल पहुंचाया, लेकिन 18 अक्टूबर को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अस्पताल प्रशासन ने घटना की सूचना गोविंदपुर पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

सोमेश की बाइक रैली में हेलमेट नहीं देख सख्त हुआ प्रशासन

झामुमो की बाइक रैली (फाइल फोटो)

GHATSILA : घाटशिला विधानसभा का उपचुनाव 11 नवंबर को होना है। इसके लिए 18 अक्टूबर को झामुमो प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन के समर्थन में बाइक जुलूस निकाला गया था। इसमें अधिकतर चालकों-सवारों ने हेलमेट नहीं पहना था। इसे लेकर अनुमंडल पदाधिकारी-सह-निवार्ची पदाधिकारी सुनील चंद्र ने बाइक जुलूस की अनुमति मांगने वाले झामुमो के सदस्य राजहंस मिश्रा को नोटिस जारी किया है, जिसमें उनसे 24 घंटे में लिखित स्पष्टीकरण मांगा गया है। निवार्ची पदाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय सीमा में जायज जवाब नहीं दिया गया, तो संबंधित प्रत्याशी एवं दल के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान पदाधिकारी ने यह भी कहा कि चुनावी गतिविधियों में शामिल सभी वाहनों को मोटर व्हीकल एक्ट और चुनाव आचार संहिता का पालन करना अनिवार्य है। चुनाव आयोग लगातार चुनावी रैलियों और जुलूसों पर निगरानी बनाए हुए है। सुरक्षा और नियमों की अनदेखी पर किसी भी हाल में छूट नहीं दी जाएगी।

छत से घर में घुसे चोर, लाखों के जेवरात की कर ली चोरी

JAMSHEDPUR : बागबेड़ा थाना क्षेत्र के गणेश पूजा मैदान के पास रोड नंबर-2 स्थित ब्लॉक नंबर 66/2/1 में रहने वाले गौरव कुमार सिन्हा के घर में चोरी करने का मामला प्रकाश में आया है। चोर लगभग तीन लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात, मोबाइल फोन और नकदी लेकर फरार हो गए। इस संबंध में सिन्हा ने रविवार को थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। बताया गया कि चोर घर की छत के रास्ते अंदर घुसे और रसोईघर से होकर मुख्य कमरे तक पहुंचे। इसके बाद उन्होंने अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे कीमती जेवर और सामान निकाल लिए। चोरी गए सामानों में एक सोने का मांगटीका, सोने का झुमका, चांदी की पायल, चार बिछिया, एक एप्पल मोबाइल फोन, हेडफोन और 1500 रुपये नकद शामिल हैं। पीड़ित गौरव ने बताया कि घटना के वक्त परिवार के सभी सदस्य गहरी नींद में थे। अचानक उनकी बहन की नींद खुली तो उसने देखा कि कमरे का दरवाजा खुला है और अलमारी के ताले टूटे पड़े हैं। जब सब लोग उठे तो घर का सामान अस्त-व्यस्त मिला और ऊपर के फ्लोर पर दस्तावेज बिखरे हुए थे। घटना की जानकारी मिलते ही गौरव ने बागबेड़ा थाना को सूचना दी। शुरू में पुलिस की ओर से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं मिली, लेकिन बाद में थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू की। घटना की खबर फैलते ही पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता, उपमुखिया संतोष ठाकुर और समाजसेवी मुदिता सिंह भी मौके पर पहुंचे।

याद की गई झांसी की रानी लक्ष्मीबाई

JAMSHEDPUR : भारतीय जन महासभा के सदस्यों ने रविवार को झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की जयंती मनाई। अध्यक्ष धर्म चंद्र पोद्दार ने अस्वस्थ होने के कारण मानगो स्थित आवास में पुष्प अर्पित किया। आदित्यपुर के एस टाइप में संस्था के विशेष सलाहकार प्रकाश मेहता के नेतृत्व में भी जयंती मनाई गई। पोद्दार ने बताया कि झांसी की रानी की जयंती हिंदी तिथि के अनुसार कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को उनके वंशज मनाते आ रहे हैं। जयंती मनाने से राष्ट्र प्रेम की प्रेरणा मिलती है। जयंती मनाने वालों में जमशेदपुर से निशा वाणी, मधु सिन्हा, आरती श्रीवास्तव, विजय कुमार गोयल, डॉ. आरएस अग्रवाल, राजा घोष, हेमंत ठाकुर, भगवान झा, सुब्रत रावत, संजीव कुमार सिंह आदि शामिल थे।

दीपावली के पूर्व मानगो में पानी के लिए मचा हाहाकार

- करोड़ों रुपये से बनी जलमीनार का हुआ था उद्घाटन, उपायुक्त संज्ञान लें, नहीं तो करूंगा तालाबंदी : विकास सिंह

PHOTON NEWS JSR : दीपावली के पूर्व मानगो के कई हिस्सों में पानी के लिए हाहाकार मच गया है। काफी मशक्कत और दबाव के बाद कुछ क्षेत्रों में आंशिक रूप से जलापूर्ति की गई। विशेषकर, पोस्टऑफिस रोड, गुरुद्वारा रोड, वैकुंठ नगर, कृष्णा नगर, पह्लाद नगर, शांति नगर आदि क्षेत्रों में पानी की सप्लाई नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने पूर्व भाजपा नेता विकास सिंह को फोन पर बताया कि पानी के अभाव में लोग साफ-सफाई करने से वंचित हो रहे हैं। विकास सिंह ने मामले की जानकारी संबंधित अधिकारी को

पृथ्वी उद्यान के पास स्थित जलमीनार

देते हुए पानी सप्लाई करने का दबाव बनाया। कुछ देर बाद कुछ इलाकों में पानी की सप्लाई की गई। विकास सिंह ने कहा कि जिन क्षेत्रों से उन्हें अधिक फोन आ रहा था, वह विश्वास से परे थे, क्योंकि लगभग 10 माह पूर्व सांसद-विधायक ने जलमीनार का उद्घाटन किया था। विकास सिंह ने कहा कि वास्तविकता है कि केवल उस दिन को छोड़ कर आज तक जलमीनार से जलापूर्ति नहीं हुई है। विकास सिंह ने मामले को उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के संज्ञान में लाया और कहा कि अगर जलमीनार का लाभ जल्द नहीं दिया गया, तो पेयजल विभाग के कार्यालय में तालाबंदी कर मुकदमा भी किया जाएगा।

ठेकेदार व अधिकारी की लापरवाही : सरयू राय

मानगो के कुछ इलाकों में रविवार की सुबह पेयजल आपूर्ति बाधित हो गई। दीपावली जैसे पर्व-त्योहार के समय ऐसा होने से जनता में आक्रोश हो गया। इस सूचना पर जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय तत्काल मानगो पेयजल परियोजना के इंटेकवेल पर पहुंचे। उन्होंने पूरी स्थिति का निरीक्षण करने के बाद अपर्याप्त जलापूर्ति के लिए परियोजना के ठेकेदार व अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया।

वेबिनार गुरु दत्त शताब्दी समारोह का आयोजन : सृजन संवाद में वक्ताओं ने किया याद, फेसबुक लाइव से जुड़े विशेषज्ञ

महान निर्देशक-अभिनेता के व्यक्तित्व व कृतित्व ने किया गौरवान्वित

PHOTON NEWS JSR : फिल्म निर्देशक- सह- अभिनेता गुरु दत्त के शताब्दी वर्ष पर साहित्य, सिनेमा एवं कला संस्था 'सृजन संवाद' की ओर से शुक्रवार को ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस असवर पर सत्या सरन की बहुचर्चित किताब 'टेन ईयर्स विद गुरु दत्त' पर चर्चा हुई। चर्चा के लिए मुंबई से स्वयं सत्या सरन उपस्थित थीं। अमरावती से नदीम खान ने उनसे संवाद किया। कार्यक्रम स्ट्रीमयार्ड एवं सृजन संवाद फेसबुक लाइव के माध्यम से हुआ। यह जल्द ही यूट्यूब पर उपलब्ध होगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विजय शर्मा का रहा तथा परिचय इला भूषण ने दिया। लिंक वैभव मणि त्रिपाठी, पोस्टर तन्मय सोलंकी ने बनाया। स्ट्रीमयार्ड संचालन अनुराग रंजन ने संभाला।

ऑनलाइन कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागी

गुरु दत्त की जीवनी पर हुई चर्चा

गुरुदत्त की अर्थपूर्ण फिल्मों को देखने, उनका अपने शिक्षण में प्रयोग करने, उन पर लिखे को पढ़ने आदि के अनुभवों को साझा करते हुए डॉ. विजय शर्मा ने विषय परिचय देते हुए बताया कि वे गुरु दत्त की फिल्मों का अपने शिक्षण में उपयोग करती हैं। इसके साथ ही उन्होंने उन पर लिखा एवं बोला भी है। वक्ताओं, एवं फेसबुक लाइव से जुड़े लोगों का उन्होंने स्वागत किया। दिल्ली कॉलेज की प्रोफेसर इला भूषण प्रसिद्ध पत्रिका फेमिना की पूर्व एडिटर, रेंडम पेंगुइन हाउस की कंसल्टेंट एडिटर, जीवनीकार सत्या सरन ने गुरु दत्त, रितु नंदा, जगजीत सिंह, एसडी एवं हरिप्रसाद चौरसिया की जीवनी लिखी है। उन्होंने कई किताबों का इंग्लिश में अनुवाद किया है। इंग्लिश के प्रोफेसर रह चुके नदीम खान के परिचय में बताया कि वे कई साल तक इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन, पश्चिमी क्षेत्र के डॉयरेक्टर रहे हैं। पढ़ाकू नदीम खान की अनुवाद की 25 किताबें पेंगुइन, ओरियंट ब्लैक स्वान आदि से प्रकाशित हैं, इंग्लिश भाषा में वे हिन्दी एवं मराठी से अनुवाद करते हैं।

प्रश्नोत्तरी सत्र में उठे कई अहम सवाल : फिर प्रश्नोत्तर का लंबा सिलसिला चला। नदीन खान 'टेन ईयर्स विद गुरु दत्त' किताब पढ़कर खूब तैयारी के साथ प्रश्न बना कर आए थे। सत्या सरन ने दो साल तक अरबार अल्वी के साथ हुई बातचीत के नोट्स लेकर पूरी किताब लिखी है। वे काम कर रही थीं, अतः केवल छुट्टी वाले दिन ही अल्वी से मिल पाती थीं। अरबार अल्वी, गुरु दत्त के अंतरंग मित्र, सहयोगी एवं स्क्रिप्टराइटर थे, उन्होंने 'साहिब बीबी और गुलाम' फिल्म का निर्देशन किया है। उम्रदराज अल्वी, गुरु दत्त से जुड़ी यादें सुना तो गए, मगर किताब की लॉन्चिंग पर बीमार होने के कारण न आ सके, कुछ दिन बाद वे गुजर गए। उन्होंने सत्या सरन पर विश्वास किया, पांडुलिपि भी चेक नहीं की। बातचीत के दौरान गुरु दत्त के जीवन तथा उनके काम से जुड़े कई रोचक प्रसंग सत्या सरन ने साझा किए। किताब में और भी कई महत्वपूर्ण बातें आई हैं, उन्होंने कहा कि सिने-प्रेमी एवं सिने अध्येताओं को यह किताब अवश्य पढ़नी चाहिए। इस किताब का हिन्दी एवं मराठी अनुवाद भी उपलब्ध है। नदीम खान ने 'जिन्हें नाज है... वे कहां हैं', का प्रभावपूर्ण पाठ किया, जिसे सुन कर श्रोता-दर्शक वाह-वाह कर उठे। सत्या सरन ने न केवल नदीम खान के प्रश्नों का उत्तर दिया, वरन फेसबुक लाइव पर जुड़े लोगों के प्रश्नों का भी समुचित एवं विस्तारपूर्ण उत्तर दिया। संचालक एवं इला भूषण ने भी प्रश्न पूछे। यह रोचक कार्यक्रम डेढ़ घंटे चला। संचालन करते हुए डॉ. विजय शर्मा ने सत्या सरन के उत्तरों पर टिप्पणी की। उन्होंने दोनों वक्ताओं, इला भूषण, दर्शक-श्रोताओं, मीडिया, लिंक संचालक का धन्यवाद किया।

इनकी भी रही उपस्थिति : फेसबुक लाइव के माध्यम से जमशेदपुर से करीम सिटी कॉलेज, मास कॉम विभागाध्यक्ष डॉ. नेहा तिवारी, साहित्य-कला फाउंडेशन की न्यासी डॉ. क्षमा त्रिपाठी, शिक्षिका वीणा कुमारी, लखनऊ से डॉ. मंजुला मुरारी, डॉ. राकेश पांडेय, गुजरात से डॉ. उमा सिंह, रानू मुखर्जी, अमरावती से अश्विन अलसी, दिल्ली से रक्षा गीता, इला भूषण, राकेश कुमार सिंह, उत्तराखंड से शशि भूषण बडोनी, बेंगलुरु से पत्रकार अनघा मारीषा, पुणे से सिने-इतिहासकार मनमोहन चड्ढा आदि जुड़े। इनकी टिप्पणियों एवं प्रश्नों से कार्यक्रम और अधिक सफल हुआ।

कार्यक्रम समाप्त करते हुए बताया गया कि सृजन संवाद की 156वीं की घोषणा शीघ्र की जाएगी।

झारखंड लोकल बॉडीज इम्पलाइज फेडरेशन के अध्यक्ष बने गुरु मुखी

सभा को संबोधित करते यूनियन के पदाधिकारी

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर में रविवार को झारखंड लोकल बॉडीज इम्पलाइज फेडरेशन का प्रथम सम्मेलन हुआ, जिसमें चक्रधरपुर नगर परिषद कमेटी का चुनाव हुआ। इसमें सर्वसम्मति से सदानंद होता को संरक्षक, गुरु मुखी को अध्यक्ष, बसंत साहू, साकेश मुखी व रतन महतो को उपाध्यक्ष, जगन्नाथ पासवान को मंत्री, अर्जुन रजक, पी. वेंकट व मदन मुखी को सहमंत्री और पंकज राम रवि को कोषाध्यक्ष बनाया गया। जबकि, बिरजू मुखी, बिलासन मुखी, प्रदीप मुखी, विजय मुखी, अनिकेत मुखी, रतन मुखी, पारो मुखी, राजकुमार महतो, रेखा मुखी, ललिता मुखी, आरुणि मुखी व निर्मला मुखी को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। इससे पहले चक्रधरपुर नगर परिषद कार्यालय के सभागार में आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए राज्य अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह ने कहा कि राज्य के तमाम निकायों में काम करने वाले कर्मचारियों को नियमित करने, पेंशन, स्वास्थ्य बीमा का लाभ दिलाने के लिए आंदोलन की जरूरत है। वहीं, झारखंड राज्य राजपत्रित कर्मचारी महासंघ के राज्य महामंत्री डॉ. मनोज सिन्हा ने कहा कि कोविड-19 में जब कोई घर से नहीं निकलता था, तब इन्हीं कर्मचारियों ने शहर को साफ-सुथरा रखा।

BRIEF NEWS

संपन्न हुआ द्वितीय पोलिंग रैंडमाइजेशन

SAMASTIPUR : बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने की दिशा में जिले में तैयारी अंतिम चरण में है। इसी क्रम में रविवार को समाहरणालय स्थित एनआईसी कॉन्फ्रेंस हॉल में मतदान कर्मियों का द्वितीय रैंडमाइजेशन का कार्य संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी रोशन कुशवाहा, जनरल ऑब्जर्वर बी. महेश्वरी, उप विकास आयुक्त शैलजा पाण्डेय, व निर्वाचन पदाधिकारी विनोद कुमार सहित अनेक वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। रेंडमाइजेशन का संचालन जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी मनीष कृष्ण द्वारा किया गया, जिन्होंने कम्प्यूटरीकृत प्रक्रिया के माध्यम से सभी विधानसभा क्षेत्रों के मतदान दल कर्मियों का द्वितीय रैंडमाइजेशन कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया। इस तकनीकी प्रक्रिया के तहत प्रत्येक मतदान कर्मी को निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से उनके दल में सम्मिलित किया गया।

चाचा का हत्यारा भतीजा अरेस्ट, दो अन्य नामजद अभियुक्त हुए फरार

NAVADA : नवादा जिले के कौआकोल थाना क्षेत्र के मधुरापुर गांव में रविवार को दो सहोदर भाईयों के बीच भूमि विवाद को लेकर हुई घटना में पीट-पीटकर एक व्यक्ति की हत्या एवं उनकी पत्नी को गंभीर रूप से घायल कर दिए जाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक हत्याभियुक्त को भी गिरफ्तार कर रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थानाध्यक्ष उमाशंकर कुमार ने बताया कि भूमि विवाद में कुंदन यादव ने अपने चाचा राजो यादव एवं चचेरे भाई के साथ मिलकर सगे चाचा उपेन्द्र यादव एवं चाची सोना देवी की लाठी डंडे से जमकर पिटाई कर दिया। मारपीट की इस घटना में उपेन्द्र यादव की मौत हो गई।

कार्टन में फेंका मिला नवजात शिशु का शव जांच में जुटी पुलिस

BHAGALPUR : भागलपुर में रविवार को इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। कचहरी चौक के पास एक नवजात शिशु का शव कार्टन में फेंका हुआ मिला है। जिसे देखकर इलाके में हड़कंप मच गया। आज सुबह जब स्थानीय लोग वहां से गुजर रहे थे तो उन्हें सड़क किनारे रखे एक कार्टन से बदबू आने लगी। जब लोगों ने नजदीक जाकर देखा तो अंदर नवजात शिशु का शव था। यह दृश्य देखकर मौके पर मौजूद सभी लोग स्तब्ध रह गए। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई और सभी ने इस अमानवीय कृत्य की निंदा करते हुए फेंकने वाले व्यक्ति को कोसना शुरू कर दिया। उधर सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है।

राष्ट्रीय जनता दल पर पैसे देकर टिकट बांटने का लगाया आरोप

राजद से टिकट न मिलने पर मदन साह ने लालू आवास के बाहर फाड़ा अपना कुर्ता

AGENCY PATNA : बिहार में विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता मदन शाह ने टिकट न मिलने पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव के आवास के सामने 'कुर्ता फाड़' प्रदर्शन किया। उन्होंने राज्यसभा सांसद संजय यादव पर 2.70 करोड़ रुपये में टिकट बेचने का गंभीर आरोप भी लगाया है। शाह ने खुद को पार्टी का वफादार बताते हुए बाहरी को टिकट देने पर नाराजगी व्यक्त की है।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव के पटना स्थित आवास के बाहर रविवार को जमकर हंगामा हुआ। मधुबन विधानसभा सीट से टिकट के दावेदार रहे राजद कार्यकर्ता मदन शाह अचानक 10, सर्कुलर रोड स्थित लालू-राबड़ी आवास पहुंच गए और जोरदार प्रदर्शन करने लगे। मदन शाह ने न सिर्फ विरोध प्रदर्शन किया, बल्कि गेट के सामने अपना कुर्ता भी फाड़ लिया। इतना ही नहीं वे सरेआम जमीन पर लेटकर फूट-फूटकर रोने लगे। इस मौके पर उन्होंने पार्टी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राजद से राज्यसभा सांसद संजय यादव ने उनसे 2.70 करोड़ रुपये मांगे थे और जब उन्होंने पैसे देने से इनकार किया, तो पार्टी ने उनका टिकट काटकर डॉ. संतोष कुशवाहा को दे दिया। मदन शाह ने कहा, मैं वर्षों से पार्टी के लिए काम कर रहा हूं, लेकिन टिकट पैसों के दम पर बांटा गया है। समर्पित कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर धनबल वालों को तरजीह दी जा रही है।

मदन शाह के इस प्रदर्शन के दौरान लालू-राबड़ी आवास के बाहर अफरा-तफरी मच गई। सुरक्षाकर्मियों ने मदन शाह को वहां से हटाकर स्थिति को नियंत्रित किया। उल्लेखनीय है कि बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर महागठबंधन के भीतर खींचतान लगातार बढ़ रही है। राजद और कांग्रेस के बीच भी कई सीटों पर तालमेल नहीं बन पाया है, वहीं विकासशील इन्सान पार्टी (वीआईपी) के साथ भी राजद के मतभेद सामने आए हैं। मधेपुरा की एक सीट पर दोनों दलों के उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल कर दिया है, जिससे हालात और पेचीदा हो गए हैं।

राजद नेता का कुर्ता फाड़ना लोकतंत्र को शर्मशार करने वाला : गिरिराज सिंह

PATNA : केंद्रीय मंत्री और बिहार में बेगूसराय लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद गिरिराज सिंह ने महागठबंधन और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर तंज कसा है। उन्होंने राजद के एक प्रत्याशी द्वारा किए गए कुताफाड़ प्रदर्शन को लेकर लालू यादव पर भी कटाक्ष किया। राजद नेता के लालू यादव-राबड़ी देवी के आवास के बाहर हुए कुताफाड़ प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि यह सब लोकतंत्र को शर्मसार करने वाला दृश्य है। महागठबंधन के भीतर टिकट बंटवारे को लेकर पैसे के लेनदेन और खरीद-बिक्री के आरोप लग रहे हैं, जिससे कई उम्मीदवार फूट-फूटकर रो रहे हैं। लालू यादव पर कटाक्ष करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि लालू यादव जी अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाने का सपना देख रहे हैं, लेकिन कपूरी ठाकुर की इमानदारी को भूल जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर लालू जी गेट खोल देंगे, तो जो आक्रोश है, लोग उनका कुर्ता भी फाड़ देंगे। यह गांव की कहावत है 'खेत खाए गधा, मार खाए जोलहा'। उन्होंने कहा, श्लालू जी, मैं आपसे निवेदन करूंगा, गेट मत खोलिएगा, नहीं तो आपका भी कुर्ता आपकी पार्टी के कार्यकर्ता फाड़ देंगे।

नालंदा जिले में 23 उम्मीदवारों का नामांकन रद्द

PATNA : : नालंदा जिले की सभी 7 विधानसभा सीटों पर नामांकन जांच का काम पूरा हो गया है। कुल 94 उम्मीदवारों ने पर्चा भरा था , लेकिन 23 उम्मीदवारों के नामांकन रद्द कर दिया गया है। अब तक 71 उम्मीदवार मैदान में बचे हैं। नाम वापसी की अंतिम तिथि अभी बाकी है, जिसके बाद असली तस्वीर साफ होगी। जिला प्रशासन ने शनिवार कि देर शाम तक नामांकन की वैध सूची जारी नहीं की थी। इससे कई उम्मीदवारों में नाराजगी देखी गई। निर्वाचन कार्यालय की ओर से बताया गया कि अधिकांश नामांकन दस्तावेजों की त्रुटि, अधूरी जानकारी या शपथ पत्र की कमी के कारण रद्द किए गए हैं। बिहारशरीफ विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 8 प्रत्याशियों के पर्चे रद्द किए गए हैं। जिसमें-आफरीन सुल्ताना, प्रफुल्ल कुमार, रियाजुद्दीन, रजत कुमार, राकेश कुमार, राजकुमार पासवान,शशि रंजन सुमन और अशोक कुमार शामिल हैं।

NEWS BOX

आंगनबाड़ी केंद्र पर कार्यक्रम आयोजित कर पोषण माह का किया गया समापन

AGENCY NAVADA : कुपोषण मुक्त समाज की स्थापना को लेकर विभिन्न आंगनबाड़ी केदो पर मनाया जाने वाला पोषण माह रविवार को कुपोषण के खात्मे के संकल्पों के साथ समापन किया गया । बाल विकास परियोजना नरहट अंतर्गत चंदेल बाग आंगनबाड़ी केंद्र पर को राष्ट्रीय पोषण माह 2025 का समापन बड़े उत्सव और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत बाल विकास परियोजना पदाधिकारी ज्योति सिन्हा एवं बीडीओ प्रशांत कुमार के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। सीडीपीओ ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य, पोषण और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है, ताकि हर परिवार स्वस्थ और खुशहाल बना सके। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य नारी ही समाज की रीढ है और जब महिलाएं स्वस्थ होगी तभी परिवार और समाज सशक्त बनेगा।

जदयू की औरंगाबाद जिला समिति ने दिया सामूहिक इस्तीफा

AGENCY PATNA : बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले जनता दल यूनाइटेड (जदयू) को बड़ा झटका लगा है। पार्टी की पूरी औरंगाबाद जिला कमेटी ने इस्तीफा दे दिया है। इस कदम से होने वाले संभावित नुकसान को देखते हुए पार्टी ने तत्काल प्रभाव से पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार सिंह को कार्यकारी जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। सामूहिक इस्तीफे के बाद जदयू जिलाध्यक्ष रहे पूर्व विधायक अशोक कुमार सिंह ने रविवार को पत्रकारों संबोधित करते हुए कहा कि रफीगंज विधानसभा सीट से जेडीयू ने वैसे व्यक्ति को प्रत्याशी बनाया है, जो जदयू के प्राथमिक सदस्य भी नहीं हैं। यदि पार्टी जदयू के किसी नेता को टिकट देती या राजग के किसी दूसरे घटक दल के नेता को टिकट दे दिया जाता, तो उनके कार्यकर्ता आहत नहीं होते, लेकिन इस तरह की विकट स्थिति उत्पन्न हो जाने से कार्यकताओं की भावना आहत हुई। कार्यकताओं की भावना का सम्मान करते उनके साथ जदयू की पूरी जिला कमिटी के सभी पदाधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया है। अशोक कुमार सिंह ने कहा कि उनके समेत सभी कार्यकर्ता जदयू में बने रहेंगे और रफीगंज विधानसभा क्षेत्र को छोड़कर औरंगाबाद जिले के शेष सभी पांच विधानसभा क्षेत्रों में राजग के प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने के लिए काम करेंगे।

फिल्म 'सत्यमेव जयते' देखने के लिए दर्शकों की उमड़ी भीड़

AGENCY ARARIA : फारबिसगंज के प्रेम टॉकीज में क्षेत्रीय अभिनेता की फिल्म सत्यमेव जयते की फिल्म देखने के लिए रविवार को सिनेप्रेमियों की भीड़ उमड़ी। फारबिसगंज के परवाहा के युवा लेखक अभिनेता गौतम केशरी की फिल्म सत्यमेव जयते प्रेम टॉकीज में प्रदर्शित हुई।अररिया जिले में सबसे कम उम्र के अभिनेता गौतम केशरी हैं, जिसकी फि ल्म सिनेमाई पर्दे पर प्रदर्शित हुई। गौतम केशरी ने अपने मेहनत से इस मुकाम को हासिल करके इतिहास में नाम दर्ज कराया हैं। फिल्म प्रदर्शित होने से पहले दर्जनों हिन्दी और भोजपुरी फिल्मों में काम कर चुके सीनियर अभिनेता कलाकार राम कुमार भगत ने गौतम केशरी को फूलों का माला पहनाकर उनका स्वागत किया। इंद्रधनुष साहित्य परिषद के अध्यक्ष विनोद कुमार तिवारी ने भी गौतम को पुष्प माला पहनाकर सम्मान किया।मौके पर लेखक राजीव रंजन विश्वास, सुमन ठाकुर सभी ने अपने क्षेत्रीय अभिनेता का स्वागत किया। दर्शकों ने फि ल्म की काफी प्रशंसा की।मौके पर गौतम केशरी ने कहा कि इस फि ल्म को सिनेमा तक लेकर आना बहुत मुश्किल सफर रहा। इस फिल्म निर्माण से लेकर प्रदर्शन तक में पूरी टीम साथ जुटी रही। उन्होंने शीघ्र ही फिल्म का दूसरा पार्ट भी आने की बात कही।

बजरंग दल ने दीपावली पर लोगों में मिट्टी के दीयों का किया वितरण

AGENCY ARARIA : वोकल फॉर लोकल को चरितार्थ करते हुए बजरंग दल की ओर से रविवार को लोगों के बीच कुम्हार के द्वारा बनाए गए मिट्टी के दीयों का वितरण लोगों के बीच किया गया। बजरंग दल के पूर्व जिला संयोजक मनोज सोनी ने अपने टीम के साथ फारबिसगंज प्रखंड के किरकिचिया पंचायत के रिफ्यूजी कॉलोनी सहित गांव के दलित बस्ती में महिलाओं के बीच मिट्टी का दिया वितरण किया। इस दौरान बजरंग दल के पूर्व जिला संयोजक मनोज सोनी ने कहा भारत में रहने वाले लोगों में विदेशी सामानों के प्रति दिलचस्पी कुछ ज्यादा ही बढ़ गई है। पूजा पाठ में भी विदेशी समानों के हस्तक्षेप से भारतीय संस्कृति को भी नुकसान पहुंच रहा है। ऐसे में हम सभी भारतीयों के लिए यह चिंता का विषय है। सोनी ने लोगों को संदेश देते हुए कहा दीपावली के पावन मौके पर देश के सभी लोग अपना स्वदेशी मिट्टी के दिए जलाकर दीपावली मनाएं और विदेशी सामग्री को उठाकर बाहर फेंक दे। उन्होंने कहा एक तरफ मिट्टी के दीए जलाकर आप अगर दीपावली मनाते हैं तो ऐसे में मिट्टी के दीए बनाने वाले कुम्हार के घर भी दीपावली धूमधाम से मनाई जाएगी दूसरी और देश में बहुत बड़ा बदलाव होगा।

दोबारा शराब पीने के अपराध में जेल भेजा गया कारोबारी

AGENCY SAHARSA : बिहार में शराबबंदी कानून लागू होने के बावजूद शराब पीने वालों एवं कारोबार थमने का नाम नही ले रहा है। इसी कड़ी में सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत डीबी रोड मछली मार्केट निवासी हॉलिवुड टेलर के मालिक मोहम्मद अफरोज को उत्पाद विभाग ने शराब सेवन के आरोप में गिरफ्तार किया। अफरोज पर पहले भी उत्पाद थाना कांड संख्या 122/23 दर्ज था। इसी बीच 16 अक्टूबर 2025 को उसे फिर से उत्पाद थाना कांड संख्या 1059/25 में शराब सेवन करते पकड़ा गया। अभियुक्त द्वारा अपराध को देखते हुए उत्पाद विभाग की टीम ने उसे हिरासत में लेकर न्यायालय में पेश किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने बताया कि अफरोज पहले भी शराब सेवन मामले में अभियुक्त रह चुका है और बार-बार इस तरह की गतिविधियों में संलिप्त पाया जा रहा है।कोर्ट ने मामले को गंभीर मानते हुए मोहम्मद अफरोज को 14 दिनों की न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। विभागीय सूत्रों का कहना है कि शराबबंदी कानून के तहत बार-बार पकड़े जाने वाले आरोपितों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है ताकि दोहराव अपराध को रोका जा सके।

जीविका दीदियों ने 'पहले मतदान फिर जलपान' का लिया संकल्प

AGENCY SAHARSA : विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के मद्देनजर सहरसा जिले में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत जीविका दीदियों ने दिवाली की पूर्व संध्या को लोकतंत्र के प्रति समर्पण का पर्व बना दिया। जिले के विभिन्न प्रखंडों में जीविका दीदियों द्वारा भव्य कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। जिसमें उन्होंने ग्रामीणों को मतदान के महत्व से अवगत कराया और लोकतंत्र की मशाल जलाने का संदेश दिया। इस अवसर पर जीविका दीदियों ने 'पहले मतदान, फिर जलपान' और 'एक वोट, एक जिम्मेदारी' जैसे प्रेरणादायक नारे लगाते हुए गांव-गांव भ्रमण किया। मोमबत्तियों की रौशनी में सजी यह यात्रा न केवल जागरूकता का प्रतीक बनी, बल्कि यह भी दशार्या कि महिलाएँ आज लोकतंत्र की सबसे सशक्त वाहक हैं। दीदियों ने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे 100 प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करें और अपने मताधिकार का उपयोग कर लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत बनाएं। डीपीएम जीविका श्लोक कुमार ने बताया कि जीविका के माध्यम से संचालित यह अभियान जिले के हर प्रखंड, पंचायत और ग्राम संगठन स्तर पर चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जीविका दीदियां मतदाता जागरूकता की अग्रदूत बन चुकी हैं, जो न केवल स्वयं मतदान के लिए तैयार हैं बल्कि दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित कर रही हैं। कैंडल मार्च में सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण महिलाएं, जीविका दीदियां और युवा शामिल हुए।

लाइन डीएसपी के उत्पीड़न से परेशान कांस्टेबल ने की आत्महत्या, आईजी ने मौके पर की जांच

AGENCY NAVADA : पुलिस केंद्र नवादा में सिपाही 195 / अमित कुमार के अधिकारियों की उत्पीड़न के कारण आत्महत्या के बाद उन्हें सलामी दिए जाने के बाद रविवार को परिजनों को शव सौंप दिया गया है। मगध प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक छत्र नील सिंह ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए मामले की जांच भी रविवार को शुरू कर दी है।

सिपाही अमित ने आत्महत्या के पहले पुलिस अधीक्षक के नाम लिखे गए अपने सुसाइडल नोट में लिखा है कि लाइन डीएसपी तथा प्रभारी इंस्पेक्टर उन्हें नए सिपाहियों से पांच -पांच सौ रुपये मांग कर उन्हें देने के निर्देश दिए थे। ऐसा नहीं किए जाने पर 10 अक्टूबर को उन्हें छुट्टी पर जाना था। लेकिन उन्हें छुट्टी पर जबरन नहीं जाने दिया गया । जिस कारण अमित काफी तनाव में जी रहा था। आत्महत्या के शिकार सिपाही अमित ने यह भी लिखा है कि उनकी पत्नी की बेहद तबीयत खराब थी। इसके कारण ही छुट्टी लिए थे। जब लाइन बाबू ने उन्हें छुट्टी पर नहीं जाने दिया, तो उन्होंने इसकी शिकायत हेड क्वार्टर डीएसपी से की। जिन्होंने लाइन बाबू को फोन कर छुट्टी पर भेजने के निर्देश दिए। बावजूद लाइन डीएसपी ने कहा कि तुम ज्यादा काबिल मत बनो। तुम्हें मैं बर्बाद कर दूंगा। सस्पेंड कर बर्खास्त करवा दूंगा। लाइन डीएसपी द्वारा उत्पीड़न किए जाने के बाद अंतत शनिवार को कांस्टेबल अमित ने पुलिस लाइन के निकट ही अपने आवास में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना की सूचना मिलते ही मगध क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक छत्रनील सिंह नवादा पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण किया तथा कई बिंदुओं पर जांच भी किया।

घटनास्थल पर जांच करते पुलिस महानिरीक्षक छत्रनील सिंह व अन्य

दीपावली एवं छठ पर्व पर 28 अक्टूबर तक चलेगा विशेष पोलियो उन्मूलन अभियान

AGENCY EAST CHAMPARAN : दिवाली- छठ पर्व पर विशेष पोलियो अभियान के तहत 18 से 28 अक्टूबर तक बच्चों को पोलियो से बचाव के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इस सम्बन्ध में सिविल सर्जन डॉ रविभूषण श्रीवास्तव व डीआईओ डॉ शरत चंद्र शर्मा ने बताया की नेपाल व बाहरी राज्यो से बिहार लौटने वाले 5 वर्ष तक के बच्चों पर रहेगी टीम की नजर। वहीं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रक्सौल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राजीव रंजन ने बताया की रक्सौल के सटे हुए नेपाल की सीमा है जहाँ से बाहरी लोग आते है इसलिए यहाँ के चुने हुए बस स्टैंड एवं रेलवे स्टेशन पर बच्चों को दवा पिलाई जाएगी। 05 साल तक के बच्चों को पोलियो की खुराक रेलवे स्टेश नए बस स्टैंड के साथ छठ घाटों पर भी टीकाकरण की व्यवस्था की जाएगी। विशेष अभियान में खासकर वैसे बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जाना है, जो त्योहार के समय अपने घर आए हों। बता दें कि जिला को पोलियो के खतरों से मुक्त कराने के उद्धेश्य से यह विशेश पोलियो टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है।

जो आगामी 28 अक्टूबर तक चलेगा। पूर्वी चम्पारण के सीएस डॉ रविभूषण श्रीवास्तव ने बताया कि पर्व त्योहार में बाहर से आने.जाने वाले बच्चे पोलियो की खुराक पीकर पोलियो के संभवित खतरों के प्रति सुरक्षित हो सकें। इसलिए ट्रांजिट टीम के साथ स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया गया है कि रेलवे स्टेशन व बस स्टैंड के साथ छठ घाटों पर बच्चों को प्लस पोलियो की दो बूंद दवा अवश्य पिलाए। वही डॉ एस सी शर्मा ने बताया कि चिह्नित स्थान जहां से बाहर के बच्चे जिले में प्रवेश करेंगे तथा जिले से प्रखंड व संबंधित गांव में प्रवेश करेंगे। उन जगहों पर कर्मी को नियुक्त किया गया है। पर्यवेक्षण के लिए सुपरवाइजर भी प्रतिनियुक्त किए गए हैं।

फारबिसगंज नगर परिषद की अध्यक्ष ने छठ पूजा घाटों का लिया जायजा

AGENCY ARARIA : लोक आस्था का महापर्व छठ को लेकर फारबिसगंज नगर परिषद प्रशासन ने अध्यक्ष वीणा देवी के नेतृत्व में घाटों पर की जा रही साफ सफाई और अन्य कार्यों का जायजा लिया। कोठीहाट रोड स्थित नहर के साथ ही सुल्तान पोखर पर चल रहे साफ सफाई और घाट निर्माण कार्य का जायजा चेयरमैन ने ली। मौके पर कार्यपालक पदाधिकारी रणधीर लाल, प्रधान सहायक कामख्या नारायण सिंह उर्फ कुंदन सिंह, सशक्त स्थायी समिति सदस्य मनोज सिंह सहित अन्य कर्मचारी मौजूद थे। मौके पर मुख्य पार्षद वीणा देवी ने बताया कि लोक आस्था के महापर्व के दौरान साफ सफाई और घाटों पर व्यवस्था को लेकर नगर परिषद प्रशासन दृढ़ संकल्पित है। छठव्रतियों को किसी तरह की परेशानियों का सामना न करना पड़े, इसके लिए हर तरह की व्यवस्था छठ घाट पर की जा रही है। साफ सफाई के साथ घाटों पर पसरे कूड़े कचरों के निष्पादन का काम फिलहाल किया जा रहा है। मजदूरों को लगाकर घाट की सफाई के साथ जमीन के समतलीकरण और जलकुंभी हटाने का काम किया जा रहा है। छठव्रतियों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए नगर परिषद की ओर से विशेष व्यवस्था की जाएगी।

कार्यक्रम

नालंदा जिले में पावापुरी महोत्सव का डीएम ने किया उद्घाटन, कहा-

चुनाव में घरों से निकल कर मतदान में हिस्सा लें मतदाता

AGENCY NALANDA : जिले के पावापुरी में आज रविवार को जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक नालंदा द्वारा पावापुरी महोत्सव 2025 का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया।

जिलाधिकारी ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि चुनाव महापर्व बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 में ज्यादा से ज्यादा मतदाता घर से बाहर निकल कर मतदान दिवस 6 नवंबर 2025 को अपना मतदान अवश्य करें।

इस अवसर पर जिला पदाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि जैन धर्म के 24वें तीर्थकर भगवान महावीर को निर्वाण (मोक्ष देहावसान) पावापुरी में 527 ईसा पूर्व में कार्तिक मास की कृष्णपक्ष की अमावस्या को हुआ था। पिछले 2,550 वर्षों से भगवान महावीर का यह महोत्सव जैन धर्मावलम्बियों द्वारा मनाया जाता रहा है। जैन समाज उनके मोक्ष दिवस को दीपावली के अवसर पर धूमधाम से मनाते है। भगवान महावीर के 2551वें निर्वाण दिवस के रूप में 19 अक्टूबर को अमावस्या तिथि को इस वर्ष मनाया जा रहा है। भगवान महावीर जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर थे। भगवान महावीर का जन्म करीब ढाई हजार वर्ष पहले (ईसा से 599 वर्ष पूर्व), वैशाली गणराज्य के कुण्डग्राम में वज्जि संघ के ज्ञातृक कुल के प्रधान परिवार में हुआ था। कुण्डग्राम भी नालंदा जिले के सिलाव प्रखंड के कुण्डलवन ग्राम में अवस्थित है। तीस वर्ष की आयु में महावीर ने संसार से विरक्त होकर राज वैभव त्याग दिया और संन्यास धारण कर लोककल्याण के पथ पर निकल गये थे। और 72 वर्ष की आयु में उन्हें पावापुरी से मोक्ष की प्राप्ति हुई थी। इस दौरान महावीर स्वामी के कई अनुयायी बने जिसमें उस समय के प्रमुख राजा बिम्बिसार, कुणिक और चटक भी शामिल थे। जैन समाज द्वारा महावीर स्वामी के जन्मदिन को महावीर जयंती तथा उनके मोक्ष दिवस को दीपावली के रूप में धूम धाम से मनाया जाता है।

कार्यक्रम में शामिल डीएम व अन्य

राजगीर पैसेंजर मेमू ट्रेन से अवैध शराब बरामद, 3 तस्कर गिरफतार

AGENCY NALANDA : जिले में राजगीर रेलवे स्टेशन में रविवार की सुबह राजगीर रेल थाना पुलिस ने अबैध शराब की तस्करी कर रहे तस्कर को शराब के साथ हिरासत में लेकर मंडल कारा बिहारशरीफ भेज दिया है।

बताया जाता है कि उत्पाद विभाग की टीम ने गुप्त सूचना मिली कि राजगीर पैसेंजर मेमू ट्रेन से शराब खेप लाई जा रही है। जिसके बाद राजगीर रेल थाना पुलिस के सहयोग से कार्रवाई की गई।

ट्रेन से तीन महिला समेत पांच लोग बड़े-बड़े कार्टन लेकर राजगीर रेलवे स्टेशन के पलेटफार्म पर उतरें।टीम ने कार्टन की तलाशी ली। कार्टन में चूड़ी और खिलौनों के नीचे अंग्रेजी शराब की खेप छिपी थी। टीम ने शराब जब्त करते हुए सभी को गिरफ्तार कर लिया। रेल थानाध्यक्ष ने बताया कि बोगी संख्या 258458 से धंधेबाज खेप लाए थे।कार्टन से कुल 102.375 लीटर अंग्रजी शराब बरामद हुई। गिरफ्तार धंधेबाजों में नवादा जिला के नारदीगंज थाना क्षेत्र निवासी गौरव कुमार, बड़गांव निवासी लवली देवी, पचवाड़ा निवासी लालो देवी, उषा देवी और रामप्रवेश कुमार शामिल हैं।उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि गुप्त सूचना पर शराब बरामद हुई हैं।

सड़क दुर्घटना में दो मजदूर हुए घायल

BHAGALPUR : जिले के पीरपैंती थाना क्षेत्र अंतर्गत निमार्णाधीन फोरलेन सड़क मार्ग पर रविवार को तेज रफ्तार पिकअप वैन ने बाइक सवार दो मजदूर को कुचल दिया। जिससे वह गंभीर से रूप जख्मी हो गया। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों के मदद से घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां पर उसका इलाज चल रहा है। घायल मजदूरों की पहचान पसाहीचक निवासी प्रेम दास (25) और कुश कुमार (25) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों मजदूर मिर्जाचौकी स्थित फोरलेन सड़क के ठेकेदार के पास दिवाली का बकाया भुगतान लेने जा रहे थे।

यथार्थवादी हुई भारतीय विदेश नीति

आज की भू-राजनीतिक घटनाओं के विश्लेषण से स्पष्ट है कि राष्ट्रों के परस्पर संबंध जितने यथार्थवाद और साझा लाभ के कारण मधुर हो सकते हैं, उतने विचारधारा और साझा मूल्यों के दम पर नहीं। अमेरिका के विषय में तो यह बात द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से ही लागू है, जो राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में और मुखर रूप से सामने आ रही है। यदि ऐसा न होता तो वार आन टेरर छेड़ने वाला अमेरिका सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत के बजाय आतंक को अपनी राज्य-नीति के रूप में प्रयोग करने वाले एवं अधिकांश समय सैन्य तानाशाही में रहने वाले छद्म लोकतंत्र पाकिस्तान को प्राथमिकता नहीं दे रहा होता। भारत की भी विदेश नीति आदर्शवाद से प्रभावित होकर लंबे समय तक लोकतंत्र, मानवाधिकार और स्वतंत्रता जैसे अपने राष्ट्रीय मूल्यों को विश्व में भारत के अंतरराष्ट्रीय संबंधों को स्थापित करने का आधार बनाकर चलती रही, जिसके चलते कई नुकसान झेलने पड़े। प्रधानमंत्री मोदी के शासन में इसमें परिवर्तन देखने को मिला। भारत ने भी वैश्विक राजनीति में विशुद्ध यथार्थवाद को गले लगाना शुरू कर दिया है। अब भारत विदेश नीति में आवश्यकताओं और हितों को अपनी मान्यताओं के ऊपर रखता है। भारत द्वारा अफगानिस्तान के विदेश मंत्री और तालिबान के नेता आमिर खान मुत्तकी की मेजबानी इसका उदाहरण है। सनद रहे कि मुत्तकी का संगठन तालिबान जिस कट्टर इस्लामिक वहाबी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करता है, भारत उसका समर्थन करना तो दूर, उसे समझने और स्वीकार करने को भी राजी नहीं है, परंतु यथार्थवादी नीति का प्रदर्शन करते हुए भारत ने मुत्तकी के स्वागत के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने आमिर खान मुत्तकी के साथ मुलाकात की। भारत ने अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। भारत ने काबुल में अपने तकनीकी मिशन को पूर्ण दूतावास का दर्जा देने की घोषणा की, जो तालिबान से संबंधों में सुधार का एक बड़ा संकेत है। जयशंकर ने सद्भावना के रूप में उन्हें पांच एंबुलेंस भी सौंपी, जो भारत की अफगानों के प्रति मानवतावादी दृष्टिकोण को रेखांकित करता है। मुत्तकी ने भी भारत को करीबी दोस्त मानते हुए पारस्परिक विकास एवं क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गहरे सहयोग का वादा किया। जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बताया। मुत्तकी ने यह आश्वासन दिया कि अफगान क्षेत्र का उपयोग भारत सहित किसी भी देश के खिलाफ धमकी या नुकसान के लिए नहीं होगा। भारत ने छह विकास परियोजनाओं, एमआरआई और सीटी स्कैनर जैसे चिकित्सा उपकरण, टीके, कैंसर की दवाएं और संयुक्त राष्ट्र समर्थित नशा मुक्ति सहायता सहित नई मानवीय पहलों का भी वादा किया। इसके इतर मुत्तकी ने भारतीय कंपनियों को अफगानिस्तान के खनन, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में निवेश के लिए आमंत्रित किया। भारत ने अभी तक तालिबान सरकार को औपचारिक मान्यता नहीं दी है, लेकिन इस दौरे से दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने की संभावनाएं खुल सकती हैं। पहले की तुलना में आज के अफगानिस्तान की घरेलू और क्षेत्रीय वास्तविकताएं बदल गई हैं। अफगानिस्तान में तालिबान के समक्ष कोई सक्षम संगठित विपक्ष नहीं है। ऐसे में भारत के पास भी तालिबान से सहयोग बढ़ाने के अलावा कोई विशेष विकल्प नहीं है। भारत अपनी पुरानी गलती को नहीं दोहराना चाहता, जब उसने तालिबान की पिछली सरकार से कोई संपर्क नहीं रखा और उसका खामियाजा उसे 1999 के कंधार विमान अपहरण कांड में उठाना पड़ा। उस समय पाकिस्तानी आतंकी विमान को कंधार ले गए थे। यदि भारत का उस समय तालिबान से कोई संपर्क होता तो शायद विमान छोड़ने की शर्तों को कम कठिन बनाया जा सकता था। भारत ने अफगानिस्तान में लगभग तीन अरब डालर का निवेश किया है, जिसकी रक्षा के लिए तालिबान के साथ काम करना आवश्यक हो जाता है। भारत द्वारा विकसित किया जा रहा ईरान का चाबहार बंदरगाह भी अफगानिस्तान के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे पर एक प्रमुख पारगमन केंद्र के रूप में इसकी स्थिति इसे इस क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण वाणिज्यिक केंद्रों में से एक के रूप में विकसित होने की क्षमता प्रदान करती है। तालिबान को अफगानिस्तान की सियासत से बेदखल तो नहीं किया जा सकता, लेकिन यह दबाव जरूर डाला जा सकता है कि वह अफगानिस्तान की धरती का प्रयोग भारत-विरोधी गतिविधियों के रूप में न होने दे और पिछले शासन की तरह क्रूरता न दिखाए और अपने यहां महिलाओं, बच्चों एवं अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करे। भारत तालिबान को मान्यता देने के लिए संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक शक्तियों से मिलकर काम कर सकता है और बदले में तालिबान से कुछ रियायतें हासिल कर सकता है, जिसमें सबसे आवश्यक है कि वह पाकिस्तान की गतिविधियों पर नजर बनाए रखने में भारत का सहयोग करे। हाल के समय में पाकिस्तान-अफगानिस्तान संबंधों में काफी कड़वाहट आई है, जिससे अफगानिस्तान के लिए भारत की महत्ता बढ़ी है। इसके अलावा चीन के अफगानिस्तान में बढ़ते हुए प्रभाव से मुकाबला करने के लिए भी भारत को तालिबान के साथ चलना पड़ेगा।

Social Media Corner

सच के हक में...

दुर्लभ पृथ्वी खनिज रक्षा, अंतरिक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इन्हें रीफाइन कर उच्च तकनीकी उत्पाद बनाने की क्षमता कुछ ही देशों के पास है। लखनऊ में शुरू हुआ टाइटेनियम और सुपरअलॉय मटेरियल प्लांट भारत को क्रिटिकल रक्षा और एरोस्पेस मटेरियल बनाने वाले देशों की श्रेणी में शामिल करेगा। भारत मैक इन इंडिया से आगे बढ़कर डिजाइन, डिवेलप एण्ड डिलिवर इन इंडिया के युग में प्रवेश कर चुका है।

(राजनाथ सिंह का 'एक्स' पर पोस्ट)

त्योहारों का मौसम शुरू हो गया है। शनिवार को धनतेरस था। आज दिवाली है। फिर काली पूजा, सोहराय, गोहाल पूजा, बांधना पर्व, भाई दूज, चित्रगुप्त पूजा और छठ पर्व भी आने वाला है। त्योहारों के इस उमंग को कई गुना करने के लिए राज्य सरकार द्वारा मइयां सम्मान योजना की राशि भी सभी मइयां को भेजी जा रही है। यह त्योहार आप सभी अपने परिवार के साथ हंसी-खुशी मनायें, आप सभी स्वस्थ रहें, यही कामना करता हूं। जोहार!

(हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

समस्त झारखंडवासियों को दीपों के पर्व दीपावली एवं काली पूजा, सोहराय, भैया दूज, चित्रगुप्त पूजा और आस्था के पर्व महाछठ की हार्दिक शुभकामनाएं और जोहार। त्योहारों का यह उत्सव आप हर्षोउल्लास से मनायें इसके लिए राज्य की मइयां को सम्मान राशि आपके हेमंत दादा द्वारा भेजी जा रही है। मुझे आशा है आपका यह त्योहार खुशियों से भरा होगा, इसी कामना के साथ सभी को बहुत-बहुत बधाई और झारखण्डी जोहार।

(कल्पना सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

भारत में केवल सीमाओं का सवाल नहीं अवैध घुसपैठ

ANALYSIS

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में एक संबोधन में अवैध घुसपैठ और जनसंख्या असंतुलन पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि 1951 से 2011 तक हिंदू आबादी का प्रतिशत 84.1% से घटकर 79% हो गया, जबकि मुस्लिम आबादी का प्रतिशत 9.8% से बढ़कर 14.2% तक पहुंच गया। 2001-2011 की अवधि में हिंदू जनसंख्या वृद्धि दर 16.8% थी, जबकि मुस्लिम आबादी की वृद्धि दर 24.6% थी (जनगणना 2011, भारत सरकार, मंत्रालय आबादी एवं सामाजिक कल्याण)। अमित शाह ने इन आंकड़ों को प्रस्तुत करते हुए इसे अवैध घुसपैठ और वोट बैंक राजनीति से जोड़कर समझाया। वस्तुतः यहां शाह का कहना है कि अवैध घुसपैठ केवल सीमाओं का सवाल नहीं है। राजनीतिक दलों द्वारा घुसपैठियों को आश्रय देने की नीति ने जनसंख्या संतुलन को प्रभावित किया है। यदि घुसपैठ पर रोक नहीं लगी तो देश धर्मशाला बन जाएगा, जो कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक अखंडता के लिए गंभीर खतरा है। अब बात यहां इसमें हिंदू सभ्यता और संस्कृति की है, जिसके कारण से भारत की मूल पहचान उसके होने से है। ये सच तो स्वीकारना ही होगा कि हिंदू संस्कृति सिर्फ धार्मिक पहचान नहीं है, यह समाज में नैतिक और आध्यात्मिक दिशा भी प्रदान करती है। ऋषियों द्वारा गाए गए विश्व तक्षु और सर्वे भवंतु सुखिनः जैसे मंत्र समाज के हर व्यक्ति को यह सिखाते हैं कि अन्य लोगों के सुख और शांति में ही अपना सुख और शांति निहित है, इसलिए, जब हिंदू जनसंख्या घटती है, तो यह केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय और सांस्कृतिक दृष्टि से भी कमजोर होता हुआ दिखता है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में एक संबोधन में अवैध घुसपैठ और जनसंख्या असंतुलन पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि 1951 से 2011 तक हिंदू आबादी का प्रतिशत 84.1% से घटकर 79% हो गया, जबकि मुस्लिम आबादी का प्रतिशत 9.8% से बढ़कर 14.2% तक पहुंच गया। 2001-2011 की अवधि में हिंदू जनसंख्या वृद्धि दर 16.8% थी, जबकि मुस्लिम आबादी की वृद्धि दर 24.6% थी (जनगणना 2011, भारत सरकार, मंत्रालय आबादी एवं सामाजिक कल्याण)। अमित शाह ने इन आंकड़ों को प्रस्तुत करते हुए इसे अवैध घुसपैठ और वोट बैंक राजनीति से जोड़कर समझाया। वस्तुतः यहां शाह का कहना है कि अवैध घुसपैठ केवल सीमाओं का सवाल नहीं है। राजनीतिक दलों द्वारा घुसपैठियों को आश्रय देने की नीति ने जनसंख्या संतुलन को प्रभावित किया है। यदि घुसपैठ पर रोक नहीं लगी तो देश धर्मशाला बन जाएगा, जो कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक अखंडता के लिए गंभीर खतरा है। अब बात यहां इसमें हिंदू सभ्यता और संस्कृति की है, जिसके कारण से भारत की मूल पहचान उसके होने से है। ये सच तो स्वीकारना ही होगा कि हिंदू संस्कृति सिर्फ धार्मिक पहचान नहीं है, यह समाज में नैतिक और आध्यात्मिक दिशा भी प्रदान करती है। ऋषियों द्वारा गाए गए विश्व तक्षु और सर्वे भवंतु सुखिनः जैसे मंत्र समाज के हर व्यक्ति को यह सिखाते हैं कि अन्य लोगों के सुख और शांति में ही अपना सुख और शांति निहित है, इसलिए, जब हिंदू जनसंख्या घटती है, तो यह केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय और सांस्कृतिक दृष्टि से भी कमजोर होता हुआ दिखता है।

भारत केवल भौगोलिक या राजनीतिक रूप से एक राष्ट्र नहीं है। यह एक सभ्यता और संस्कृति है, जिसकी पहचान हिंदू धर्म और हिंदू संस्कृति में निहित है। भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र सर्वे भवंतु सुखिनः केवल व्यक्तिगत या धार्मिक कल्याण का संदेश नहीं है। यह राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर शांति और समरसता की भावना को भी दर्शाती है। वेदों और उपनिषदों में उल्लिखित द्यौः शान्तिः, अंतरिक्ष शांति जैसे मंत्र इस बात का प्रमाण हैं कि भारतीय सभ्यता हमेशा विश्व कल्याण और मानव कल्याण को प्राथमिकता देती रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में एक संबोधन में अवैध घुसपैठ और जनसंख्या असंतुलन पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि 1951 से 2011 तक हिंदू आबादी का प्रतिशत 84.1% से घटकर 79% हो गया, जबकि मुस्लिम आबादी का प्रतिशत 9.8% से बढ़कर 14.2% तक पहुंच गया। 2001-2011 की अवधि में हिंदू जनसंख्या वृद्धि दर 16.8% थी, जबकि मुस्लिम आबादी की वृद्धि दर 24.6% थी (जनगणना 2011, भारत सरकार, मंत्रालय आबादी एवं सामाजिक कल्याण)। अमित शाह ने इन आंकड़ों को प्रस्तुत करते हुए इसे अवैध घुसपैठ और वोट बैंक राजनीति से जोड़कर समझाया। वस्तुतः यहां शाह का कहना है कि अवैध घुसपैठ केवल सीमाओं का सवाल नहीं है। राजनीतिक दलों द्वारा घुसपैठियों को आश्रय देने की नीति ने जनसंख्या संतुलन को प्रभावित किया है। यदि घुसपैठ पर रोक नहीं लगी तो देश धर्मशाला बन जाएगा, जो कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक अखंडता के लिए गंभीर खतरा है। अब बात यहां इसमें हिंदू सभ्यता और संस्कृति की है, जिसके कारण से भारत की मूल पहचान उसके होने से है। ये सच तो स्वीकारना ही होगा कि हिंदू संस्कृति सिर्फ धार्मिक पहचान नहीं है, यह समाज में नैतिक और आध्यात्मिक दिशा भी प्रदान करती है। ऋषियों द्वारा गाए गए विश्व तक्षु और सर्वे भवंतु सुखिनः जैसे मंत्र समाज के हर व्यक्ति को यह सिखाते हैं कि अन्य लोगों के सुख और शांति में ही अपना सुख और शांति निहित है, इसलिए, जब हिंदू जनसंख्या घटती है, तो यह केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय और सांस्कृतिक दृष्टि से भी कमजोर होता हुआ दिखता है। अमित शाह जब ये कहते हैं कि शरणार्थियों और घुसपैठियों में अंतर है। धार्मिक प्रताड़ना से बचने वाले लोग शरणार्थी हैं और उनका स्वागत भारत हमेशा करेगा, विशेषकर पड़ोसी देशों के प्रताड़ित हिंदुओं का। इसके विपरीत आर्थिक कारणों से अवैध रूप से आने वाले लोग घुसपैठिए हैं, जिन पर सख्ती से अंकुश लगेगा, तब यह समझ लीजिए कि शाह यह पूरी तरह से स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि भले ही भारत का विभाजन धर्म के आधार पर इस्लामवादियों की जिद के चलते हुआ हो, किंतु अखंड भारत (1947 पूर्व) के क्षेत्र में यदि कहीं भी हिंदू जीवन जी रहे व्यक्ति को दिक्कत आएगी तो उसका मूल संरक्षण क्षेत्र भारत ही हो सकता है। ऐसे में उसकी चिंता करना भारत का मूल कर्तव्य है, क्योंकि जो विभाजन हुआ, वह उसकी मंशा नहीं थी, ऐसे में उसे इसकी सजा मिले, यह उचित नहीं हो सकता। जिन्होंने मजहब को आधार बनाकर भारत को टुकड़ों में बांटा है, वास्तव में उनके लिए शेष भारत अपने दरवाजे खुले नहीं छोड़ सकता। देखा जाए तो यह नीति न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक है, बल्कि सांस्कृतिक अखंडता और हिंदू संस्कृति की सुरक्षा के लिए भी अनिवार्य है, क्योंकि जनसंख्या असंतुलन का महत्व केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है। यह समाज में संरचना और सांस्कृतिक पहचान को प्रभावित करता है। अमित शाह ने उदाहरण के रूप में झारखंड में जनजातीय आबादी की गिरावट को बांग्लादेश से घुसपैठ से जोड़ा है, इसलिए ही उन्होंने हाई पावर्ड डेमोग्राफिक मिशन की घोषणा की है, ताकि अवैध प्रवासन के व्यापक अध्ययन और नियंत्रण को सुनिश्चित किया जा सके। अमित शाह की चिंता का केंद्र केवल राजनीतिक नहीं है, यह सांस्कृतिक अस्तित्व से जुड़ा हुआ है। हिंदू संस्कृति की मूल विशेषता है अहिंसा, सहिष्णुता और सार्वभौमिक कल्याण की भावना। इसके मंत्र सर्वे भवंतु सुखिनः और सर्वे संतु निरामयाः सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय समरसता का भी मार्गदर्शन करते हैं। इस संस्कृति के संरक्षण के बिना भारत की असली पहचान खतरे में पड़ती है। अमित शाह ने स्पष्ट किया कि राजनीतिक दलों द्वारा अवैध प्रवासियों को संरक्षण देने की नीति से जनसंख्या संतुलन बिगड़ता है और यह देश की सांस्कृतिक पहचान पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, इसलिए भाजपा की नीति डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट अवैध घुसपैठियों के नियंत्रण और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। ऐसे में कहना यही होगा कि हिंदू संस्कृति का संरक्षण केवल धार्मिक मुद्दा नहीं है। यह सामाजिक और राष्ट्रीय कर्तव्य भी है। जनसंख्या संतुलन बनाए रखना, संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करना और अवैध घुसपैठ पर नियंत्रण रखना एक साथ भारत के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए आवश्यक है। अमित शाह ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची शुद्धिकरण प्रक्रिया के माध्यम से अवैध रूप से आए लोगों की पहचान की जाएगी, लेकिन देश में रह रहे मुस्लिमों के अधिकारों पर कोई प्रश्न नहीं उठाया जाएगा (स्रोतः मतदाता सूची शुद्धिकरण प्रक्रिया, चुनाव आयोग, भारत)। दूसरी ओर हिंदू संस्कृति का वैश्विक संदेश मानवता के लिए प्रेरक है। इसके सिद्धांत समाज और राष्ट्र की नैतिक दिशा तय करते हैं। जब भारत में हिंदू जनसंख्या घटती है, तो इसका असर सांस्कृतिक आधार और राष्ट्रीय पहचान पर भी पड़ता है, इसलिए यह आवश्यक है कि भारत की सांस्कृतिक पहचान और हिंदू संस्कृति को संरक्षित किया जाए। भारत का अस्तित्व केवल भौगोलिक और राजनीतिक नहीं है। यह एक सभ्यता, संस्कृति और धर्म पर आधारित पहचान है। अमित शाह की चिंता कि भारत का भारत बने रहना चाहिए, केवल राजनीतिक बयान नहीं है। यह सांस्कृतिक और राष्ट्रीय अस्तित्व की चुनौती है। हिंदू संस्कृति, जो विश्व कल्याण और सर्वे भवंतु सुखिनः की भावना में निहित है, केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है (स्रोतः वेदों और उपनिषदों में उल्लिखित मंत्र, ऋषि परंपरा, भारत)। कुल निष्कर्ष यह है कि जनसंख्या असंतुलन, अवैध घुसपैठ और वोट बैंक की राजनीति इस संस्कृति और देश की पहचान के लिए खतरा हैं। अतः यह आवश्यक है कि भारत अपने सांस्कृतिक मूल्यों, हिंदू संस्कृति और जनसंख्या संतुलन को संरक्षित करे। जब तक हिंदू संस्कृति जीवित है और उसके मूल सिद्धांतों का पालन होता है, तब तक भारत वास्तव में भारत है। आज सभी ये समझें कि भारत केवल एक देश नहीं, बल्कि एक सभ्यता और संस्कृतिपरक पहचान है। इस पहचान की रक्षा करना, जनसंख्या संतुलन बनाए रखना और अवैध घुसपैठियों पर नियंत्रण रखना केवल राजनीतिक आवश्यकता नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और राष्ट्रीय कर्तव्य भी है, जिसे हम सभी को मिलकर पूरा निभाना है।

ज्योति पर्व दीपावली : तमसो मा ज्योतिर्गमय

डॉ. जंग बहादुर पांडेय

पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग
रांची विश्वविद्यालय, रांची

संकटों के तूफान का सामना करना है- परिणाम हुआ ज्योति के सिंह शावक के भय से भाग उठी तमिस्रा की कोटि-कोटि गज वाहिनी। बिंद्ध उठे आलोक सर से उनके अंग प्रत्यंग ।धरती का प्रकाश स्वर्ग के सोपान को भी प्रकाशित करने लगा। खिल उठा खुशियों का सहस्त्रदल कमल,बजे उठे आनंद के अनगिनत सितार। कहते हैं- जिस दिन पुरुषोत्तम राम लोक पीड़क रावण का संहार कर आयोध्या पूरी लौटे थे, उस दिन भारत के सांस्कृतिक एकता के अभिनव अभियान का अध्याय खुला था। इसे चिर स्मरणीय बनाने के लिए परस्पर नगर नगर दीप जलाकर ज्योति पर्व मनाया गया था।

कार्तिक अमावस्या की काली कसौटी-सी अंधेरी रात। चारों ओर अंधकार ही अंधकार। हाथ को हाथ नहीं सूझता। मानो मनु पुत्र घनघोर ध्वांत में तिमिंगल-सा तिलमिला उठा। उसने मंत्र वाणी में पुकारा तमसो मा ज्योतिर्गमय हम अंधकार से प्रकाश की ओर चलें उसने वेद-वाणी में गुहार मचाईः-सः नो ज्योतिः हमें प्रकाश दीजिए। उसने बाइबल की भाषा में संकल्प व्यक्त किया- LET THERE BE LIGHT AND THERE WAS LIGHT. बस, क्या था, जल उठे मिट्टी के अनगिनत दिए। बिल्कुल निर्वात पूर्ण निष्कंप। सज गईं दीपमालाएं और स्मरण दिलाने लगी उस ज्ञान आलोक के अभिनव अंकुर की जिसने मनुष्य की कातर प्रार्थना को दृढ़ संकल्प का रूप दिया था अंधकार से जूझना है, विघ्न बाधाओं के वक्षस्थल पर अंग चरण रोपना है। संकटों के तूफान का सामना करना है- परिणाम हुआ ज्योति के सिंह शावक के भय से भाग उठी तमिस्रा की कोटि-कोटि गज वाहिनी। बिंद्ध उठे आलोक सर से उनके अंग प्रत्यंग ।धरती का प्रकाश स्वर्ग के सोपान को भी प्रकाशित करने लगा। खिल उठा खुशियों का सहस्त्रदल कमल,बजे उठे आनंद के अनगिनत सितार। कहते हैं- जिस दिन पुरुषोत्तम राम लोक पीड़क रावण का संहार कर आयोध्या पूरी लौटे थे, उस दिन भारत के सांस्कृतिक एकता के अभिनव अभियान का अध्याय खुला था। इसे चिर स्मरणीय बनाने के लिए परस्पर नगर नगर दीप जलाकर ज्योति पर्व मनाया गया था। कहते हैं तभी से दीपावली का शुभारंभ हुआ। यह भी कहा जाता है कि जब श्री कृष्ण ने नरकासुर जैसे आततायी का वध किया था, तब से यह प्रकाश पर्व मनाया जाने लगा। दीपों की अवली सजाकर और तभी से इस त्योहार का श्री गणेश माना जाता है। कभी वामन विराट ने दैत्यराज बली की दानशीलता की परीक्षा ली थी, उसका दर्प दलन किया था और तभी से उसकी स्मृति में यह आलोकोत्सव मनाया जाता है। जैन धर्म के महान तीर्थंकर वर्धमान महावीर इसी दिन पृथ्वी पर अपनी ज्योति फैलाकर महाज्योति में विलीन हो गए थे, इसीलिए भी इसका महत्व है। महान महर्षि स्वामी राम तीर्थ की भी यही जन्म एवं निर्माण की तिथि है। आधुनिक भारतीय समाज के निमार्ता और आर्य जगत के मंत्र द्रष्टा स्वामी दयानंद सरस्वती का भी यही निर्माण दिवस है। इस प्रकार दीपावली पौराणिक सांस्कृतिक धार्मिक एवं आधुनिक कथा दीपों की संवाहिका है।

दीपावली जब आती है, तब सांस्कृतिक त्योहारों की एक स्वर्णश्रृंखला ले आती है, एक के पीछे एक आने वाले पांच त्योहारों का सम्मेलन उपस्थित कर देती है। त्रयोदशी को धनतेरस का यमदीप जलाया जाता है। अकाल मृत्यु से बचने के लिए यमराज का आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। इसी दिन धनवंतरि जयंती भी मनाई जाती है। दीघार्यु एवं अकाल परिहार के लिए इसे राष्ट्रव्यापी त्योहार का रूप देना कितना आवश्यक है, यह हम भलीभांति समझ सकते हैं। चतुर्दशी को नरक चौदस या नरक चतुर्दशी का त्योहार मनाया जाता है। नरक तो नरकासुर की याद दिलाता ही है साथ ही नरक गंदगी को भी कहते हैं। जहां गंदगी हैं वहां रोग है, जहां रोग है वहां मृत्यु है, यमराज है। अतः नरक अर्थात गंदगी को दूर भगाने के लिए सफाई का अभियान जरुरी है।यही कारण है कि दीपावली के समय घर की सफाई, लिपाई पोताई, रंगाई इत्यादि की जाती है,किंतु हमारे देश में जितनी स्वच्छता अपेक्षित है,वह अभी नहीं हो पाई है।क्या ही अच्छा हो यदि हम इस दिन पूरे राष्ट्र की स्वच्छता का व्रत लें।दीपावली तो पाप और पुण्य की विजयगाथा कहती है। दीपावली के दूसरे दिन अर्थात प्रतिपदा को गोवर्धन पूजा की जाती है,क्योंकि इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी छिगुनी पर गोवर्धन धारण कर ब्रजवासियों को मृत्यु त्रास से मुक्त किया था। द्वितीया के दिन भ्रातद्वितीया या भाईदूज का त्योहार मनाया जाता है,जो यमराज और उनकी बहन यमी के पावन प्रेम के साथ-साथ सभी भाई बहनों के पवित्र एवं व्यापक प्रेम की याद दिलाता है। इस प्रकार धनतेरस से भाई दूज तक यह पांच त्योहार एक के पीछे एक आते हैं और इनमें सांस्कृतिक राष्ट्रीयता के तत्व भरे पड़े हैं ।इन सभी त्योहारों पर काल पुरूष सार्वभौम स्वामी यमराज का आशीर्वाद फैला हुआ है।

दीपावली यद्यपि भारतीय संस्कृति की गौरव गरिमा की कहानी कहती है तथापि इसमें संकीर्णता एवं संप्रदायिकता की बू नहीं है। दीपोत्सव के त्योहार पंचक को सब धर्मों का, सब जातियों का पंचायतन राष्ट्रीय त्योहार बना सकें, तो हम राष्ट्रीय एकता का नेतृत्व कर सकेंगे। वसंत पंचमी यदि ज्ञान की आराधना का पर्व है तो दीपावली अर्थ की आराधना का त्योहार, क्योंकि हमारे चार पुरुषार्थो -धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष में अर्थ का स्थान भी कम महत्वपूर्ण नहीं। होली यदि रंगों का त्योहार है, तो दीपावली प्रकाश का, मथुरा वृंदावन की होली मशहूर है, मैसूर और कोलकाता की दुर्गा पूजा विख्यात है ,तो अमृतसर और लखनऊ की दीपावली। इस दिन दीपों मोमबत्तियों तथा बल्बों की ऐसी सजावट होती है कि लगता है 100-100 राका रजनियां निष्प्रभ हो गई हैं। आकाश के देदीप्यमान नक्षत्र जैसे अवनी की गोद में विराज रहे हैं। लगता है चारों ओर ज्योति के निर्झर झड़ रहे हैं, प्रकाश के फव्वारे छूट पड़े हों। दीपावली के अवसर पर लाभ- शुभ लिखा जाता है। दरवाजों पर दीघार्युष्य और कल्याण के प्रतीक स्वस्तिक के चिह्न बनाए जाते हैं तथा अष्टदलकमल पर आसीन धर्म,संपत्ति और ऐश्वर्य की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी की पूजा की जाती है। लक्ष्मी पूजा के साथ हम अपने राष्ट्र लक्ष्मी का आवाहन करते हैं, ताकि हमारा राष्ट्र श्री संपत्ति में विश्व के किसी राष्ट्र से कम न रहे, किंतु आज हमारे राष्ट्र के अर्थ तंत्र का प्रमुख कर्णधार हमारा व्यापारी वर्ग है, जो अनुचित तरीके से धन कमाता है और उसे राष्ट्र हित में लगाने के बजाय स्वार्थ लिप्सा की तिजोरी में बलि की कैद में पड़ी लक्ष्मी की तरह बंद कर छोड़ता है। छिपा हुआ यह समस्त धन समाज के लिए वैसा ही हो जाता है,जैसा हाथ या पांव में बहता हुआ रक्त रूक जाए।शरीर में रुका हुआ रक्त जिस प्रकार बुढ़ापा लाता है,पक्षाघात ग्रस्त करता है,उसी प्रकार इस भांति अवतरित धन भी राष्ट्र में वार्धक्य ला रहा है,लकवा पैदा कर रहा है।हमें इस दिन ध्यान रखना चाहिए कि लक्ष्मी केवल एक वर्ग की वंशगता न हो जाएं, दासी न बन जाए,वरन् वह राष्ट्र के सभी लोगों की हो सकें। हम दीपावली का त्योहार बहुत सोच समझ कर मनाएं।यह हमारे लिए एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पर्व है।

एक ओर यह हमारे महान पूर्व पुरुषों की गौरवमयी विजयगाथाओं से संबद्ध है,तो दूसरी ओर समग्र संसार के लिए प्रकाश कामना का प्रतीक है।हम मानव जाति को अंधकार से प्रकाश, असत्य से सत्य तथा मृत्यु से अमृत की ओर ले जाएं।

'तमसो मा ज्योर्तिगमय,असतो मा सद् गमय, मृत्योमार्मृतंगमय। हमारी इसी मंगल कामना की स्मारिका है दीपावली। आधुनिक हिंदी कविता के लोकप्रिय गीतकार गोपाल दास नीरज की दीपावली पर लिखी कविता की पंक्तियां सहसा याद आ रही हैं, जिसमें उन्होंने धरा (निर्धन) को उठाने और गगन (पूंजीपति) को झुकाने का अनुरोध किया है; तभी समाज में व्याप्त विषमता मिट सकेगी और समाज एवम् राष्ट्र में एकता, नेकता और समता आ सकेगी-

'दीए से मिटेगा न मन का अंधेरा, धरा को उठाओ, गगन को झुकाओ।

बहुत बार आई गई यह दिवाली, मगर तम जहां था,वहीं पर खड़ा है।

बहुत बार लौ जल-बुझी पर अभी तक, कफन रात का हर चमन पर पड़ा है।

न फिर सूर्य रूठे,न फिर स्वप्न टूटे, उषा को जगाओ,निशा को सुलाओ।

दीए से मिटेगा न मन का अंधेरा।

धरा को उठाओ,गगन को झुकाओ।

सृजन शांति के वास्ते है जरूरी कि हर द्वार पर रोशनी गीत गाए, तभी मुक्ति का यज्ञ यह पूर्ण होगा कि जब प्यार तलवार से जीत जाए।

घृणा बढ़ रही,अमा चढ़ रही है, मनुज को जिलाओ, दनुज को मिटाओ।'

हम मानव समाज को समृद्धि के शिखर पर ले जाएं, हम सभी सुविधाओं के संभव द्वार खोलने मे समर्थ हो सकें इसकी साक्षी है दीपावली। दीपों का पर्व हमारे बाहर के अंधकार को भगाने का ही नहीं वरन् अंतस के अंधकार को भी दूर करने के संकल्प का दिवस है। एक दीप ऐसा भी बारें अंधकार भागे अंतस का। यह केवल एक राष्ट्र को मुक्त रखने की सौगंध रजनी नहीं, वरन समग्र संसार के राष्ट्रो को मुक्त रखने की मधुरात्रि है, सुखरात्रि है।

आज जाओ मुक्ति के प्रज्वलित दीपक जलाएं। और मानव दास्तां की श्रृंखलाएं टूट जाएं।एक दीया ऐसा जलाओ की अंधकार भागे। अंतस्थल से और मानव कल्याण जागे।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Why all that glitters not be gold

Uncertainty, fear of the debasement of purchasing power through inflation, and the comfort of real things are driving investors to invest in commodities. Gold has been one beneficiary alongside oil and gas, as well as transition-critical minerals such as copper, nickel, cobalt, lithium and rare earths.The focus is scarcity-driven due to stagnant investment in new production. But investors, both direct and those seeking exposure through funds, face challenges in investing in these assets.

There are two main ways of investing in commodities—shares in resource firms or in the minerals themselves. Both present unique complexities.Investment in shares of resource companies is complicated by multiple factors. Pure exposure to the desired commodity is difficult to obtain. Many miners are diversified. BHP, the world's largest mining company by market capitalisation, is a producer of iron ore, copper and metallurgical coal. Storied Anglo-American has operations covering diamonds, copper, iron ore, coal, nickel, manganese and platinum group metals.Asset portfolios are constantly changing through mergers, acquisitions, joint ventures and divestments. In 2022, BHP shifted its oil and gas assets into a joint venture to reduce involvement in carbon-based fuels. After rejecting a takeover offer from BHP, Anglo-American proposed a complex restructure to focus on copper and iron ore. Oil and gas firms have vacillated about renewable energy investments.Even where a 'pure play' exists, there are other issues. Estimates of reserves may be incorrect. In 1997, Bre-X Minerals, a major Canadian miner, collapsed with large losses to investors after fraudulently contaminating core samples with gold derived from other sources. An old definition of a mine is 'a hole in the ground with a liar standing next to it'.The exposure may be diluted by currency effects as resource companies operate in different jurisdictions. Many firms hedge their commodity price exposure to ensure revenues are sufficient to ensure satisfactory returns. For an investor seeking exposure to price appreciation of the commodity, this alters the investment dynamics. A hedged producer does not necessarily benefit from higher prices.

Hedging introduces new risks. A number of companies have faced financial distress as a result of increased margin requirements on hedges. In 1999, a sharp rise in gold prices drove Ghana's Ashanti Gold, which had locked in the metal's price, to near bankruptcy.

There are other problems too. Production difficulties, including weather factors, may dilute commodity price effects. Lower output from one producer may adversely affect shareholders. The risk of accidents and legal liabilities—such as the Brazilian tailing dam failure which affected BHP and Vale, or BP's Mexican Gulf oil spill—is ever present. Increasingly, political risk—sanctions, expropriations, trade restrictions—and changing local regulations are also rising concerns.Corporate financial engineering—the amount of leverage, refinancing risk, borrowing costs—affects the share price performance of individual firms. The US shale oil industry is heavily dependent on the cost and supply of credit. Exposure to the stock may not translate into exposure to the commodity sought.Direct investment in the commodity itself is equally fraught. Commodities are not traded in the same way as financial assets making it difficult to obtain exposure.

Pak threat brings India, Taliban closer

Delhi has advanced step-by-step normalisation of its ties with Afghanistan by hosting Muttaqi

THE Islamic Emirate of Afghanistan (IEA) paid a price for the week-long visit of its Foreign Minister Amir Khan Muttaqi to India. Within hours of Muttaqi's arrival in New Delhi, Pakistan carried out attacks on Kabul, targeting the Tehrik-i-Taliban Pakistan (TTP). The Taliban retaliated two days later, resulting in vicious military clashes and about 250 deaths along the Durand Line. Although skirmishes have continued, major military operations have ended following mediation by Qatar and Saudi Arabia.Pakistan was triumphant when the IEA was established. The Economist described the Taliban's takeover in Afghanistan as a "strategic setback and stinging humiliation" for India. By inviting Muttaqi, India has advanced the calibrated, step-by-step normalisation of its relations with Afghanistan. External Affairs Minister (EAM) S Jaishankar announced the upgrading of India's Technical Mission in Kabul, established in June 2022, to the status of Embassy of India. New Delhi decided to engage with the Taliban as they consolidated their power.

India had no presence in Afghanistan during the previous Taliban rule and wanted to prevent a hiatus in the India-Afghan contact. Moreover, encounters in Jammu and Kashmir involving Lashkar-e-Taiba and Jaish-e-Mohammed operatives have revealed their use of US-made M4 and M16 rifles. It becomes necessary, therefore, to keep engaging with the Taliban to ensure that anti-India terror groups do not use Afghan territory.

Besides humanitarian and relief supplies, India has decided to recommence development cooperation projects, especially in healthcare, public infrastructure and capacity-building. The joint statement noted that while online scholarships continue, the pursuit of studies by Afghan students at Indian universities under the Indian Council for Cultural Relations (ICCR) and other scholarship programmes is under active consideration.

The EAM announced that India introduced a new visa module for Afghans in April and that "we are now issuing a greater number of visas, including in medical, business and student categories" — a long-standing Afghan demand. There is potential for greater cooperation in water management, irrigation and mining. To promote trade, airfreight corridors connecting Delhi, Mumbai and Amritsar to Kabul and Kandahar will begin operating soon.Muttaqi received a tumultuous welcome when he visited Darul Uloom Deoband, which also led to a controversy in India. There is a close connection between the Sufi traditions of India and Afghanistan and of the Taliban with Deoband, which was opposed to the Partition and remained focused on education and religious teaching (the Pakistani Deobandi madrasas deviated from the Hanefite moorings of Deoband and turned to Wahabbism and Salafism). The most popular Sufi tradition followed in South Asia, the Chishti Silsilah, has its roots in Chisht-e-Sharif, near the Hari Rud India-Afghanistan Friendship Dam. Mujahideen leader and former head of the Naqshbandi Sufis, Sibghatullah Mojaddedi, had more of his ancestors buried in India than in Afghanistan.

There were two sideshows during Muttaqi's visit. The first was the public relations disaster for the IEA that followed his first press conference at the Afghan Embassy, which excluded women journalists. The Press Club of India "strongly condemned" such exclusion, and the Editors Guild of India called the decision "blatant gender discrimination on Indian soil". Muttaqi had received women journalists before, in Dubai and Moscow. He made amends and held a second press conference, in which women journalists were not just numerous, they occupied the front rows and asked blunt questions.

The second was the escalating Afghanistan-Pakistan conflict. Muttaqi said Islamabad had been wrongly accusing Afghanistan of helping the TTP carry out strikes against Pakistan, which must set its house in order instead of blaming the Afghans. The Taliban and the TTP have organisational as well as ideological linkages and have fought together. They believe that if Pakistan considers an Islamic Emirate to be good for Afghanistan, it should be an equally rational choice for Pakistan.

The Taliban have always been wary of Pakistan. One of their co-founders, Mullah Abdul Salam Zaef, noted his assessment of Pakistan and the Inter-Services Intelligence (ISI) in his autobiography, My Life with the Taliban. He called Pakistan a "two-faced country" and described how the ISI has spread in Afghanistan "like a cancer which puts down its roots in the human body". Zaef added that the ISI was famous in Taliban circles for its treachery: "It is said that it can get milk from a bull".

There has been criticism about India welcoming the representative of an Islamist regime. The Taliban's head, Mullah Hibatullah Akhundzada, has reasserted a harsher orientation of governance, vindicating the charge that the Kandahar-based senior Taliban leadership is composed of misogynists and ethno-nationalists. Women have disappeared from public life in Afghanistan. Girls cannot study beyond middle school. In the face of aggressive questioning by women journalists, Muttaqi conceded that education for girls is not 'haram', but did not say when they would be allowed to return to schools and universities.The Special Rapporteur on the human rights situation in Afghanistan, Richard Bennett, in his latest report to the United Nations General Assembly, describes the repression of girls and women in Afghanistan as a crime against humanity, while the International Criminal Court has issued arrest warrants against the Taliban head and the Chief Justice. Yet, one of the tireless crusaders for human rights in Kabul today, Mahbouba Seraj, realistically believes that to improve the situation, there is no alternative to engaging with the Taliban.

India must now fulfil its promises if its people-to-people relations with Afghanistan are to thrive. Although the Indian visa policy for Afghans has been liberalised, very few visas have been issued, and the processing time is inordinately long. Provision must be made for emergency business and medical visas. India should also revive granting visas to children sponsored by the Afghan Red Crescent Society for all-expenses-paid surgeries in Indian hospitals to treat congenital heart disease. When revived, the ICCR scholarship scheme must include a high percentage of women.So far, only Russia has formally recognised the IEA. More countries, including India, are likely to move to normal, state-to-state relations with Afghanistan as soon as the Taliban take steps towards more inclusive governance and the observance of human rights, including women's rights. As the Indian Embassy in Kabul begins functioning, the IEA will send its diplomats to the Afghan Embassy in Delhi. Even so, the black-red-green tricolour of the Islamic Republic will continue to fly atop it for some more time.

Time for diplomacy to end Ukraine war, ease oil plan

If the proposed Trump–Putin talks in Budapest lead to even a partial easing of tensions, the benefits will be global—but particularly felt in energy-dependent economies like India.

After claiming success in brokering a ceasefire in Gaza, US President Donald Trump is now turning his attention to the Ukraine war. Following what both sides described as a "very productive" phone call with Russian President Vladimir Putin on Thursday, the two leaders agreed to meet in Budapest, Hungary, possibly within a fortnight. The conversation came a day before Trump's meeting with Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy, where a deal for long-range American Tomahawk missiles was under discussion.Such weapons may not end the war, but their ability to strike deep inside Russia could complicate an already tense equation. Yet Trump's fresh diplomatic effort deserves attention—not least because the prolonged conflict has disrupted global supply chains and kept energy prices volatile. For India, which imports over 85 per cent of its crude needs, stability in oil markets is crucial to containing inflation and sustaining growth.

Washington's recent decision to impose an additional 25 per cent tariff on Indian goods, reportedly in response to New Delhi's continued purchase of discounted Russian oil,

shows how easily global rivalries can spill over into trade and policy. Ahead of his talks with Putin, Trump claimed Prime Minister Narendra Modi had assured him that India would phase out Russian oil imports. The Ministry of External Affairs swiftly rejected this, clarifying that no such conversation had taken place and reiterating that India is expanding and diversifying its energy basket. Whether the claim stemmed from the recent visit of US Ambassador-designate Sergio Gor to Delhi is unclear.

Trade data, however, show a gradual moderation in Russian oil purchases. Indian Oil Corporation sourced 4.62 million barrels in September, compared to 10.35 million in January. Even so, India's energy appetite remains vast, driven by rapid economic growth and rising consumption. If the proposed Trump–Putin talks in Budapest lead to even a partial easing of tensions, the benefits will be global—but particularly felt in energy-dependent economies like India. After years of conflict, it is time for diplomacy, not weaponry, to take the lead.

Sizing up swadeshi ambition

Messaging app Arattai's sudden growth shows Indians are open to suggestions from the government. The preference seems to be for a clutch of large companies—an American pattern. In contrast, China cut Jack Ma to size to make space for lesser entrepreneurs

The meteoric rise of Zoho's messaging app Arattai in India looks like a real-world example of aapada mein avsar (opportunity in adversity), a stage prop which usually serves to dress up debacles as challenges that fortune considerately strews in our path. The app debuted in 2021 and enjoyed indifferent growth until the end of September, when its graph suddenly soared-it was being downloaded over 100 times more frequently than before and hit 2 million downloads in a single day on October 1. The earlier baseline was about 3,000 downloads per day.The Arattai surge was propelled by a concerted wave of endorsements from Union government ministers, whose data and communications are hosted by Zoho to secure digital sovereignty. And these were actually proxy endorsements of the prime minister's call for post-Mahatma swadeshi, even in the choice of messengers. And that, in turn, was an aapada mein avsar response to the tariff war being conducted against India by Donald Trump, an attempt to paper over India's foreign policy setback by dressing it up as an opportunity to support Indian enterprise with Nehru-Gandhi era protectionism. And the windfall beneficiary of this intricate web of global and local forces is Chennai's digital entrepreneur Sridhar Vembu, who promoted Zoho and Arattai.

The primary question is: though tariffs are now spurring protectionism, in the long run, will they actually encourage India to integrate more deeply with globalisation and explore new markets, abandoning protectionist barriers that could have been thrown out long ago with the licence-permit raj? For decades, there's been a case for overhauling frameworks and attitudes to the boilerplate on which the nation runs, but the efforts have been piecemeal, slow and incomplete.

For instance, Bibek Debroy had highlighted dated legislation from the 1990s and finally the statute books were updated in 2023-though imperfectly. Another example: dual citizenship should have been a priority for a nation with the world's biggest diaspora, not gingerly steps like the overseas citizen of India identity. In personal finance, while a large class of Indians is very literate about overseas stock markets, they can access them only through the telescopically restrictive liberalised remittance scheme. Ironically, India has also toyed with de-dollarising foreign trade, a revolutionary project.Reforms don't go all the way because of ancient fears, especially of foreigners, their hidden hand and the dollars it clutches. I remember a conversation long ago in the Norwich home of the Tamil translator Lakshmi Holmström and her husband Mark, who had pioneered work on aspects of Indian labour. The conversation turned from the borders between languages to ones that hem in our economy."Do you seriously think that India should still have a controlled currency?" asked Mark. The 1997 East Asian financial crisis was still vivid in memory. Ten nations had accused George Soros and financial shamans of rigging currency markets in order to bring down their governments, while India remained a safe zone because of RBI controls. "Yes, please," I replied. Rarely have I seen a man as exasperated with human stupidity as Mark was with my opinion.Looking back, I wonder

if I sought safety because of nebulous fears of barbarians at the gate. Keeping them out is generally a good idea, but globalisation is an even better idea. Nations can't maximise its benefits without exposing themselves to its risks, which they must learn to manage. And governments have no business restricting people's freedom of choice on the pretext of keeping them safe.

That seems to have happened in the case of Arattai, which was talked up by ministers as a swadeshi alternative to WhatsApp - which it isn't, because the level of privacy is different. What lies ahead? Arattai could repeat the story of Koo, the swadeshi Twitter that the government embraced when the original refused to follow its diktats. After an initial surge, it dwindled to nothingness.

The Indian government has a history of relations with the corporate sector which differs from that of other major Asian economies. After World War 2, Japan scaled up rapidly because it had a culture of agreement between its government and corporations, whose goals converged via the business body Keidanren. Earlier, family-owned zaibatsu like Sumitomo and Mitsubishi controlled industry tightly and could speak directly with the government. Their power was diluted after World War 2 to democratise markets.But South Korea's chaebol like Samsung and Hyundai retain a similar role even today. China has developed a kind of party-controlled capitalism which retains communist goals. For instance, it downsized Jack Ma because the state wanted to see a lot of lesser entrepreneurs succeed, instead of a small number of immense corporations. That's a characteristic of American business, which India is following. And yet most Indian enterprises are in the small, medium and unorganised sectors, which never interface with the government and have no way of being on the same page.

Gold Coins To Cars, India Witnesses Record-Breaking Festive Sales

Gold coins are leading demand, with hallmark-certified lightweight jewellery also performing well. Silver items, especially coins and puja articles, have surged nearly 40 per cent over last year. "We're also seeing a 15 per cent increase in self-purchase trends, with younger consumers choosing lightweight, responsibly sourced jewellery to mark personal milestones," Rokde added.

New Delhi.(Agency)

In the ongoing festive season, India is witnessing record-breaking sales — be it automobiles, gold or electronics and home appliances — driven by robust consumer demand and GST 2.0 reforms. While gold and silver sales on Dhanteras was more than 25 per cent higher in value, as consumers anticipate further rally, the auto industry saw surge in sale volumes.

According to analysts, the festive season shows renewed enthusiasm for gold purchases. On Dhanteras, the All India Gem and Jewellery Domestic Council (GJC) reported a surge in gold and silver purchases following a sharp price correction. "We expect festive sales to cross Rs 50,000 crore. Despite high gold and silver prices, consumer sentiment is strong, driven by strategic buying and early wedding purchases," according to Rajesh Rokde, Chairman, GJC.Gold coins are leading demand, with hallmark-certified lightweight jewellery also performing well. Silver items, especially coins and puja articles, have surged nearly 40 per cent over last year. "We're also seeing a 15 per cent increase in self-purchase trends, with younger consumers choosing lightweight, responsibly sourced jewellery to mark personal milestones," Rokde added.According to Amit Kamat, Chief Commercial Officer, Tata Motors Passenger Vehicles Ltd, this year, Dhanteras and Diwali deliveries are

spread over two-three days, in line with the auspicious muhurat. "Overall demand has been robust, and the GST 2.0 reform has further provided positive momentum. We expect to deliver over 25,000 vehicles during this period," he noted.

The positive momentum is driven by the festive spirit, a buoyant market environment and the encouraging impact of GST 2.0 reforms. "We are witnessing strong customer demand, with deliveries expected to be around 14,000 units — approximately 20 per cent higher than last year," said Tarun Garg, Whole-time Director and COO, Hyundai Motor India Limited (HMIL).

Huge shopping was witnessed across India on Dhanteras, with total trade estimated to have crossed Rs 1 lakh crore, marking one of the strongest festive seasons in recent years. Gold and silver alone accounted for more than Rs 60,000 crore in sales, while Delhi markets registered transactions exceeding Rs 10,000 crore as demand for indigenous products surged, according to CAIT.

Diwali Relief For Taxpayers: CBIC Extends GSTR-3B Filing Deadline To October 25

New Delhi.(Agency)

: Good news for taxpayers! The Central Board of Indirect Taxes and Customs (CBIC) has extended the GSTR-3B filing deadline to October 25, 2025, offering much-needed relief amid the festive rush. The decision comes as a Diwali gift to both monthly and quarterly filers who were struggling to meet the earlier October 20 deadline. The move follows requests from several chartered accountants who pointed out that the original due date clashed with the Diwali celebrations.

In its letter to the Finance Ministry, the BCAS highlighted the timing issue, stating that "the standard statutory due date for furnishing the return is 20th October 2025. The same falls immediately after Sunday, 19th October 2025. Furthermore, the period encompassing 20th October 2025 to 23rd October 2025 coincides directly with the primary days of the Diwali festival, which is observed as a significant public holiday cluster across the country."BCAS explained in its letter that preparing and finalizing FORM GSTR-3B involves a lot of groundwork — from reconciliation and data entry to reviewing Input Tax Credit (ITC) eligibility, which often depends on GSTR-2B generated after the 14th of each month. It also includes arranging funds for tax payment. However, since the period from October 19, 2025, coincides with Diwali celebrations, professionals, accountants, and company staff find it difficult to complete these tasks on time. BCAS noted that this makes the compliance window extremely tight — almost non-existent during the festive week.BCAS concluded its letter by urging the government to consider a short extension, saying, "Therefore, as a significant step towards ease of doing business, it is earnestly requested that the due date for filing GSTR-3B of September 2025 be extended. Granting this essential administrative relief will enable registered persons and tax practitioners to complete the necessary compliance procedures following the conclusion of the festival period, ensuring accurate and complete return filing and promoting adherence to the provisions of the CGST Act without penalizing taxpayers for unavoidable circumstances."

Why are loan applications rejected even with a good credit score

KOLKATA.(Agency)

All lending institutions lay a lot of emphasis on credit score, highlighting it as a deal-maker or breaker. However, what they often don't highlight is that it is not the only factor that decides whether an individual's loan application will be entertained or not. In short, credit score is a necessary, but not a sufficient condition for clinching a loan.

Since millions of youths apply for loans -- variety of them, personal loans, home loans and car loans -- it is necessary that they should have an idea of what banks and NBFCs look for while considering a loan application. In short, lenders consider other factors such as one's income, past credit behaviour, existing loans, stability of the job, age of the individual and other financial commitments before arriving at a decision.Incidentally, a good credit score in this country is usually 750 and above (out of 900), while a score between 700 and 749 is considered decent.

Why is applicant's age significant

Age can be a reason for rejecting a loan application. Any lender is eager to grant a loan to a young person, simply because he/she will have a higher number of years to earn and repay. If the applicant is close to his/her superannuating age, any lender will hesitate simply because the applicant might not have enough time to repay the loan completely during the working life.

Absence of fixed income

If the income of the applicant is not regular, a lender will think many times before granting approval. Many people earn through freelancing and self-employment which might not generate a regular income though the total income might not be small. Banks are always comfortable with a regular and predictable income since the repayment has to be done on a monthly basis. One will be more comfortably placed to service an EMI through monthly income than through irregular income.

Zydus vs Rubicon: Which is stronger in the US market; which is indicating faster growth

KOLKATA.(Agency)

Indian pharma companies are poised for fast growth. Despite the 50% punitive tariffs on Indian imports to the US, many pharma companies of this country are enjoying a reprieve as they manufacture generic drugs and export to that country. Here we take a comparative look at Rubicon Research and Zydus Lifesciences to find out how they are faring vis-a-vis the lucrative US market.

Pharma companies that have a focus on innovation and strong export markets are set to do well. Pharma exports from India has exceeded $50 billion in the last financial year (FY25). Rubicon Research and Zydus Lifesciences are two important names in this domain. Rubicon is focusing on the US market; so is Zydus Lifesciences.Business models are different

There are significant differences between the business models of the two companies. Rubicon Research has a focus on highly regulated markets such as the US. In the last financial year, this company earned 98.49% of its revenue from the US. Rubicon Research can boast of gross margins of more than 70% by staying focused on complex and low-competition specialty products. But Zydus Lifesciences is an integrated life sciences company. Its competence lies across the whole value chain -- from research to product development, from manufacturing to marketing.

Foreign Investors Turn Buyers In Indian Market Amid Festive Cheer

New Delhi.(Agency)

Foreign institutional investors (FIIs) have substantially reduced their selling in the Indian market and have even turned buyers in some days, analysts said on Sunday. A marginal change in FII activity is discernible in recent days. Till October 17, FII selling has drastically reduced to only Rs 4,114 crore."The principal reason for this change in FII strategy is the reduced valuation differential between India and other markets. India's underperformance during the last one year has opened up prospects for better performance, going forward," said Dr. VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Investments Ltd.Also, the prospects of earnings growth in response to fiscal and monetary reforms have improved. High frequency data indicate brisk sales of automobiles and consumer durables during the festive season, he mentioned. With the valuation differential coming down and Indian earnings likely to improve in FY27, FIIs are likely to slow down selling going forward. Higher valuation in India and cheaper valuations elsewhere

have been the principal drivers behind the FII strategy.A persistent feature of FII activity for the last two years has been the sustained FII buying/investment in the primary market. "The relatively lower valuations of IPOs and the preferential allotment to institutions have rendered FII investment through the primary market a highly profitable investment. This trend is likely to continue," said analysts.The market enters the new week with a optimistic outlook. Cooling inflation, robust domestic macro fundamentals, and strong earnings momentum offer a constructive setup for the medium term, said Ajit Mishra-SVP, Research, Religare Broking Ltd. The upcoming truncated trading week will be event-heavy, with several key triggers lined up for investors.

On October 21, the one-hour Diwali special muhurat trading session, marking the beginning of Samvat 2082, will be closely watched for sentiment cues and festive cheer, with strong retail and institutional participation anticipate.

US Tariffs, Trade Deal Talks, Q2 Results Likely To Drive Market Sentiment Next Week

New Delhi.(Agency)

The coming week is expected to be crucial for Indian stock markets as quarterly earnings, US tariffs, trade deal developments, and FPI activity are likely to shape market sentiment. Any updates from the United States on tariffs against China or progress on the India-US trade deal will likely influence market trends.Union Commerce Minister Piyush Goyal recently said that discussions on the proposed India-US bilateral trade agreement are progressing rapidly and in a positive atmosphere. At present, Indian equity indices are trading at all-time highs. If both countries announce a bilateral trade agreement, the market could witness a fresh rally.Several major companies including HUL, SBI Life, Dr. Reddy's, and SBI Card have already announced their July–September quarter results. So far, Q2 earnings have largely met market expectations. Foreign Portfolio Investors (FPIs) have turned net buyers this month, investing Rs 6,480 crore in equities so far in October. This comes after three consecutive months of net selling by FPIs.The

past week was strong for Indian markets. The Nifty rose 424 points or 1.68 per cent to close at 25,709.85, while the Sensex jumped 1,451.37 points or 1.76 per cent to settle at 83,952.19. Among sectoral indices, Nifty Realty was the top gainer, rising 4.14 per cent. Nifty Auto gained 1.90 per cent, Nifty Financial Services 2.59 per cent, Nifty FMCG 3.00 per cent, Nifty Infrastructure 1.70 per cent, and Nifty Consumption 2.73 per cent.Performance across midcap and smallcap segments was mixed during the trading week of October 13–17. The Nifty Midcap 100 Index gained 204.85 points or 0.35 per cent to close at 58,902.25, while the Nifty Smallcap 100 Index slipped 10.95 points to 18,122.40.Analysts said that the rally was underpinned by strength in consumption-driven sectors and a broad-based recovery across realty, healthcare, and banking. "Investor confidence was further buoyed by easing concerns around asset quality in the financial sector and expectations of improved volume growth in the festive quarter," market experts said.

Calcutta Stock Exchange may mark its last Diwali in 2025 ahead of voluntary exit as bourse

KOLKATA.(Agency)

The Calcutta Stock Exchange (CSE), one of India's oldest bourses, may this year celebrate its last Kali Puja and Diwali on October 20 as a functioning exchange, with the process of voluntary exit as a bourse nearing completion after a decade-long legal battle.Trading at CSE was suspended by SEBI in April 2013 following regulatory non-compliance.

After years of efforts to revive operations and contest SEBI directives in courts, the exchange has now decided to back out of the business and seek a voluntary exit from its stock exchange licence.

"Approval has also been obtained from the shareholders vide EGM dated April 25, 2025 relating to the exit of the stock exchange business. Accordingly, CSE submitted the exit application to SEBI, which has, in turn, appointed a valuation agency for undertaking the valuation of stock exchange which is in progress," CSE Chairman Deepankar Bose said.Once SEBI grats exit approval for stock exchange business, CSE will function as a holding company, while its 100 per cent subsidiary, CSE Capital Markets Pvt Ltd (CCMPL), will continue broking as a member of NSE and BSE.

The regulator has also cleared the proposed sale of CSE's three-acre property on EM Bypass to the Srijan Group for Rs 253 crore, expected to be executed post-exit approval by SEBI.

Founded in 1908, the 117-year-old institution once rivalled the Bombay Stock Exchange in trading volumes and stood as a symbol of Kolkata's financial heritage.

The decline began after the Rs 120-crore Ketan Parekh-linked scam triggered a payment crisis at the Calcutta Stock Exchange, as several brokers defaulted on settlement obligations. The episode shattered investor and regulator's confidence, resulting in a prolonged erosion of trading activity.

A nostalgic mood now prevails among the few members as CSE prepares for its last festive celebration as an independent bourse."We began each day with a prayer to Goddess Lakshmi before trading till April 2013 when trading was suspended by the regulator. This Diwali feels like a farewell to that legacy," said veteran stock broker Siddharth Thirani, recalling the bustle that once filled the Lyons Range floor till 1990s.

In December 2024, CSE's board resolved to withdraw its pending cases in the Calcutta High Court and the Supreme Court and apply for voluntary exit. The proposal was formally submitted to SEBI on February 18, and received shareholder approval on April 25 this year.SEBI has appointed Rajvanshi & Associate to undertake the valuation -- the final step before approval.

In preparation, the exchange launched a Voluntary Retirement Scheme (VRS) for all employees, entailing a one-time payout of Rs 20.95 crore which will have an annual savings of around Rs 10 crore.

Reformed GST Slabs Trigger Surge In Market And Consumer Confidence

Goods and Services Tax (GST) is a comprehensive, multi-stage, destination-based tax levied on the supply of goods and services. It was introduced in India to simplify the tax structure by replacing multiple indirect taxes with a single, unified tax.

New Delhi.(Agency)

A renewed sense of enthusiasm and momentum has been felt across markets, industry, business circles, and among the general public, following recent reform in tax slabs of the Goods and Services (GST), said Union Commerce and Industry Minister Piyush Goyal on Saturday. Goyal said this in a joint press conference with Finance Minister Nirmala Sitharaman and IT Minister Ashwini Vaishnaw.Speaking on the ease the reformed GST system has given to the consumers, Union Ministers hailed the recent GST rate rationalisation as a major driver of economic momentum during this year's festive season. The Union Ministers highlighted that the GST rate rationalisation reforms, which came into effect on September 22, have led to increased consumer demand, price reductions, and a visible boost in key sectors such as automobiles, electronics, and FMCG, among others.Goods and Services Tax (GST) is a comprehensive, multi-stage, destination-based tax levied on the supply of goods and services. It was introduced in India to simplify the tax structure by replacing multiple indirect taxes with a single, unified tax.GST reforms came into effect in India on September 22, following the 56th GST Council meeting. The most significant change was the move from a multi-tiered slab system (0%, 5%, 12%, 18%, and 28%) to a simplified structure of 5% and 12% only, with a new 40% rate for luxury and "sin" goods.In a joint press conference today in the national capital, Union Finance Minister Sitharaman highlighted the tangible impact. "It was launched on the first day of Navratri, I feel the people of India have received it well," the Finance Minister said, adding that the government has closely monitored 54 essential items and found that in every one of them, the tax benefit has been passed to consumers.The recent GST rate cut has led to a surge in orders for auto component manufacturers, driven by increased vehicle sales and consumer purchasing power. She added that the last nine days of

September alone saw a surge in purchases, with passenger vehicle dispatches touching 3.72 lakh units, two-wheeler sales reaching 21.60 lakh units, and three-wheeler dispatches growing 5.5 per cent YoY.Emphasising the impact of rate rationalisation, Sitharaman stated that sales of television sets surged 30-35 per cent while the sales of Air Conditioners (ACs) doubled on the first day. On day 1, LG India noted exponential growth in sales and during Navratri season sales of FMCG sector too have gone up, she further added.The period from Navratri to Diwali traditionally sees heightened home-buying sentiment across the country. Industry experts suggest that the combination of reduced GST rates and festive enthusiasm is set to accelerate housing demand. With lower input costs potential buyers are expecting lower prices and showing greater confidence in making purchase decisions during this period.Union Commerce and Industry Minister, Piyush Goyal said the reforms were long in the making. "Finance Minister's announcement of the GST reform on September 3 had been in the works for nearly a year and a quarter under the guidance of the Prime Minister. I thank the Prime Minister and the Finance Minister for making this year's Navratri so special. On September 22, the new form of #NextGenGST was implemented. In the markets, among industry and business circles, and among the general public, everyone experienced a renewed sense of enthusiasm and energy," he added.

Delhi MP housing complex fire: Residents blame poor upkeep, lack of fire preparedness for blaze

Residents claimed that a few children were injured and taken to a hospital, and several families suffered heavy losses due to the fire at Brahmaputra Apartments.

Agency New Delhi.

Residents of a Delhi apartment complex that saw a massive fire Saturday afternoon said despite being a high-security building complex where several MPs and their staff lived, it lacked basic fire preparedness and was poorly maintained.

Residents claimed that a few children were injured and taken to a hospital, and several families suffered heavy losses due to the fire at Brahmaputra Apartments in Baba Kharak Singh Marg area.

The apartments complex, inaugurated in 2020, has residences of Rajya Sabha MPs and their staff.On its part, the Central Public Works Department (CPWD), which maintains the building, said that all fire-fighting systems were operational and were effectively used to contain the fire before the arrival of fire tenders.The fire began on the ground floor, which was a parking space but filled with furniture, polishing materials and other inflammable items, residents said.

Officials said the cause of the blaze is under investigation, but residents said it started after the stacks of furniture caught fire when firecrackers were burst in the stilt area, which then spread rapidly.

"It almost looked like a sofa godown. We ran for water, but nothing worked. We went to the fire extinguishers and the pipes, but there was no water supply."By the time the fire trucks came, it was already too late. They came close to an hour late," Gangaram Valmiki, who works for various MPs and was among the first to witness the incident, told PTI.The Delhi Fire Services (DFS), however, denied the allegations of delay, saying that teams reached the site promptly after receiving the call.According to officials, the DFS received a call regarding the fire at 1.22 pm and began operations by 1.40 pm.

Fourteen fire tenders were rushed to the site, and the blaze was brought under control by 2.10 pm, it said.Kamal Gahtori, personal assistant to Uttarakhand MP Naresh Bansal, told PTI that the first floor, where he resides, was the worst affected.He said that when the fire broke out, he was attending a programme while his family was out of town for Diwali. His cook had gone out for work, leaving behind the cook's wife, two small children and the cook's elderly mother."The cook's wife had gone downstairs to get some milk and when she came back, she saw the fire.She immediately rushed back into the house to save her family.

Authorities issue over 100 licences for green firecracker sale in specific areas of Delhi

Agency New Delhi.

Ahead of Diwali, authorities have issued 103 temporary licences for the retail sale of NEERI-approved green firecrackers at designated locations across the city till Saturday, officials said.

District authorities, in coordination with the Delhi Police, has also formed patrolling teams headed by area sub-divisional magistrates (SDMs) to ensure strict compliance with the Supreme Court's guidelines on the sale and use of green firecrackers.

A total of 159 applications were submitted for temporary licences to sell green firecrackers, of which 103 were approved, while 56 are still under process, a senior police officer said. The highest number of licenses — 21 — were issued in northeast Delhi, followed by 20 in east Delhi, 12 in Rohini, 9 in Dwarka, 6 each in New Delhi and southwest Delhi, 5 in outer north Delhi, 1 in outer Delhi, and 21 in north and central Delhi.Patrolling teams from multiple agencies, including Delhi Police, will ensure that only NEERI- and PESO-approved green firecrackers with QR codes are sold and used.

The Supreme Court has permitted the sale of green firecrackers from October 18 to 20 and allowed their use between 6 am and 7 am, and from 8 pm to 10 pm on October 19 and 20.

Authorities have directed Delhi Police to process all temporary sale license applications within two days to ensure timely readiness. After Diwali, retailers will have two days to return or safely dispose of any unsold stock, following which restrictions will be reinstated.

AQI breaches 400 on festive day, Delhi's air quality worsens

Agency New Delhi.

On the festive Saturday, capital's air quality took a sharp turn for the worse, with pollution levels breaching the 400 mark at one of the locations placing parts of the city firmly in the 'Severe' category.Anand Vihar was the worst-hit, recording an alarming AQI of 407, followed by Wazirpur (347), Vivek Vihar (310), and Sirifort (308). The citywide average AQI at 8:5 pm stood at 266, placing Delhi overall in the 'Poor' category.

Despite the celebratory mood, the rising pollution and smoky skies cast a shadow over the day. According to experts, the situation is likely to deteriorate further with falling temperatures, lower wind speeds, and accumulation of pollutants, typical of early winter in the national capital.The India Meteorological Department (IMD) reported that Delhi recorded a maximum temperature of 33.5 degrees which was 0.9 degrees above the seasonal norm while the minimum settled at 19.6°C, which was 1.2°C above normal. Relative humidity hovered between 94 percent and 49 percent, contributing to a heavy, lingering haze.

Weather officials noted that temperatures have been gradually dipping since mid-October, signaling the early onset of winter. The IMD has advised commuters to remain cautious, especially during early mornings, when shallow fog and smog could impact visibility. From October 19 to 22, shallow fog or smog is expected in the mornings, with partly cloudy skies likely on October 22 as per the IMD website.Meanwhile, several other monitoring stations also reported worrying AQI levels: Dwarka Sector 8 (324), Ashok Vihar (298), Nehru Nagar (293), and RK Puram (291), all hovering between the 'Poor' and 'Very Poor' categories.

JNU students detained after protests over fines imposed on their leaders

Agency New Delhi.

Jawaharlal Nehru University (JNU) became tensed on Saturday after its administration imposed a fine of `10,000 each on student leaders for protesting against the eviction of PhD scholars from university hostels. The penalty, handed to JNU Student Union (JNUSU) president Nitish Kumar and Ranvijay Singh, JNU president of All India Students Association (AISA), sparked outrage among student organisations, which have called it an attempt to curb dissent on the campus.

The protest turned confrontational late in the evening,

when around 80 students tried to march from the campus to the nearby Nelson Mandela Marg. According to police officials, the students broke through barricades placed near the west gate of the campus at around 6 pm and allegedly manhandled police personnel while using abusive language. The altercation caused temporary traffic disruption in the area, following which 28 students—19 male and nine female—were detained. Among those held were the president, vice president and general secretary of the JNUSU.

The police said that six police personnel, including two women officers, sustained minor injuries and were sent for medical examination. Legal proceedings have reportedly been initiated against the students.

The JNU proctorial office, in its official penalty order, had said that Kumar's actions were "serious in nature" and warranted stricter action. As per the order, the student union president was found guilty of staging a protest within 100 meters of the dean of students' office and damaging university property.

AAI conducts land survey to add four parking bays at Hindon Airport

Agency New Delhi.

With just two parking bays available at the Hindon Airport for commercial planes and no operations permitted between sunset and sunrise, the airfield owned by the Indian Air Force remains severely unutilised.

The Airports Authority of India (AAI) now wants to increase flight operations as the airport and has recently completed a survey of the land required to triple the number of parking spots.

Airport director Chilaka Mahesh said on Saturday, "We are looking at increasing the number of parking bays from the existing two to six at the earliest, which will require around 34,500 square metres of land. A survey to identify the land required was conducted by AAI officials recently along with the defence estate and the revenue officials of Uttar Pradesh." He said that the report of this survey has been submitted to the defence estates department.

Mahesh is confident of getting the green signal for the expansion soon. "We will need six to seven months to ready the four parking bays. When the parking slots increase, the routes from this airport as well as the number of airlines from here will increase too," he said.

The AAI has posted a deputy general manager recently at the Hindon Airport to sort out the land issue and focus on the airport's expansion, he added.

The AAI began operations from the Hindon Airport on October 11, 2019, largely to facilitate regional connectivity under the UDAAN scheme. While Star Air operates under the scheme from this airport, Indigo and Air India Express use it to connect key state capitals. An average of 46 flights operate from this airport daily, with around 5,000 people arriving or departing from here.Another airport official said, "The terminal had been designed to cater to roughly 300 people but it handles 15 times the capacity. There is a demand to operate more flights. MPs from Pragyaraj and Lucknow want the airports in their cities to be connected with it."

Veer Munshi on art, exile, and healing Kashmir's scars through craft

Agency New Delhi.

"You feel like you're walking. You never unlace your shoes," says artist Veer Munshi, describing the feeling of being away from his home—Kashmir. He calls this distance a restlessness that has marked his life ever since leaving Kashmir 35 years ago. "You don't feel settled. You just keep walking," he adds.

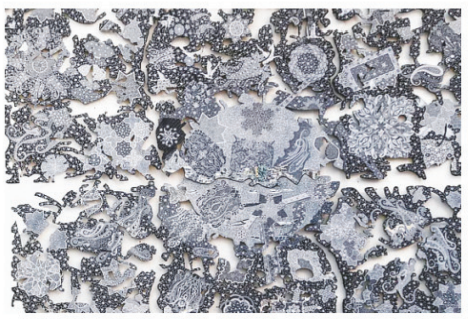

This sense of displacement lies at the heart of Munshi's art practice. Two of his works, currently on display as part of 'Ascending Roots' at Delhi's Ojas Art, reflect on exile, resilience, and the deliberate act of healing. His pieces are displayed alongside works by Manjunath Kamath, both of whom were previously exhibited at the Jaipur Literature Festival 2025.

The show, presented by Anubhav Nath, curatorial director of Ojas Art, highlights contemporary urban artists whose work remains deeply rooted in Indian aesthetics. Munshi's creations often appear like "fractured carpets"—meticulously assembled from fragments that resemble shrapnel, stitched together with motifs drawn from Kashmir's craft traditions. Each fragment tells a story from the state. "When you see Kashmir from afar, it looks beautiful. But when you go close, there's conflict. You're healing that conflict through these pieces. I try to archive what is lost—the cultural nuances, the places, the iconography. It's a fractured surface, but also a surface of healing," he explains.

Munshi's art is rooted in traditional Kashmiri craftsmanship—papier-mâché, chain stitch, Kari-e-Kalamkari, and other fading arts that serve as both medium and storyteller. His long engagement with Kari-e-Kalamkari, a paper-mâché technique practiced by craftsmen in Srinagar, is an act of revival.

Golden glow in Delhi markets on Dhanteras

Agency New Delhi.

The streets of Delhi echoed with festive cheer and fancy lights, holding thousands of shoppers excited for Dhanteras. The bustling markets on Saturday saw jewellery stores, automobile showrooms, and utensil shops thronged with customers, marking the beginning of Diwali.

Despite soaring gold prices, trading hubs of the city from Karol Bagh and Chandni Chowk to South Extension and Lajpat Nagar also shimmered with excitement.

The chaos of the choked traffic was quirky in its own way, with brand new cars adorned with ribbons crawling near major shopping streets. Eager buyers crowded the narrow lanes of Dariba Kalan, renowned for its exquisite gold and silver jewellery.

Families could be seen queuing outside jewellers, waiting for their turn to pick small gold coins or delicate silver idols of Goddess Lakshmi and Lord Ganesha. Overwhelmed shopkeepers said that the festive rush was reminiscent of pre-pandemic years.

The gold prices on Saturday were 1.31 lakh for 10 g, while the silver was worth Rs 1.72 lakh per kg. "Dhanteras is about good fortune, not just price, so even when the gold rates may be record high, people still want to buy at least something -- even if it's a tiny gold coin," said Anil Soni, a jeweller in Karol Bagh, as he handed over a neatly packed set of bangles to a customer.

Meanwhile in Old Delhi, the gold shops were seen selling 18-carat gold small earrings for Rs 7-8,000 and a small pendant set with a gold chain worth Rs 63,000. One of the shopkeepers selling gold jewellery in Matia Mahal, Jama Masjid, Wazeer Alam, said, "There are customers who cannot afford 22 carat or 24 carat on this occasion, so they prefer 18 carat, and we bring out different categories of gold jewellery which anyone can afford, like gold rings worth Rs 5-6,000 as well for gifting purposes."

In Lajpat Nagar and Rajouri Garden, electronic stores and car showrooms saw brisk sales. Shiny new cars decorated with marigold garlands rolled out of showrooms throughout the day, while utensil stores witnessed long queues of shoppers purchasing steel plates, diyas, and copper pots, symbolic of prosperity and new beginnings.

Centre Fined Rs 20,000 For Hiding Facts In Sameer Wankhede's Promotion Case

The Centre was seeking review of high court's August 28 order by which government was directed to find out UPSC's recommendation regarding Wankhede's promotion

Agency New Delhi.

The Delhi High Court on Friday imposed a cost of Rs 20,000 on the central government for concealing certain facts in its plea seeking review of an order relating to the promotion of IRS officer and former NCB Zonal Director Sameer Wankhede.

While deprecating the conduct, a bench of justices Navin Chawla and Madhu Jain said it expects that the Centre will disclose all the facts truthfully before filing of the plea.The Centre was seeking review of the high court's August 28 order by which the government was directed to find out the UPSC's recommendation regarding the promotion of Wankhede, and promote him in case there is such a commendation.

Wankhede, a 2008 batch Indian Revenue Service (IRS) officer, made headlines for allegedly demanding Rs 25 crore from Bollywood actor Shah Rukh Khan's family by threatening to implicate his son Aryan Khan in the Cordelia cruise drug bust case during his tenure in the Narcotics Control Bureau (NCB) Mumbai in 2021.

In its verdict, the high court had upheld the Central Administrative Tribunal's December 2024 ruling, which had directed the government to open the sealed cover pertaining to Wankhede's promotion and if his name was recommended by the UPSC, then promote him to the post of additional commissioner with effect from January 1, 2021.

The government had approached the high court, claiming that Wankhede's case was placed in a sealed cover due to the cases lodged against him.

During the Friday's hearing, Centre's counsel Ashish Dixit argued that before the August 28 order, the competent authority had issued a charge memorandum and initiated regular departmental proceedings against Wankhede on August 18, thereby legitimately invoking the "sealed cover" procedure.

He claimed that the court's decision was based on the incorrect factual assumption that no charge memo or charge sheet had been issued, and therefore, a review was justified on the grounds of this demonstrable error.The plea was opposed by advocate T Singhdev, representing Wankhede, who sought dismissal of the petition on the ground that it was a tactic to harass the officer.He said although the promotion order was issued in January 2021, the Centre delayed its implementation for several months and only challenged the CAT's decision after Wankhede initiated contempt proceedings.

NEWS BOX

US claims to have 'credible reports' of Hamas plotting attack on Gaza civilians

WASHINGTON. (Agency)

The US State Department on Saturday claimed it had "credible reports" that Palestinian armed group Hamas was planning an imminent attack against civilians in Gaza, a move Washington said would be a "ceasefire violation.""This planned attack against Palestinian civilians would constitute a direct and grave violation of the ceasefire agreement and undermine the significant progress achieved through mediation efforts," said the State Department in a statement."Should Hamas proceed with this attack, measures will be taken to protect the people of Gaza and preserve the integrity of the ceasefire."The statement did not elaborate on what those measures would entail, although President Donald Trump had this week threatened Hamas over the killings of civilians.

"If Hamas continues to kill people in Gaza, which was not the Deal, we will have no choice but to go in and kill them," Trump had said in a post on his Truth Social network, without specifying who he meant by "we."Hamas and Israel agreed to a phased peace deal last week that saw Israel end its military offensive in Gaza in return for the release of the hostages that remained in the Palestinian group's custody after its October 7, 2023, attack.The first phase of the deal, involving the release of living hostages -- and the return of the remains of those who are dead -- is in the fraught process of implementation.Washington said it had informed the guarantors of the peace deal -- which include the United States, Egypt, Qatar and Turkey -- of the "imminent ceasefire violation by Hamas."Earlier this week, Hamas tightened its grip on Gaza's ruined cities, launching a crackdown and executing alleged collaborators.Hamas published a video on its official channel showing the street execution of eight blindfolded and kneeling suspects, branding them "collaborators and outlaws."

Israel says Gaza's Rafah crossing will remain closed, adding pressure over hostages' remains

United States .(Agency) :

The Rafah border crossing between Gaza and Egypt will stay closed "until further notice," Israel said Saturday, after the Palestinian embassy in Egypt said the territory's sole gateway to the outside world would reopen Monday for people returning to Gaza.

The statement by Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu's office said reopening Rafah would depend on how Hamas fulfills its ceasefire role of returning the remains of all 28 dead hostages. Israel's foreign ministry earlier said the crossing would likely reopen Sunday.Hamas has handed over the remains of 10 hostages. In a statement, it asserted that its armed wing would hand over the remains of two more Saturday night, without identifying them.

The handover of remains is among key points, along with aid deliveries into Gaza and the devastated territory's future in the ceasefire process meant to end two years of war.The Rafah crossing is the only one not controlled by Israel before the war. It has been closed since May 2024, when Israel took control of the Gaza side. A fully reopened crossing would make it easier for Gazans to seek medical treatment, travel or visit family in Egypt, home to tens of thousands of Palestinians.Anxiety on both sides over remainsIsrael has been returning the bodies of Palestinians with no names, only numbers. Gaza's Health Ministry posts photos of them online, hoping families will come forward.s, we want our captives. Bring me my son, bring all our kids back," said a tearful Iman Sakani, whose son went missing during the war. She was among dozens of anxious families waiting at Nasser hospital.

Jeffrey Epstein Made Millions From Billionaire Leon Black, New Emails Reveal

world.(Agency)

Convicted sex offender Jeffrey Epstein reportedly bombarded billionaire Leon Black with aggressive emails demanding millions annually to fund his lavish lifestyle.The 2015-2016 emails reveal the close personal and professional ties between Epstein and Black, 74, who had hired the disgraced financier as his wealth adviser for tax, investment, and art matters, reported The New York Times.

Epstein lashed out at Black's financial advisers and called his "retarded" children responsible for creating a "really dangerous mess" by trying to cut off his payments. "I never want to have any more uncomfortable money moments with you. I find it very distasteful," Epstein wrote to the Apollo Global Management founder on November 2, 2015.

Epstein made more than $150 million from Black, even after his 2004 conviction for molesting a teenage girl and being listed as a sex offender.By 2016, Black was hesitant to continue paying Epstein, according to The NY Times. In response, Epstein sent dozens of angry emails over several months through his personal assistant.So to be clear, my terms are as follows. I will only work for the usual 40 million per year. It needs to be paid, 25 million upon signing an agreement. 5 million every 2 months thereafter for 6 months ie March May June. This can begin if I am able in January. I will immediately stop work, if the payment is not received [sic]," he wrote.

In one message, Epstein referred to Black's financial advisers as a "waste of money and space." In another, he claimed they had created "a really dangerous mess." He even insulted Black's children, referring to them as "retarded" for allegedly mismanaging his estate.

No Kings' protests against Trump bring a street party vibe to American cities

Demonstrators marched through Washington, Los Angeles and picketed outside capitols in several Republican-led states, a courthouse in Billings, Montana, and at hundreds of smaller public spaces.

RABAT. (Agency)

WASHINGTON: Large crowds of protesters marched and rallied in cities across the US Saturday for " No Kings " demonstrations decrying what participants see as the government's swift drift into authoritarianism under US President Donald Trump.People carrying signs with slogans such as "Nothing is more patriotic than protesting" or "Resist Fascism" packed into New York City's Times Square and rallied by the thousands in parks in Boston, Atlanta and Chicago.emonstrators marched through Washington and downtown Los Angeles and picketed outside capitols in several Republican-led states, a courthouse in Billings, Montana, and at hundreds of smaller public spaces.

Trump's Republican Party disparaged the demonstrations as "Hate America" rallies, but in many places the events looked more like a street party. There were marching bands, huge banners with the US Constitution's "We The People" preamble that people could sign, and demonstrators wearing inflatable costumes, particularly frogs, which have emerged as a sign of resistance in Portland, Oregon.

It was the third mass mobilization since Trump's return to the White House and came against the backdrop of a government shutdown that not only has closed federal programs and services but is testing the core balance of power, as an aggressive executive confronts Congress and the courts in ways that protest organizers warn are a slide toward authoritarianism.In Washington, Iraq War Marine veteran Shawn Howard said he had never participated in a protest before but was motivated to show up because of what he sees as the Trump administration's "disregard for the law." He said immigration detentions without due

process and deployments of troops in US cities are "un-American" and alarming signs of eroding democracy."I fought for freedom and against this kind of extremism abroad," said Howard, who added that he also worked at the CIA for 20 years on counter-extremism operations. "And now I see a moment in America where we have extremists everywhere who are, in my opinion, pushing us to some kind of civil conflict."Trump, meanwhile, was spending the weekend at his Mar-a-Lago home in Florida. "They say they're referring to me as a king. I'm not a king," the president said in a Fox News interview that aired early Friday, before he departed for a $1 million-per-plate MAGA Inc. fundraiser at his club.A Trump campaign social media account mocked the protests by posting a computer-generated video of the president clothed like a monarch, wearing a crown and waving from a balcony.Nationwide demonstrations

In San Francisco hundreds of people spelled out "No King!" and other phrases with their bodies on Ocean Beach. Hayley Wingard, who was dressed as the Statue of Liberty, said she too had never been to a protest before. Only recently she began to view Trump as a "dictator."'"I was actually OK with everything until I found that the military invasion in Los Angeles and Chicago and Portland — Portland bothered me the most, because I'm from Portland, and I don't want the military.

'Will shatter India's geographical immunity,' warns Pakistan Army chief Asim Munir

WASHINGTON .(Agency)

In an escalation of rhetoric, Pakistan's Army Chief, Field Marshal Asim Munir, has warned that Pakistan's expanding military capabilities could "shatter the misconceived immunity of India's geographical warspace."

His statement, delivered during a high-profile address at the Pakistan Military Academy (PMA) in Kakul, signifies yet another round of nuclear sabre-rattling by Islamabad. This time, it comes against the backdrop of ongoing Pakistani airstrikes on Afghan civilians near the border.

Munir, addressing graduating cadets, asserted that while there is "no space for war in a nuclearised environment," even a "minor provocation" from India would invite a "decisive, beyond proportions" response from Pakistan.

"Should a fresh wave of hostilities be triggered, Pakistan would respond much beyond the expectations of the initiators," he said. "With diminishing distinction between combat and communication zones, the reach and lethality of our weapon systems will shatter the misconceived immunity of India's geographic vastness."

Munir went on to warn of "deeply hurting retributive military and economic losses" and said the responsibility for any future escalation, potentially with "catastrophic consequences for the region and

beyond" would rest solely with India. Munir also accused India of using terrorism as a tool to destabilise Pakistan. Without naming the TTP, he warned that all "proxies" operating from Afghan soil would be "raised to dust."Munir's highly provocative remarks come at a time when Pakistan itself faces scrutiny for launching airstrikes across the Durand Line in Afghanistan. According to multiple reports, these strikes have caused civilian casualties, including the deaths of Afghan cricketers Sibghatullah, Haroon, and Kabeer Agha. The military action follows a series of deadly cross-border attacks by the Afghan Taliban, which have placed Pakistan's security establishment under growing pressure.

As Munir accuses India of destabilising the region, Pakistan's military is itself being condemned for escalating tensions with Afghanistan—a nation still reeling from years of conflict and humanitarian crisis.

This isn't the first time Munir has resorted to inflammatory language. Just days before a deadly terrorist attack in Jammu and Kashmir's Pahalgam this year that claimed 26 civilian lives, Munir had referred to Kashmir as Pakistan's "jugular vein," stoking concerns of further unrest in the region. As Pakistan navigates regional tensions, its Army Chief's latest outburst has yet again raised fresh alarms about the risks of nuclear brinkmanship in South Asia.

Yemen's Houthi rebels raid a UN facility but all staff are reported safe

CAIRO . (Agency)

. Iranian-backed Houthi rebels on Saturday raided a U.N. facility in Yemen's capital, Sanaa, a U.N. official said, but all staff were reported to be safe.

Jean Alam, a spokesman for the U.N. resident coordinator for Yemen, said Houthi security forces entered the U.N. compound in Sanaa. He told The Associated Press there were 15 U.N. international staff members in the facility at the time of the raid, and that "according to latest information all staff in the compound are safe and accounted for and have contacted their families."The rebels also raided U.N. offices in Sanaa on Aug. 31 and detained 19 employees, according to the U.N. They later released the deputy director of the UNICEF office in the country but still hold more than 50 people, including many associated with aid groups, civil society and the now-closed U.S. Embassy in Sanaa."The United Nations is taking all necessary measures and is in contact with the relevant authorities and counterparts to ensure the safety and security of all personnel and property," Alam said, referring to Saturday's raid.Another U.N. official, speaking on condition of anonymity to discuss the raid, said the building is operated by the U.N. The employees belong to multiple U.N. agencies including the World Food Program, UNICEF and the Office for the Coordination of Humanitarian Affairs, the official said.A spokesman for the Houthis didn't answer phone calls seeking a comment.The Houthis have alleged without evidence that the U.N. staffers detained in August were spies — something fiercely denied by the world body and others.In a televised speech Thursday, the Houthis' secretive leader, Abdul Malik al-Houthi, claimed that they detained one of "the most dangerous espionage cells" which he said was "affiliated with organizations working in the humanitarian field, notably the World Food Program and UNICEF." He didn't offer evidence."Accusations such as these are dangerous and unacceptable," U.N. spokesman Stéphane Dujarric said of the Houthi remarks. "They seriously jeopardize the safety of U.N. personnel and humanitarian workers and undermine life-saving operations."Saturday's raid was the latest in a long-running Houthi crackdown against the U.N. and other international organizations working in rebel-held areas in Yemen. The crackdown forced the U.N. to suspend its operations in the Houthi stronghold of Saada province in northern Yemen following the detention of eight staffers in January. The U.N. also relocated its top humanitarian coordinator in Yemen from Sanaa to the coastal city of Aden, which serves as seat for the internationally recognized government.Yemen has plunged into civil war in 2014, when the Houthis seized Sanaa and much of northern Yemen, forcing the internationally recognized government into exile.

China's ruling Communist Party meets to map out plans for the next five years

HONG KONG .(Agency)

One of China's most important meetings begins Monday, as leader Xi Jinping and other ruling Communist Party elites gather in Beijing to map out the goals for the next five years.The closed-door gathering — known as the fourth plenum — is expected to last four days and will discuss and put the final touches on China's next five-year plan, a blueprint for 2026-2030.The leaders are meeting at a time of heightened trade tensions between Washington and Beijing and just ahead of a possible meeting between Xi and US President Donald Trump during a regional summit later this month.Here is what to know about the meeting:

What the fourth plenum is and why it mattersThe fourth plenum refers to the fourth plenary session, out of typically a total of seven sessions during the

five-year term of the Chinese Communist Party's central committee. Xi and about 370 members of the central committee are expected to attend.

The gathering also may coincide with personnel changes. Since it's held behind closed doors, details may come days or weeks later.

Such gathrings are meant to help unite officials and the public behind the party's agenda.The full five-year plan for 2026-2030 and specifics will likely not be released until the annual session of the National People's Congress is held in March.But there is little reason to expect a radical shift away from the format and messaging style of previous five-year plans, Lynn Song, chief economist for Greater China at ING Bank, said in an interview.

What to expect in China's next 'five-year plan'The world's second-largest economy is forecast to expand by 4.8% this year, according to the World Bank, a figure close to China's official target of about 5% growth. China faces challenges from the trade war that has intensified since Trump took office, but also from chronic domestic problems that are dragging on growth.

Longstanding efforts to boost consumer spending and investment by businesses and to curb excess capacity in many industries top the list of economic priorities.

Afghanistan, Pakistan agree to immediate ceasefire, says Qatar Foreign Ministry

Each country has said it was responding to aggression from the other. Afghanistan denies harboring militants who carry out attacks in border areas.

ISLAMABAD . (Agency)

Afghanistan and Pakistan have agreed to an immediate ceasefire, Qatar's Foreign Ministry said Sunday. It follows more than a week of fighting that has killed dozens of people and injured hundreds.The two sides agreed to establish mechanisms to consolidate lasting peace and stability, as well as holding follow-up talks in the coming days to ensure the ceasefire's sustainability, the Qatari statement said.

Delegations from Afghanistan and Pakistan were in Doha for talks to resolve the deadliest crisis between them in several years. The talks were mediated by Qatar and Turkey.Both governments had sent their defense ministers to lead the talks, which Pakistan said would focus on "immediate measures to end cross-border terrorism emanating from Afghanistan and restore peace and stability along the border."Each country has said it was responding to aggression from the other. Afghanistan denies harboring militants who carry out attacks in border areas.Regional powers, including Saudi Arabia and Qatar, have called for calm, as the violence threatened to further destabilize a region where groups including the Islamic State group and al-Qaida are trying to resurface.A 48-hour ceasefire intended to pause hostilities expired Friday evening. Hours later, Pakistan struck across the border.

Pakistani security officials confirmed to The Associated Press Saturday that there were strikes on two districts in Afghanistan's eastern Paktika province.The targets were hideouts of the militant Hafiz Gul Bahadur group, according to the officials who spoke on condition of anonymity because they were not authorized to talk to the media. One said the operation was a direct response to the suicide bombing of a security forces compound in Mir Ali, in Pakistan's Khyber Pakhtunkhwa province a day earlier.The Pakistani Air Force raids killed dozens of armed fighters and there were no civilian deaths, they said.But Afghan officials said the aerial assaults killed at least 10 civilians, including women, children and local cricketers. The attacks prompted the national cricket board to boycott an upcoming series in Pakistan.

On Saturday, several thousand people attended funeral prayers in Paktika. They

sat in the open air as loudspeakers broadcast sermons and condemnation.

Zabihullah Mujahid, the Taliban government's chief spokesman, in a statement, criticized the "repeated crimes of Pakistani forces and the violation of Afghanistan's sovereignty."Such acts were deemed provocative and viewed as "deliberate attempts" to prolong the conflict, he added.The two countries share a 2,611-kilometer (1,622-mile) border known as the Durand Line, but Afghanistan has never recognized it.

Pakistan is grappling with surging militancy, especially in areas bordering Afghanistan. It also accuses its nuclear-armed neighbor and rival India of backing armed groups, without providing any evidence.Pakistan's army chief, Asim Munir, urged Afghans to choose "mutual security over perpetual violence and progress over hardline obscurantism.""The Taliban must rein in the proxies who have sanctuaries in Afghanistan," he told an audience on Saturday at the Pakistan Military Academy in Kakul, Khyber Pakhtunkhwa.

NEWS BOX

IND vs AUS: World's fastest ball? Speed gun clocks Mitchell Starc at 176.5 kmph

Perth. (Agency)

Australia fast bowler Mitchell Starc bowled a riveting opening spell against India in the 1st ODI between the two sides in Perth. Starc dismantled the Indian top order with a 5-over spell in which he registered figures of 5-1-20-1, helping the hosts dominate the Shubman Gill-led side.Starc set up Virat Kohli and dismissed the batter for an 8-ball duck. However, that did not turn out to be the talking point of his spell at all. In fact, it was one of his deliveries to Rohit Sharma that went viral on the internet instead. Starc's first

ball to Rohit Sharma was clocked at 176.5 kmph — perhaps the fastest ever recorded in the history of ODI cricket.

The incident quickly went viral on the internet, as cricket fans joked about what was obviously an error from the speed gun on Sunday, October 19. That said, Starc bowled quite a fiery spell to the Indian top order, averaging around 140 kilometres per hour. One of Starc's fastest legitimate deliveries was clocked around 145 kmph, once again bowled to Rohit Sharma.

Starc troubled the former India captain with his lengths and the steep bounce he was able to generate from the Perth track. He did not allow Rohit to get off the blocks quickly, which visibly frustrated the Indian opener.

Starc's pressure eventually resulted in a wicket in the 4th over of the match, when Josh Hazlewood managed to draw an outside edge from the India captain to second slip. A frustrated Rohit Sharma walked off the ground after scoring just 8 runs off 14 balls, losing his wicket to a ball that he perhaps should have left alone.

After Hazlewood's wicket, Australia had their tails up. Starc soon capitalised on the pressure, dismissing Virat Kohli for an 8-ball duck in the 7th over of the match. Kohli, who batted with a newly opened-up stance against Starc, tried to push at a ball angling across him and ended up handing a catch to the left of point, where Cooper Connolly completed it.

No vadapav, 800 reps daily: Rohit Sharma trained like a bodybuilder for ODI return

After months away from international cricket, Rohit Sharma returned leaner, lighter and hungrier. Under the watchful eye of Abhishek Nayar, the former India captain endured a punishing three-hour daily routine, swapping his beloved vadapav for 800-rep workouts in a bid to extend

New Delhi. (Agency)

Rohit Sharma's transformation has been one of the major talking points in the lead-up to his one-day international comeback in Australia. Rohit may not have had a successful return to international cricket after an early failure in the ODI series opener against Australia in Perth, but the former captain, 38, has given himself the best possible chance to realise his dream of playing on until the 2027 ODI World Cup.Rohit has surprised quite a few with his lean and fit look, months after appearing overweight on his return from a family holiday. Much has been said about Rohit's gruelling training sessions with former India assistant coach Abhishek Nayar in Mumbai as he prepared for his one-day international return.Speaking to JioStar after Rohit was dismissed for 8 on Sunday, Abhishek Nayar reflected on how the former captain trained like a bodybuilder to shed 11 kilograms through a meticulously planned training regime in Mumbai that lasted eight weeks before they shifted focus to skill work.The Mumbai all-rounder, who has worked extensively with Rohit over the years, said the ex-captain would do 700-800 repetitions for each muscle group as they focused on shedding weight before beginning skill training.Rohit played his first competitive match in four months, returning to international cricket after nearly seven months."To sum up, three hours of training every day. We didn't do a lot of cardio. The first five weeks were about a bodybuilder's mindset where he was trying to train to completely lean down. He trained like a bodybuilder – high repetitions," Nayar said.

"It would surprise a lot of people. Even Team India's strength and conditioning coach, Adrian Le Roux, would abuse me! But he did 700-800 reps for every body part. It was almost an hour-and-a-half session every day. Imagine, if you were doing chest and triceps, you ended up doing 800 reps. With light

weights, we did a lot of repetitions, aiming for strength and endurance. Along with that, we finished every session with around 15 to 20 minutes of cross-fit, which is more cardio and movement-based. This was six days a week, three hours a day, for three months. It was non-stop," he addedNayar also said Rohit displayed excellent self-discipline when it came to eating the right foods during the three-month training regime, noting that the star batter stayed away from some of his favourite snacks, including vadapav."But the game doesn't end there. After that, his eating habits had to be controlled," Nayar said."It was his commitment to go home and not indulge in the famous vadapav and everything else people talk about. That was his commitment to the sport. Those three hours are only as useful as what you do after that. Those 21 hours – the way he controlled himself, not to eat – that was the mindset."The first eight weeks were pure, hardcore training," he added.Nayar said Rohit himself was surprised by how much more freely he was able to move once they began working on his skills."Then we introduced skills. We were trying to see what changes had come about in the way he moved, how he felt after losing weight. It's been a lot of hard work - from being a bodybuilder to becoming an athlete in those few weeks," he said."The first time we practised, he played a defensive shot. That day, the scenario was drop and run. When he ran and reached the non-striker's end, he said: 'Bhai, main toh ud raha hoon (Brother, I'm flying).

Six Kings slam: Jannik Sinner thrashes Carlos Alcaraz to win second successive title

India captain Rohit Sharma credited former coach Rahul Dravid's vision for their 2025 Champions Trophy success. Sharma said that the processes set by Dravid helped the team even after the coach left.

New Delhi. (Agency)

Jannik Sinner produced a flawless performance to defeat his rival Carlos Alcaraz and claim his second successive title at the Six Kings Slam in Riyadh, Saudi Arabia. It took just 73 minutes for Sinner to beat Alcaraz 6-2, 6-4 in straight sets, to take home a record-breaking $6 million, the biggest prize money of the tennis season.

While the Six Kings Slam is an exhibition event and does not count towards ATP rankings or head-to-head records, Sinner entered the match with a point to prove after suffering a heavy loss to Alcaraz in last month's US Open final.The Italian had previously beaten the world No. 1 just once in their last eight official encounters, in this summer's Wimbledon final. But in Riyadh, a much-improved serve helped Sinner take control from the start as he stormed to a dominant win, sending a clear message to his biggest rival.Alcaraz admitted afterwards that he felt "under pressure" throughout the match as Sinner's serve repeatedly pinned him back. The world No. 2 won 80 percent of his service points and did not face a single break point, showcasing the work he had put into his service motion since their meeting in New York.Sinner, 24, said after the US Open final that he needed to make "changes" to his game, and in Riyadh, those adjustments paid off. The city's high altitude added extra pop to his delivery, something Alcaraz said he could "feel" compared to their previous clash.Following his win, Sinner recalled the two grand slam final losses against Alcaraz at the French Open and US Open. He also spoke about the good friendship that the duo shares outside the court."Especially this season we played many, many times, I lost also many times against Carlos, it's a huge pleasure and an honour to share the court with him, but at the same time, you want to get better as a tennis player. It's nice to have a great rivalry and also, more importantly, a great friendship off the court, and we have a very, very special, special friendship, and it's very nice," said Sinner after the match.

Why Virat Kohli opted to spend time in London after Test retirement

New Delhi. (Agency)

Virat Kohli made his return to international cricket after a long break of seven months on Sunday, October 19. The legendary batter had stayed away from the public eye since helping Royal Challengers Bengaluru win the Indian Premier League. Speaking ahead of the 1st ODI against Australia, Kohli opened up about the extended break he took in London with his wife and family.In an interview with Adam Gilchrist and Ravi Shastri, Kohli revealed that his retirement from Test cricket allowed him to spend more time at home and catch up on his personal life. The iconic cricketer admitted that he had not really experienced a proper break while playing international cricket over the past 15 years and was genuinely happy to spend some quality time with his wife and two children."Yeah, it's been a long time off for me since I retired from Test cricket, and as I was saying, I've just been catching up on life. I hadn't been able to do that for so many years. Being able to spend quality time with my kids and family at home has been a really beautiful phase — something I've truly enjoyed," Virat Kohli said on Fox Cricket ahead of the opening ODI of the 3-match series.

"To be honest, with the amount of cricket I've played over the last 15 to 20 years, I've hardly ever taken a real break. I've probably played more matches than almost anyone in the last 15 years when you combine international cricket with the IPL. So, this time off was actually very refreshing for me," he added.

Kohli Questioned Over Fitness Routine

During his break in London, questions were raised about Virat Kohli's fitness standards. With the Board of Control for Cricket in India moving away from the Yo-Yo Test and the Bronco Test, critics were eager to see how Kohli would perform upon returning directly to international cricket after such a long break.

However, Kohli allayed those concerns by turning up in top shape, stating that he is currently the fittest he has ever been. He explained that there are two key facets to the game — the physical and the mental. Mentally, he was already locked in, and the only thing he needed to ensure was that his body remained in peak condition — something he has worked hard to maintain.

"I'm feeling as fit — if not fitter — than I've ever been. There's a real sense of freshness when you know the game so well mentally, and it's just the physical preparation that needs to be looked after.

Rashid Khan removes PSL team Lahore Qalandars from X profile after Pak airstrikes

New Delhi. (Agency)

Afghanistan T20I captain Rashid Khan has removed the name of Lahore Qalandars, his Pakistan Super League (PSL) franchise, from his X (formerly Twitter) bio. The move follows Afghanistan's decision to withdraw from the upcoming tri-nation T20I series in Pakistan in protest against recent Pakistani airstrikes that reportedly killed eight civilians, including three young cricketers.

Rashid, one of the most prominent figures in international cricket, had previously listed all major teams he represents in his X bio: the Afghanistan national team, Gujarat Titans (IPL), Adelaide Strikers (BBL), and Lahore Qalandars (PSL). However, he's now removed Lahore Qalandars' name from the list — leaving only the IPL and BBL

teams alongside his national side.This change came shortly after Rashid issued a powerful statement condemning the strikes and supporting the Afghanistan Cricket Board's (ACB) decision to pull out of the Lahore tri-series, which was scheduled for November 17–29 and was to feature Pakistan and Sri Lanka."I am deeply saddened by the loss of civilian lives in the recent Pakistani aerial strikes on Afghanistan — a tragedy that claimed the lives of women, children, and aspiring young cricketers who dreamed of representing their nation on the world stage," Rashid wrote on X.These unjust and unlawful actions represent a grave violation of human rights and must not go unnoticed. In light of the precious innocent souls lost.

Barcelona beats Girona in stoppage time; Flick to miss clasico after sending off

BARCELONA. (Agency)

Substitute Ronald Araújo snatched Barcelona a 2-1 victory over Girona in stoppage time in La Liga on Saturday and ended a mini losing streak before the clasico at Real Madrid next week.

The central defender made the move of a striker when he slid in front of his marker as they raced to the near post and skillfully redirected a low pass from Frenkie de Jong to ignite the home crowd.Araújo's last-gasp goal came moments after Barcelona coach Hansi Flick was sent off with two quick yellow cards apparently for complaining that the referee had not added more than four minutes of injury time.The referee's report said Flick protested one of his decisions with ironic clapping and with "gestures of disapproval." Flick said his actions were not directed at the referee.The sending off means Flick won't be on the sideline for the first clasico of the season. scorers Robert Lewandowski, Raphinha and Ferran Torres unavailable because of injury, Flick sent on Araújo in the 82nd and ordered him to join the attack in their desperate search for a winner."I am really happy for Ronald because he always plays with his whole heart for this team," Flick said. "I spoke to him to ask if it was possible for him to play at this position."raújo said

that he "didn't hesitate" when his coach asked him if he could help in attack.Girona took it to us really well and had several chances, but the important thing is that we stuck with it to the end and showed the fight that our fans want from us," Araújo said. "We knew that we were coming from two tough losses but that with hunger and work we knew that we could win before a big week."Before the international break, Barcelona lost to Paris Saint-Germain 2-1 in the Champions League and was stunned at Sevilla 4-1 in La Liga.Barcelona moved into the league lead with a one-point advantage over Madrid before it plays Getafe on Sunday. Before the trip to the capital, Barcelona hosts Olympiakos on Tuesday in the Champions League.Girona had its chancePedri González gave Barcelona the lead with an exquisite goal in the 13th, sliding an angled ball back across the area and inside the near post without looking at the target.But Barcelona's control collapsed after Axel Witsel equalized seven minutes later with an acrobatic bicycle kick to whip a loose high ball off the turf and past Wojciech Szczesny.

IND vs ENG: Struggling India look for redemption against spin-heavy England

Women's World Cup, IND vs ENG: India aim to bounce back from consecutive defeats, while England look to secure a semi-final berth when they face each other on Sunday in Indore.

New Delhi. (Agency)

India's Women's World Cup campaign has been steady, but far from soaring. Two wins from four games have kept Harmanpreet Kaur and her side afloat — yet, as the tournament hurtles toward its business end, steady will no longer suffice. With Australia and South Africa already sealing their semi-final spots, India now find themselves in a tricky territory, where every misstep could spell trouble.Back-to-back defeats against South Africa and Australia have exposed familiar frailties, leaving the team searching for rhythm and belief. Their next hurdle, however, is no less daunting. On Super Sunday, India square off against four-time champions England at the Holkar Stadium in Indore — a clash that could very well define their campaign.Stay updated for complete coverage of Women's World Cup 2025 with India Today! Get full schedule, team squads, live score, and the updated ICC women's world cup points table.For England, the equation is straightforward: a win ensures safe passage to the semi-finals and tightens the race for the final spot. For India, it's about reigniting their spark, rediscovering the fearless brand of cricket that once made them formidable contenders. The stakes couldn't be higher, the margins couldn't be slimmer — and the time for India to truly arrive in this World Cup is now.Huge spin threat

India's struggles against spin — particularly left-arm spin — have become an open secret. From Sri Lanka's Inoka Ranaweera to Pakistan's Nashra Sandhu and South Africa's Nonkululeko Mlaba, the trend has

been worryingly consistent: India's batters have had to grind for every run. And as they prepare to face England, the challenge is only set to intensify.

At the heart of England's spin arsenal is Sophie Ecclestone — the world's top-ranked bowler — who has been operating in a different league altogether. With nine wickets at a scarcely believable economy rate of 2.30, she's been both ruthless and relentless, squeezing batters into submission with her control and guile.Backing her up is Lauren Smith, whose match-winning spell against South Africa has reignited her confidence. Charlie Dean, too, has been among the wickets, her handy lower-order batting adding another layer of depth to England's side. And then there's Alice Capsey — tidy, disciplined, and precise with an economy rate of 3.53 — who continues to play her role to perfection.If that spin trio isn't enough, there's still Sarah Glenn waiting in the wings, ready to pounce if called upon. For India's batters, that means there will be little room to breathe and even less to err — a test not just of skill, but of temperament against one of the most complete spin units in the tournament.

Sooraj Barjatya To Kick Off Shooting For Ayushmann Khurrana

Sharvari Wagh

Next From November 1

Ayushmann Khurrana is currently gearing up for Thamma, which is all set to release this Diwali, that is, on October 21. Ten days after the release of the horror comedy, the talented actor will start filming for blockbuster director Sooraj Barjatya's yet-untitled family film. It will be produced by Rajshri Productions and Mahaveer Jain Films.

A source informed, "After Uunchai (2022), Sooraj Barjatya's last film, Rajshri Productions has decided to join hands once again with Mahaveer Jain Films. Both Sooraj Barjatya and Mahaveer Jain had a wonderful time working with each other on Uunchai and hence, they decided to collaborate yet again."

The source continued, "The film goes on floors on November 1. It is a romantic family entertainer and would have the trademark Sooraj Barjatya stamp. Besides Ayushmann, it also stars Sharvari." The film is presented and produced by Rajshri Productions in association with Mahaveer Jain Films and Anita Gurnani.

Last week, Ayushmann Khurrana attended the first day of the silver jubilee edition of FICCI Frames 2025. At his session, he confirmed for the first time that he had signed Sooraj Barjatya's next. He said, "As for my line-up, Thamma is my first big Diwali release. It would be followed by a Sooraj Barjatya film, which is for a wider audience. Then I am also doing a Dharma film, which also would be for a wider audience."

Sooraj Barjatya says his next film is with Ayushmann Khurrana

In an interview with PTI, Sooraj Barjatya said, "We're shooting the film with them (Ayushmann and Sharvari) in Mumbai. It's a story set in Mumbai. He is a dedicated and fine actor. It's all about getting the right story and making it look real and making it with the right cast. Besides them, we've more people in the cast, like how we have it in all my films."

Ayushmann Khurrana teams up with Karan Johar for a spy comedy

The film, yet to be named, will be directed by Aakash Kaushik and is expected to be a unique spy comedy. Sources close to the project told entertainment portal Pinkvilla, "Karan and Guneet have been very excited about this subject as the script has shaped up well with a perfect blend of espionage elements with comedy.

The script tick marks all the boxes of a commercial film as it has scale, thrill, and action with a lot of comedy, and the trio of Karan, Guneet, and Aakash feel that Ayushmann Khurrana fits the character to the T."This film promises to redefine the spy genre within Hindi cinema and will stand out as a quintessential Ayushmann Khurrana film.

Sonam Kapoor's

Radiant New Look Impresses Fans Amid Second Pregnancy Buzz

If there's a celebrity who can turn every festive appearance into a fashion statement, it's Sonam Kapoor. Known for her bold fashion choices, Sonam once again raised the bar this Diwali with her new look. Her soft pink look for Dhanteras has caught everyone's attention, especially amid the rumours surrounding her second pregnancy.Sonam Kapoor took to Instagram to share photos from her radiant, pink look. She wrote, "Welcoming light, health, and

abundance into our homes this Dhanteras May Goddess Lakshmi and Lord Dhanvantari bless you with prosperity and well-being." Sonam kept her look simple but added a gajra for some flair. Have a look at the photos here:

Sonam Kapoor glowed in the photos, and fans loved her new look. However, besides her fashion choices, the actress is also currently in the news because of speculations that she is expecting her second child.

While Sonam has yet to make an official announcement, reports suggest that she and her husband, businessman Anand Ahuja, are expecting their second child. The couple, who tied the knot in May 2018, are already parents to a son, Vayu, born in August 2022.

According to a report by Pinkvilla, Sonam is currently in her second trimester, and the family is expected to share the news publicly in the coming weeks. "Sonam is in the second trimester of her pregnancy, and the news has brought immense joy to both families," a source cited by the entertainment portal claimed.

Recently, Sonam attended her cousin Anshula Kapoor's engagement ceremony, where she also avoided posing for photographers. Eyewitnesses revealed that one of her staff members requested the paparazzi to lower their cameras, allowing the actress to enter the venue discreetly.

On the work front, Sonam Kapoor made her Bollywood debut with Sanjay Leela Bhansali's Saawariya and later had a good run in Bollywood with hits like Raanjhanaa and Neerja. Sonam was last seen in the 2023 crime-thriller Blind, a remake of the 2011 Korean film of the same name. Directed by Shome Makhija and produced by Sujoy Ghosh, the film marked Sonam's return to the screen after a six-year career break following The Zoya Factor. Up next, Sonam Kapoor will star in Battle for Bittora, an adaptation of Anuja Chauhan's novel.

For Divya Dutta, Diwali Is The 'Time To Unwind' And Stay Away From Work Stress

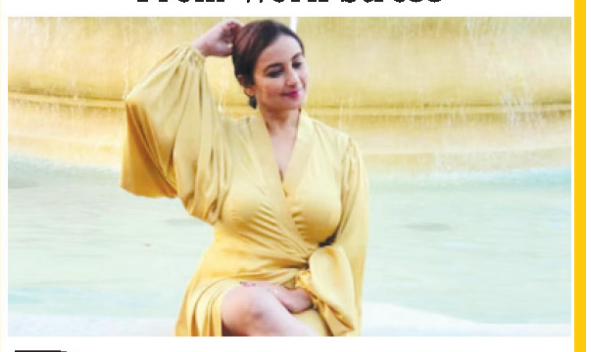

Diwali is quickly approaching, and all of your favourite celebrities are planning special celebrations. Among others, Divya Dutta enjoys celebrating Diwali with her family and loved ones. She believes that the occasion is truly special as it gives her the zeal to work harder in life. For her, the festive season should be enjoyed wholeheartedly without any kind of work stress.In an interview with Hindustan Times, Divya Dutta noted that the festival of lights is like a 'tonic' for her and she takes her inspiration from it.

She noted, "This is the time to unwind, and it's like 'kaam ki baat Diwali ke baad.' It's time to spread happiness with family, friends, and those who work for you! Above all, it's about pampering yourself – dressing up well, decorating your house, and refreshing everything. There is something about this festival… pata nahi kya. Hawa main kuch naya hota hai!"

Divya Dutta On Hiding Herself During Diwali Shopping

Apart from the celebration, Divya enjoys shopping for the festival. She shared that she disguises herself so that no one can recognise her and she gets to shop freely. Divya said, "I literally go mad when it comes to festive shopping! I put on a cap, mask, and big sunglasses, and I head to the busiest market in Mumbai." She hides herself and tries not to speak much since people recognise her voice.

Divya Dutta's Celebrations Beyond Home

Her favourite place to visit during the festivities is Shabana Azmi's home. Aside from that, we have a get-together with my close friends, which includes actors, writers, directors of photography, and directors. She has also managed to keep Diwali free for herself.

Shoots are common these days, but she has always been able to celebrate the festival from home. Last year, she was shooting close to Diwali and made it home barely in time. She concludes by encouraging people to rejoice with light and avoid crackers for the sake of the environment and pets.

Ex-Couple Ankit Gupta And Priyanka Chahar Choudhary Attend Ravi Dubey's Diwali Bash

Sargun Mehta and Ravi Dubey hosted a grand Diwali celebration that attracted celebrities from both the television and film industries. The glitzy evening was filled with laughter, glamour and festive cheer, making it one of the most talked-about celebrity events this season.

The party saw appearances from popular actors and comedians, including Rithvik Dhanjani, Abhishek Kumar, Zakir Khan and Ayesha Khan, among others.

Ankit Gupta and Priyanka Chahar Choudhary: The Ex-Flames in the Spotlight

What captured the audience's attention the most was the presence of former co-stars and rumoured exes, Ankit Gupta and Priyanka Chahar Choudhary. Both actors attended the party, though they did not arrive together nor were they seen posing together. According to videos circulating online, Ankit Gupta was accompanied by Abhishek Kumar, while Priyanka Chahar Choudhary made a solo entrance, confidently posing for the paparazzi.

Fashion Highlights: Ankit Gupta and Priyanka Chahar Choudhary's Stylish Ensembles

Ankit Gupta looked dashing in a black Indo-Western sherwani adorned with intricate floral embroidery. The design featured a mandarin collar, embroidered shoulders and detailed sleeves, adding a regal touch to his festive attire.

Meanwhile, Priyanka Chahar Choudhary stunned in a black and gold ensemble. The outfit included a strapless black top or corset with gold leafy or floral detailing, paired with a black draped skirt. She accessorised her look with a choker necklace and styled her hair in an elegant bun, perfectly complementing the festive glamour of the evening.

Professional Highlights of Ankit and Priyanka

On the professional front, Ankit Gupta was last seen portraying Rannvijay Rana in the StarPlus drama Maati Se Bandhi Dor, starring opposite Rutuja Bagwe.

Priyanka Chahar Choudhary is best known for her role as Tejo Kaur Sandhu in the hit TV show Udaariyaan. She has also featured in several serials and gained immense love for her memorable stint on Bigg Boss 16.